शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 286 | गुवाहाटी | रविवार, 14 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी के प्रदूषण पर स्वतः संज्ञान ... पेज 3
शासन की रीढ़ हैं सिविल सेवाएं, सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में ... पेज 4
गोरखपुर मंडल की सात चीनी मिलों पर 26214.40 लाख गन्ना मूल्य बकाया पेज 5
कर्नाटक में हुई महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जनता की जीत : भूपेंद्र हुड्डा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक राजा की ताकत उसकी शक्तिशाली भुजाओं में होती है। ब्राह्मण की ताकत उसके आध्यात्मिक ज्ञान में और एक औरत की ताकत उसकी खूबसूरती, यौवन और मधुर वाणी में होती है।

– आचार्य चाणक्य

कर्नाटक हाथ के साथ

जीत से गद्गद कांग्रेस

ये जीत जनता जनार्दन की : खरगे

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में आए अब तक के रुझानों में कांग्रेस जीत के करीब पहुंच चुकी है। कांग्रेस ने रुझानों में बहुमत हासिल कर लिया है। उन्हें अब तक 136 सीटें हासिल हुई है, वहीं, भाजपा पूरी तरह से पिछड़ गई है। कांग्रेस की जीत पर पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन को जनता जनार्दन की जीत बताया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने राज्य में भाजपा के खराब प्रशासन के खिलाफ बढ़-चढ़कर मतदान किया है। यही वजह है कि भाजपा को कर्नाटक में हार का सामना करना पड़ा है। खरगे ने कहा कि लोगों ने खुद उठकर हमारा समर्थन किया है, उन्होंने खराब प्रशासन के खिलाफ गुस्से में हमें वोट दिया है। इससे पता चलता है कि कर्नाटक के मतदाता जाग गए हैं। खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, दर्जनों मंत्रियों, अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के यहां डेरा डाले रहने और जनशक्ति, धन और बाहुबल के इस्तेमाल के बावजूद लोगों ने एकजुट होकर कांग्रेस को वोट दिया है। वहीं, यह भी बताया कि कांग्रेस के सभी नवनिर्वाचित विधायकों को आज शाम तक यहां पहुंचने को कहा गया है। वहीं खरगे ने यह भी बताया कि सरकार गठन की उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि हमने आज शाम तक आने के लिए सभी नव निर्वाचित विधायकों को एक संदेश भेजा है। वे सभी आज शाम तक यहां आ जाएंगे और उनके आने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने जो वादे किए थे पहली कैबिनेट में होंगे पूरे : राहुल

बेंगलुरू। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक चुनाव के दौरान रुझानों में कांग्रेस की एकतरफा जीत देखकर अपने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। राहुल गांधी ने प्रेस से चर्चा के दौरान कहा है कि चुनाव में आम जनता की शक्ति ने पूंजीपतियों की ताकत को हरा दिया है। राहुल ने दूसरे राज्यों के चुनाव पर कहा कि जो कर्नाटक में हुआ है वह अन्य राज्यों में भी होगा। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जिस बात का बार-बार जिक्र किया था वही उन्होंने चुनावी रुझानों -शेष पृष्ठ दो पर

बदलाव का है जनादेश : ममता

कोलकाता (हि.स.)। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर उत्साहित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे बदलाव का जनादेश करार दिया है। शनिवार अपराह्न मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर लिखा कि बदलाव के पक्ष में निर्णायक जनादेश देने के लिए कर्नाटक के लोगों को मेरा सलाम। क्रूर अधिनायकवादी और बहुसंख्यक वादी राजनीति अब हार चुकी है। केंद्र चाहे जितनी भी अपनी ताकत का इस्तेमाल कर ले, लेकिन जब लोग बहुलता और लोकतांत्रिक ताकतों को जिताना चाहते हैं तो उनकी मर्जी को -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी और शाह की नैतिक हार : एजेपी

गुवाहाटी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के जीत हासिल करने पर यहां असम जातीय परिषद (एजेपी) ने शनिवार को कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की *नैतिक हार* है, जो दक्षिण भारत के इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रचार का नेतृत्व कर रहे थे। एजेपी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने कांग्रेस को बधाई देते हुए कहा कि दक्षिणी राज्य के लोगों ने तेजी से बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री (मोदी) और केंद्रीय गृह मंत्री (शाह) खुद कर्नाटक में भाजपा के चुनाव प्रचार का नेतृत्व कर रहे थे, लेकिन वहां के चुनाव नतीजे उनकी नैतिक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

12 हजार करोड़ की ड्रग्स के साथ एक पाकिस्तानी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और नेवी ने शनिवार को केरल के कोच्चि तट से 12,000 करोड़ रुपए की 2,500 किग्रा की खेप पकड़ी है। एजेंसियों का दावा है कि ये भारत में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स की खेप है। अधिकारियों ने कहा कि ड्रग्स एजेंसी और भारतीय नौसेना के संयुक्त छापे में एक पाकिस्तानी नागरिक को भी हिरासत में लिया गया। यह -शेष पृष्ठ दो पर

प्राकृतिक व्यवस्था के विरुद्ध होगा समलैंगिकों का विवाह

नई दिल्ली। समान लिंग वालों के विवाह को कानूनी मान्यता देने का भारत के सामाजिक ढांचे पर विपरीत असर होगा। इस तरह का विवाह मानव सभ्यता की प्राकृतिक व्यवस्था के विरुद्ध होगा। यह बात एक सामाजिक संस्था के सर्वे में सामने आई है। यह सर्वे सुप्रीम कोर्ट में समान लिंग के लोगों की विवाह की अनुमति की याचिका पर सुनवाई के दौरान हुआ है। पुणे की संस्था दृष्टि स्त्री -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से 2024 में नहीं पड़ेगा प्रभाव : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता, हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत से 2024 में केंद्र में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की भाजपा की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। शर्मा, जिन्होंने बड़े पैमाने पर प्रचार किया था चुनाव से पहले कर्नाटक में, उन्होंने कहा कि उन्होंने महसूस किया था कि भाजपा राज्य में अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी, लेकिन इसके प्रदर्शन से केंद्र में पार्टी के भविष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के अनुसार, कांग्रेस ने उन सभी 22 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जहां पार्टी नेता राहुल गांधी ने अपने *भारत जोड़ो* कार्यक्रम के दौरान सभाओं को संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस पार्टी को जीत की बधाई : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत पर कांग्रेस पार्टी को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने भाजपा समर्थक मतदाताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के लिए कांग्रेस पार्टी को बधाई। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि मैं उन सभी -शेष पृष्ठ दो पर

लोगों की भलाई के लिए काम करती रहेगी भाजपा : नड्डा

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा की करारी शिकस्त हुई है। दोबारा सत्ता में वापसी की बांट देखने वाली भाजपा 65 सीटों पर सिमट गई है। इन सबके बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जनादेश को विनम्रता से स्वीकार किया है। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट किया है। आपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि भाजपा कर्नाटक की जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करती है। उन्होंने कहा कि मैं कर्नाटक -शेष पृष्ठ दो पर

ऑपरेशन कवच के तहत 100 इलाकों में छापेमारी, 31 गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के निर्देशों पर दिल्ली पुलिस लगातार काम कर रही है। नशे का धंधा करने वालों के खिलाफ शुक्रवार रात को दिल्ली पुलिस एक्शन मोड में नजर आईं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की करीब 80 टीमों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सेना पर हमला, असम राइफल्स के दो जवान घायल

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में सेना और पुलिस पर उग्रवादियों के हमले का सिलसिल रूक नहीं रहा है। शनिवार को मणिपुर के दो जिलों में सेना और असम राइफल्स के संयुक्त पेट्रोल टीम पर हमले किए गए। पहला हमला सेनापति जिले में सुबह करीब 11.25 बजे हुआ जबकि दूसरा हमला चुराचांदपुर जिले में दोपहर करीब 12.45 बजे हुआ। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान घायल हो गए हैं। चुराचांदपुर में उग्रवादियों के खिलाफ अभी भी ऑपरेशन जारी है। हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मणिपुर में शांति -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता : राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी और भारतीय साहित्य पर चर्चा

कोलकाता। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यापन परिषद ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग रवींद्र जयंती के उपलक्ष्य में यहां राजाबाजार साइंस कॉलेज, कोलकाता में *हिंदी और भारतीय साहित्य* विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक और प्राध्यापिकाएं शामिल हुईं और साहित्य के विविध रूपों पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के बाद मां शारदा की वंदना से हुई। कोलकाता विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रामप्रवेश रजक ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। गोष्ठी के प्रथम सत्र में मंच संचालन विभागाध्यक्ष ने किया। इस सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका प्रो. कुमुद शर्मा, कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका प्रो. राजश्री शुक्ला, उत्तर बंग विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका प्रोफेसर मनीषा झा, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. अरुण होता ने साहित्य पर चर्चा की। कार्यक्रम की समन्वयक और कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका प्रो. डॉ राजश्री शुक्ला ने कहा कि भारतीय साहित्य को हम एक भाषा का साहित्य नहीं मान सकते। भारत के समस्त भाषा का साहित्य भारतीय साहित्य है। उन्होंने पूछा भारतीय साहित्य क्या है? इस प्रश्न पर बड़ी विस्तृत चर्चा की। विदेशी साहित्यों के विभिन्न रूपों को बताते हुए भारतीय साहित्य के सृजनात्मक, कल्पनाओं को बचाए रखने के लिए हिंदी को बचाए रखने की प्रेरणा दी। प्रो. मनीषा झा ने प्रकृति विमर्श की बात सामने रखी। उन्होंने कहा, पर्यावरण भी साहित्य का हिस्सा है और पर्यावरण की मुक्ति सभी साहित्यों का एक प्रमुख अंश है। मनुष्य का जीवन पर्यावरण को छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता इसलिए पर्यावरण के प्रति संवेदना जरूरी है। प्रोफेसर -शेष पृष्ठ दो पर

बैठक

स्वर्गीया सावित्री देवी जोशी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीया सावित्री देवी जोशी (धर्मपत्नी सत्यनारायण जोशी) का स्वर्गवास दिनांक 11 मई 2023 वार गुरुवार को हो गया है। उनकी आत्मा की शान्ति हेतु बैठक दिनांक 14 मई, वार रविवार से दिनांक 16 मई 2023, वार मंगलवार तक अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक हमारे जिगजाग रोड़, नाग बिल्डिंग, डिब्रूगढ़ स्थित निवास पर रखी गई है।

शोकाकुल :
सत्यनारायण जोशी (पति)
बनारसी देवी जोशी (सास)
प्रह्लाद जोशी (देवर) - सुमित्रा जोशी (देवरानी)
पुरन जोशी (देवर) - मंजु जोशी (देवरानी)
समीर जोशी (पुत्र) - प्रमिला जोशी (पुत्रवधू)
संजय जोशी (भतीजा) - सरोज जोशी (भतीजा-वधू)
संदीप जोशी (भतीजा) - दीपा जोशी (भतीजा-वधू)
सुधीर जोशी (भतीजा) - पायल जोशी (भतीजा-वधू)
सुदीप जोशी (भतीजा) - पूजा जोशी (भतीजा-वधू)
विजय जोशी (भतीजा)
अजय जोशी (भतीजा)
कंचन काछवाल (बेटी) - राजेश काछवाल (जवाई)
उज्ज्वल जोशी (पौत्र), प्रगति जोशी (पौत्री)

एवं
समस्त जोशी परिवार
सम्पर्क सूत्र - 84029 83849, 60264 42536

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चंद्रनाथ शर्मा के नाम पर होगा कॉलेज का निर्माण : मुख्यमंत्री

शोणितपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को शोणितपुर जिला के बिहागुड़ी में चंद्र नाथ शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में आयोजित कर्मबीर चंद्र नाथ शर्मा शताब्दी पुण्यतिथि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वर्गीय चंद्र नाथ शर्मा के योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चंद्र नाथ शर्मा की 32 वर्ष की अल्पायु में हुई मृत्यु का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि बहुत अधिक समय तक जीवित रहने वाले लोगों की तुलना में अल्पावधि में उनकी उपलब्धियां असाधारण थीं। मुख्यमंत्री ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए देश के संघर्ष में चंद्र नाथ शर्मा की भूमिका के बारे में

भी बात की। उन्होंने कहा कि चंद्र नाथ शर्मा महात्मा गांधी की राजनीतिक विचारधारा और कार्यों से बहुत प्रभावित थे, खासकर महात्मा गांधी की असम की पहली यात्रा के दौरान। यह कहते हुए कि चंद्र नाथ शर्मा ने जो कहा वह किया, मुख्यमंत्री ने कहा कि चंद्र नाथ शर्मा ने उन दिनों राज्य के छात्रों के बीच आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के लिए अपने जीवनकाल में अथक परिश्रम किया। स्वामी विवेकानंद और चंद्र नाथ शर्मा के बीच तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह स्वामी विवेकानंद लोगों की यादों में अमर हैं, उसी तरह चंद्र नाथ शर्मा ने भी विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान के कारण राज्य में समान दर्जा हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि असम सरकार बिहागुरी में चंद्र नाथ शर्मा के नाम पर एक कॉलेज का निर्माण करेगी। आज के कार्यक्रम में असम के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल, सांसद पल्लब लोचन दास, विधायक गणेश लिंबू, पद्म हजारिका, कृष्ण कमल तांती, पृथ्वीराज राव सहित अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

कर्नाटक में भाजपा की हार लेकिन वोट प्रतिशत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बेशक भारतीय जनता पार्टी की हार हुई है लेकिन उसके वोट प्रतिशत में बेहद कम गिरावट दर्ज की गई है। कांग्रेस के वोट शेयर में बढ़ोतरी जेडीएस के वोट शेयर से हुई है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्वीट करके कहा कि बेशक भाजपा को कर्नाटक चुनाव में हार हुई, लेकिन लोगों का भरोसा पार्टी के साथ बना हुआ है। भाजपा का वोट शेयर साल 2018 में 36.2 प्रतिशत था, जो इस बार घटकर करीब 35.6 प्रतिशत हो गया है, जो मात्र 0.6 प्रतिशत की गिरावट है। उधर, कांग्रेस का वोट 38.1 प्रतिशत से 43.11 हो गया है जो 5 प्रतिशत है अधिक है। जेडीएस को वोट 4.9 प्रतिशत का भारी नुकसान हुआ है। यह वोट प्रतिशत लगभग पूरी तरह से कांग्रेस के पास चला गया है। अमित मालवीय ने बताया कि इस चुनाव में कांग्रेस को सबसे बड़ा फायदा ओल्ड मैसूर रीजन से भी मिला है। इस डेटा में मामूली बदलाव हो सकता है लेकिन यह व्यापक चित्र है। साल 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों की बात करें तो कांग्रेस 136 सीटें हासिल करती दिख रही है, जबकि भाजपा को 64 सीटें और जेडीएस को 20 सीटें हासिल हो रही हैं।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। बिलासीपाड़ा अपराध और अपराधियों का गढ़ बन गया है। इसी कड़ी में बिलासीपाड़ा में गांजा के साथ एक व्यक्ति को पुलिस ने बीती रात को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बिलासीपाड़ा थाने की राइडर्स टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित गांजा जब्त किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर भारती गैस एजेंसी के सामने की गई छापेमारी में पुलिस ने गांजा तस्कर ललित कुमार नाथ के साथ एक ऑटो (एएस-17बी06810) को जब्त किया है।

दूसरे का घर जलता देख, खुश होना राक्षसी प्रवृत्ति : शिंदे

मुंबई (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि दूसरे का घर जलता देख खुश होना राक्षसी प्रवृत्ति है। कर्नाटक में कौन जीता और कौन हारा, यह सभी देख रहे हैं। लेकिन कुछ लोग इस पर अनायास खुश हो रहे हैं। उन्हें अपना घर जलते नहीं दिख रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सातारा जिले में कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम पर शनिवार को पत्रकारों को प्रतिक्रिया दी। सीएम शिंदे ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस चुनाव जीती है लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा हमारी सहयोगी है। हम जनमत की आवाज का सम्मान करने वाले लोग हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि हम एक राज्य के परिणाम पर पूरे प्रदेश के बारे में धारणा नहीं बना सकते। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कुछ उपचुनाव हुए थे।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत सिपाझाड़ के मारूवा चौकी इलाके में बीती रात हुए एक भयावह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने आज (शनिवार) बताया है कि तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से सादिक अली नामक एक शख्स की मौत हो गई। स्थानीय लोगों को संदेह है कि ईंट ले जा रहे वाहन की चपेट में आने से अली की मौत हुई है। मृतक सादिक अली ऑल असम ब्लाइंड यूथ डेवलपमेंट काउंसिल के सचिव थे।

इटानगर बंद का आह्वान करने के आरोप में लगभग 120 हिरासत में लिए गए

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर में 72 घंटे के बंद का आह्वान करने विरूद्ध प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य भर से लगभग 120 लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनमें से 41 लोगों पर अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम 2014 के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजधानी क्षेत्र के पुलिस अधिक्षक रोहित राजवीर सिंह ने आज राज्यभर में हुए बंद की जानकारी देते हुए बताया कि इस बार पुलिस और सरकार ने बंद का आह्वान करने वालों के विरूद्ध कड़ी करवाई करते हुए 120 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। जिसमें से 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 12 मामले सार्वजनिक रूप दर्ज किया गया, 41 लोगों पर अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि 72 घंटे का राजधानी इटानगर बंद का आह्वान किया गया था। बंद के दूसरे दिन से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भी बंद का आह्वान किया गया। इस कड़ी में आज भी राज्य के कुछ हिस्सों में बंद का आह्वान किया गया था। हालांकि प्रशासन और पुलिस की पूर्व नियोजित तैयारियों के चलते कहीं से भी किसी प्रकार की घटनाएं नहीं घटीं। उन्होंने बताया है कि पुलिस ने 40 व्यक्तियों को सरकार के खिलाफ अवैध गतिविधियों करने पर चिह्नित करते हुए कारवाई कर रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को सुझाव देते हुए छोड़ दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हम उन व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं जो बंद का प्रस्ताव देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने यह भी बताया कि बंद आह्वान को अंजाम देने के लिए धन संग्रह किया गया है। धन संग्रह करने वाले स्रोत का पता लगाने के लिए अगले चरण की जांच की जाएगी। हम बैंक विवरण और मौद्रिक लेन-देन सहित साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। इस बंद में सार्वजनिक और सरकारी संपत्तियों के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। 10 से 12 मई तक कुछ व्यक्तियों द्वारा बुलाए गए 72 घंटे राजधानी बंद को *अवैध* करार देते हुए इटानगर जिला प्रशासन ने बंद कॉल को विफल करने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई।

कर्नाटक की जीत से कांग्रेस को मिली नई ताकत

नई दिल्ली। कर्नाटक की जीत कांग्रेस पार्टी के लिए सिर्फ एक राज्य की सत्ता पर काबिज होने तक सीमित नहीं है बल्कि यह उसके लिए एक संजीवनी की तरह है, जिसका असर इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिखेगा। जहां पार्टी पूरी ताकत और उत्साह के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। वैसे भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उसका सीधा मुकाबला भाजपा से ही है। इन राज्यों में कांग्रेस पहले से ही काफी मजबूत है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो वह पहले से ही सत्ता पर काबिज है जबकि मध्य प्रदेश में सिंधिया की बगावत के बाद उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। पार्टी ने इन राज्यों में कर्नाटक की तर्ज पर काम शुरू किया है। चुनाव के ठीक पहले पार्टी ने छत्तीसगढ़ में भाजपा के दिग्गज और आदिवासी नेता नंदकुमार साय को कांग्रेस पार्टी में शामिल कराके अपनी ताकत दिखाई है। मध्य प्रदेश में भी इसी तर्ज पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्य मंत्री रहे कैलाश जोशी के बेटे और तीन बार के विधायक रहे दीपक जोशी को कांग्रेस में शामिल कराया। दीपक जोशी शिवराज सिंह की कैबिनेट में मंत्री भी रह चुके है। राजस्थान में गहलोत और पायलट के बीच बढ़ते टकराव से पार्टी की चिंताएं जरूर बढ़ी हुई है। हालांकि पार्टी ने इसे थामने के लिए उच्च स्तर पर मंथन शुरू कर दिया है। राहुल गांधी खुद इस मामले में रूचि ले रहे है। कांग्रेस पार्टी इस साल के अंत तक होने वाले पांच राज्यों के चुनावों को लेकर इसलिए भी उत्साहित है, क्योंकि उसके सामने मुकाबले में खड़ी पार्टियों की स्थिति भी ठीक नहीं है। राजस्थान की बात करें तो उसके सामने मुख्य और सीधे मुकाबले में खड़ी भाजपा अंदरूनी लड़ाई से जूझ रही है।

कुरान रखने वाले उइगर मुसलमानों के मोबाइल की हो रही जासूसी

बीजिंग। चीन में उईगर मुसलमानों का उत्पीड़न लगातार बढ़ता जा रहा है। शिनजियांग प्रांत में उइगरों को बंधक बनाकर टॉर्चर किया जा रहा है। स्थिति कितनी भयावह है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिनजियांग में उइगर मुसलमानों को कुरान रखने या मोबाइल में धार्मिक फोटो या वीडियो रखने पर भी हिंसक चरमपंथी ि करार दिया जा रहा है। चीनी अधिकारियों ने उइगरों के फोन की निगरानी शुरू कर दी है। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) की 4 मई की एक रिपोर्ट के अनुसार झिंजियांग क्षेत्र की पुलिस ने 50,000 मल्टीमीडिया फाइल जारी कर उइगर मुसलमानों और तुर्क मुस्लिमों को हिंसक और आतंकवादी बताया है। पुलिस की वेबसाइट से लीक मास्टर सूची 2017 से 2018 तक नौ महीनों के दौरान पुलिस ने झिंजियांग की राजधानी शहर उरुमकी में कुल 1.2 मिलियन मोबाइल फोन की लगभग 11 मिलियन खोज की। चीन में एचआरडब्ल्यू के कार्यवाहक निदेशक ने बताया कि बीजिंग सर्विलांस तकनीक का प्रयोग करता है, इसका मतलब सा? है कि त्रइगर जो केवल अपने फोन पर कुरान रखते हैं, पुलिस पूछताछ शुरू कर सकती हैं। न्यूयॉर्क स्थित अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने आतंकवाद और अतिवाद कहे जाने वाले कार्यों का मुकाबला करने के लिए चीन के दृष्टिकोण के बारे में बार-बार चिंता जताई है। एचआरडब्ल्यू रिपोर्ट के अनुसार चीन का आतंकवाद विरोधी कानून आतंकवाद और उग्रवाद त्यधिक व्यापक और अस्पष्ट तरीके से परिभाषित करता है, जो मुकदमों और स्वतंत्रता से लोगों वंचित करता है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने पाया है कि लगभग 1,400 उरुमकी निवासियों के फोन पर 1,000 से अधिक अनूठी फाइलें पाईं, जो पुलिस मास्टर सूची से मेल खाती थीं। ये फाइलें इस्लामिक धार्मिक सामग्री बताई जा रही हैं। ये सूची 2019 में पुलिस द्वारा इंटरसेप्ट डाटा का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। बताया जा रहा है कि तब से कई उईगर मुसलमानों को गिरफ्तार कर प्रताड़ित किया जा रहा है। पुलिस की फाइल में काफी हिंसक फोटो, ऑडियो और वीडियो मिले हैं। इन फाइलों में सिर कलम, प्रताड़ना जैसी सामग्री उपलब्ध हैं। ऐसा लग लग रहा है कि ये इस्लामिक स्टेट या किसी ड्रग कार्टेल द्वारा किए गए हों, इसमें 1989 के नरसंहार का भी वीडियो शामिल है। फाइलों में ऐसी सामग्री थी जिसमें पूर्वी तुर्किस्तान स्वतंत्रता आंदोलन और विश्व उइगर कांग्रेस सहित विदेशी संगठन शामिल थे। इन फाइलों में इस्लाम के धार्मिक सामग्री, कुरान के पाठ और शादी के गीत भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया कि शिनजियांग में उइगरों का जबरन मेडिकल ट्रीटमेंट कराया जा रहा है। उनके अंग निकालकर ब्लैक में बेचे जा रहे हैं। इन लोगों के साथ यौन उत्पीड़न भी हो रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

ये जीत जनता ...

उन्हें नियत समय पर निर्देश दिया जाएगा। उसके बाद विचार-विमर्श करने के बाद सरकार गठन के लिए उचित प्रक्रिया का पालन होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन एक जनता जनार्दन विजय था। मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में मिली जीत के लिए अपने सभी को लोगों को इसका श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के नेताओं ने अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा से आगे स्पष्ट बढ़त स्थापित की है। एआईसीसी अध्यक्ष ने जीतने वालों को बधाई देते हुए कहा कि लोग अच्छे काम का समर्थन करते हैं, जीत हो या हार, उनके बीच रहकर लोकतंत्र में काम करना चाहिए। कांग्रेस के समूचे प्रदेश नेतृत्व और पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की तारीफ करते हुए खरगे ने कहा कि सभी ने एकजुट होकर काम किया है, जिसका हमें यह परिणाम मिला है। लोगों ने इसका जवाब भी दिया है। साथ ही हमारी गारंटियों ने काम किया है। गरीबों और दलितों ने हमें वोट दिया है।

कांग्रेस ने जो ...

को देखते हुए कहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह चुनाव नफरत की राजनीति करके नहीं बल्कि गरीबों के मुद्दों पर यह चुनाव लड़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने यह चुनाव मोहब्बत और प्यार से लड़ी है और कर्नाट की जनता ने दिखाया है कि देश के लोगों को मोहब्बत अच्छी लगती है। राहुल ने चर्चा के दौरान फिर से दोहराया है कि कर्नाटक में नफरत का बाजार बंद हुआ है और मोहब्बत की दुकानें खुली हैं। राहुल ने इस दौरान चुनावी वादों को याद दिलाते हुए कहा है कि उनकी सरकार बनने के बाद कांग्रेस के जो 5 गारंटी दी हैं वह पहली कैबिनेट बैठक में पूरी करेंगे। बता दें कि कर्नाटक चुनावों के दौरान दोपहर साढ़े तीन बजे तक के रुझानों के मुताबिक कांग्रेस को 224 में से 71 सीटों पर जीत हासिल कर ली है वहीं, 65 सीटों पर ही कांग्रेस लीड कर रही है। ऐसे में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। बाकी पार्टियों की बात करें तो भाजपा को 30 सीटों पर जीत मिल चुकी है और 34 पर भाजपा आगे चल रही है। वहीं जेडीएस का हाल भी शनिवार दोपहर तक 12 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और 8 सीटों पर आगे चल रही है।

बदलाव का है ...

कोई दबा नहीं सकता। यही कर्नाटक चुनाव का संदेश है और भविष्य के लिए सबक भी है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को आए कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम में कांग्रेस ने 113 सीटों का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। जबकि भाजपा सौ के नीचे सिमट गई है। परिणाम के बाद देशभर में कांग्रेस दफ्तरों में जश्न का माहौल है। वहीं, गैर भाजपा राजनीतिक पार्टियां भाजपा पर तंज कस रही हैं।

मोदी और शाह ...

हार का संकेत देते हैं। एजेपी महासचिव जगदीश भुयां ने कहा कि जनता ने भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति का माकूल जवाब दिया है। असम के विपक्षी दलों में से एक एजेपी ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की नाकामी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर कथित भ्रष्टाचार के आरोपों ने जनता का मोहभंग किया और मतदाताओं ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया।

कर्नाटक में कांग्रेस ...

किया था। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा उन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में हार गई है जहां शर्मा ने प्रचार किया था। उन्होंने दावा किया कि बेंगलुरु में असम एसोसिएशन के सदस्य, जिनसे शर्मा अपने अभियान के दौरान मिले थे, उन्होंने उन्हें दिन में फोन किया और कहा कि उन्होंने कांग्रेस को वोट दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 113 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है, कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत, जिसके लिए वोटों की गिनती शनिवार को हुई थी। गुवाहाटी में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की जीत की खबर आते ही जश्न की लहर दौड़ गई और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाई बांटी।

कांग्रेस पार्टी को ...

को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने कर्नाटक चुनाव में हमारा समर्थन किया है। मैं भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं। हम आने वाले समय में और भी अधिक जोश के साथ कर्नाटक की सेवा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में 113 सीटों के बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है।

लोगों की भलाई ...

भाजपा के मेहनती कार्यकर्ताओं को उनके प्रयासों और हमारी दृष्टि में विश्वास दिखाने वाले लोगों के लिए धन्यवाद देता हूं। नड्डा ने आगे लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लोगों की भलाई के लिए काम करती रहेगी और सक्रिय रूप से रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाते हुए उनकी आवाज बुलंद करेगी उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के नतीजों पर उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भूपेंद्र चौधरी और भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। यह विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में क्रियान्वित हो रही समावेशी व कल्याणकारी नीतियों पर जनता के विश्वास की जीत है। कर्नाटक की बात करें तो भाजपा के अभियान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और कई शीर्ष मंत्रियों के रैली और रोड शो शामिल थे। अब गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद अदा किया गया है। शाह ने कहा कि भाजपा को सेवा करने का अवसर देने के लिए कर्नाटक के लोगों का धन्यवाद। अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा को इतने वर्षों तक उनकी सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं कर्नाटक के लोगों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा कर्नाटक के लोगों के कल्याण और विकास के लिए प्रयास करती रहेगी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए इस मायने में भी अहम है कि करीब चार दशक बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के किसी अध्यक्ष के गृह राज्य में पार्टी ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। पिछले साल चुनाव के जरिये कांग्रेस अध्यक्ष बने खरगे के लिए उनके गृह राज्य कर्नाटक में यह चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था।

ऑपरेशन कवच के ...

ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर राजधानी के करीब 100 इलाकों में छापेमारी की। अपराध शाखा की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ का धंधा करने वाले 31 लोगों गिरफ्तार किया। वहीं शराब तस्करी में शामिल 12 लोगों को दबोचा गया। इनके पास से 957 ग्राम हेरोइन, 57.88 किलोग्राम गांजा और करोड़ से भी ज्यादा की अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने ऑपरेशन कवच के तहत यह कार्रवाई की। अपराध शाखा के विशेष आयुक्त रविंद्र सिंह यादव ने शनिवार को बताया कि गृहमंत्रालय के आदेश पर देशभर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया था। टास्क फोर्स प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के नशा मुक्त भारत के सपने को साकर करने में जुटी है। दिल्ली में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के मार्ग दर्शन में इसका काम जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार रात को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने 80 टीमें बनाकर लोकल पुलिस के साथ मिलकर रातभर दिल्ली के करीब 100 स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी से पूर्व पुलिस ने अपने सूचना तंत्र से जानकारी जुटाई। पूरी तरह होमवर्क करने के बाद छापेमारी की कार्रवाई हुई। इसी क्रम में 30 एफआईआर दर्ज कर मादक पदार्थ का धंधा करने वाले 31 लोगों को दबोचा गया। वहीं शराब तस्करी के छह मामले दर्ज कर कुल 12 लोगों को दबोचा गया। इनके पास से भारी मात्रा में शराब और मादक पदार्थ बरामद हुए। रविंद्र यादव न बताया कि दिल्ली पुलिस लोकल ड्रग्स तस्करों के अलावा देसी और विदेशी ड्रग्स तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। यादव ने बताया दिल्ली पुलिस वर्ष 2023 में अब तक मादक पदार्थ की तस्करी के 412 मामलों में कुल 534 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने इनके पास से 35 किलोग्राम हेरोइन, 15 किलोग्राम कोकीन, 1500 किलोग्राम गांजा, 230 किलो अफीम, 10 किलो चरस और 20 किलोग्राम दूसरे मादक पदार्थ बरामद हुई है। इसके अलावा शराब तस्करी करने वाले सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से हजारों लीटर शराब बरामद हुई है।

मणिपुर में सेना ...

बहाली के लिए सेना, असम राइफल्स और मणिपुर की पुलिस लगातार गश्त कर रही है। इस बीच, शनिवार को सेनापति जिले के सिपिजंग गांव के पास जंगल में सुबह करीब 11.25 बजे उग्रवादियों ने असम राइफल्स की पेट्रोल टीम पर फायरिंग कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग की। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जवानों के जवाबी फायरिंग पर आतंकवादी भाग गए। इसके बाद सर्च ऑपरेशन में जवानों ने दो राइफल और गोलाबारूद बरामद किया। दूसरी घटना, चुराचांदपुर जिले के लैलमपत में दोपहर 12:45 बजे वन क्षेत्र से सेना और असम राइफल्स के संयुक्त गश्ती दल पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की। गोली लगने से असम राइफल्स के दो जवान घायल हो गए। उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। सेना और असम राइफल्स का उग्रवादियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के त्रोंग्लोबी में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने एक पुलिस गश्ती दल पर हमला कर दिया था। इस हमले में मणिपुर पुलिस के एक कमांडो की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

कोलकाता : राष्ट्रीय संगोष्ठी ...

अरुण होता ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र का संचालन प्रो. राजश्री शुक्ला ने किया। इस सत्र के प्रमुख वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. सुधीर प्रताप सिंह और पूर्व प्रो. डॉ. आनन्द कुमार सिंह रहे। डॉ.आनन्द कुमार सिंह ने कहा, विश्व साहित्य और भारतीय साहित्य के सांस्कृतिक रचनाओं में कोई अंतर नहीं, अंतर समाधान प्रक्रिया में हैं। वहीं डॉ. सुधीर प्रताप सिंह जी ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को भारतीय साहित्य का दर्पण मानते हुए कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में ही सम्पूर्ण जगत की सम्पूर्णता है। उन्होंने अपने वक्तव्य के द्वारा यह चिंता भी व्यक्त की कि हम विमर्शों के दौर में मूल भारतीय चिंतन से दूर होते जा रहे हैं अत: हमें अपने मूल चिंतन की तरप पुन: लौटने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंतिम सत्र (तृतीय सत्र) का संचालन विजय कुमार साव ने किया। इस सत्र में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार मिश्र, विद्यासागर विश्वविद्यालय केप्रो. डॉ. संजय जयसवाल जी और स्कॉटिश चर्च कॉलेज की प्राध्यापिका डॉ. गीता दूबे जी उपस्थित रहीं। डॉ. विनोद कुमार मिश्र जी ने असमिया स्त्री विमर्श, बहु पत्नी विवाह, भारतीय भाषा का महत्व एवं पुरानी और नयी पीढ़ी के बीच के संघर्षों के आधार पर अपना राय रखा। डॉ संजय जयसवाल ने अपने वक्तव्य में भारतीय साहित्य को किस नजर से देखा जाएं, भारतीय संस्कृति का मूल चरित्र, वर्तमान में भारतीय साहित्य के समक्ष वैश्विक चुनौतियों, भारतीय साहित्य की अवधारणा आदि विषयों पर चर्चा की। साथ ही भारतीय साहित्य में अनुवाद की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। डॉ. गीता दुबे जी ने कहा कि निराला और टैगोर हिन्दी और बांग्ला साहित्य को पढ़ने के दो सूत्र हैं। उन्होंने विमर्शों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आत्मकथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सबके समक्ष रखा। कार्यक्रम का आयोजन कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया गया। डॉ. रामप्रवेश रजक ने आयोजन के लिए कोल इंडिया लिमिटेड का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रामप्रवेश रजक ने कोल इंडिया लिमिटेड के राजेश कुमार साव, उप प्रबंधक (राजभाषा) और प्रियांशु प्रकाश (उप प्रबंधक) का आभार व्यक्त किया और कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड भारतीय साहित्य के विकास में ईंधन का काम किया है। कार्यक्रम के आयोजन में संकल्प हिन्दी साहित्य सभा और वाद- विवाद समिति से जुड़े द्वितीय और चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में कलकत्ता विश्वविद्यालय के साथ-साथ राज्य के कई अन्य शैक्षणिक संस्थानों से भी विद्यार्थी जुड़े। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक विनय रंजन और प्रेम शंकर त्रिपाठी (प्रोफेसर सुरेंद्रनाथ सांध्य कॉलेज), अजय चौधरी (कार्यकारी निदेशक,कोल इंडिया), निर्मल कुमार दुबे (सहायक निदेशक,राजभाषा विभाग), राजेश कुमार साव (उप-प्रबंधक,कोल इंडिया), प्रियांशु प्रकाश (उप-प्रबंधक,कोल इंडिया) और संदीप सोनी (अनुवादक) सहित कई अतिथि उपस्थित थे।

12 हजार करोड़ ...

कार्रवाई अफगानिस्तान से समुद्र के रास्ते भारत में होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान ऑपरेशन समुद्रगुप्त के तहत की गई है। एनसीबी के अनुसार, मेथामफेटामाइन को डेथ क्रीसेंट के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय बाजार में इसकी कीमत करीब 12,000 करोड़ रुपए बताई गई है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय एजेंसी ने ड्रग्स ले जा रहे मदर शिप को इंटरसेप्ट किया है।

प्राकृतिक व्यवस्था के...

अध्ययन प्रबोधन केंद्र के सर्वे में लोगों ने कहा है कि इस तरह के लोगों के साथ रहने को विवाह का नाम देने से अराजकता को बढ़ावा मिलेगा और समाज में अव्यवस्था फैल जाएगी। महिलाओं के बीच कार्य करने वाली संस्था ने देश भर में 13 भाषाएं बोलने वाले 57,614 लोगों के बीच यह सर्वे कराया है और समान लिंग वालों के विवाह के संबंध में उनके विचार जाने हैं। ये लोग समाज के हर तबके के और लगभग हर जाति और धर्म के हैं। सर्वे में प्राप्त निष्कर्षों से पता चला है कि लोग मानते हैं कि इस तरह की शादी का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव महिलाओं, बच्चों और समाज पर पड़ेगा। सर्वे में 41 से 60 वर्ष के लोगों के वर्ग से सबसे ज्यादा 26,525 प्रतिक्रियाएं आई हैं। इनमें ज्यादातर लोग समान लिंग वाले स्त्री या पुरुष के बीच विवाह के विरोध में थे। उनका मानना है कि इस तरह का विवाह सामाजिक और प्राकृतिक व्यवस्था के विरुद्ध होगा, जिसके भयंकर दुष्परिणाम होंगे। इससे कुछ दशकों बाद पूरा सामाजिक ढांचा ही चरमरा जाएगा। सर्वे में शामिल हुए 83.9 प्रतिशत लोगों ने समान लिंग वाले लोगों के बीच वैध वैवाहिक संबंध के विरुद्ध अपने विचार व्यक्त किए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(जिज्ञासू)

काल स्वभाव विनाश कर, दीजै शिष्य स्वभाव
मन वच काया कर्मणा,गुरु शन नाहिं दुराव॥ 11॥

शब्दार्थ : (शिष्य) शिरोव्रतधारी, अधिकारी, अनन्यशरण, सुपात्र, पवित्र आत्मा (दुराव) अलग, विलगाव।

भाष्य : हे प्रभो! कालस्वभाव को नष्ट कर मुझ में शिष्यस्वभाव प्रदान करें, जिससे मन, वच एवं काया का गुरु से कभी विलगाव नहीं हो।

साथ शत्रु मन प्रबल है, जीवन मरण झकोर।
विषय विलास समास में, दु:ख सुख जन्म करोर॥ 12॥

शब्दार्थ : (प्रबल) बलवान (झकोर) हिलोर (समास) संक्षेप, अल्प।

भाष्य : जीव के साथ प्रबल शत्रु मन है, जिसके द्वारा इस भवसागर में जन्म और मरण का झकोरा लगा करता है। मन विषय के अल्पसुख-भोग में भूल कर करोड़ों जन्म-मरण को

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी के प्रदूषण पर स्वत: संज्ञान जनहित याचिका की दर्ज

असम सरकार से 18 मई तक जवाब मांगा

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने भरालू नदी के प्रदूषण और क्षरण के संबंध में एक स्वत: संज्ञान जनहित याचिका में असम सरकार और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया। सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी के पूर्व छात्र प्रताप चंद्र दास द्वारा अग्रेषित पत्र के आधार पर उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान जनहित याचिका दर्ज की है। दास ने अपने पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारालु नदी, जो ब्रह्मपुत्र नदी की एक सहायक नदी है, गंभीर रूप से प्रदूषित हो गई है क्योंकि खतरनाक अपशिष्ट पदार्थों को नदी में फेंक दिया गया है, जो समाज के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जोखिम पैदा कर रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिक अधिनियम की धारा 23 को पूर्वव्यापी रूप से लागू करने की याचिका खारिज की दास ने आगे आरोप लगाया गया कि गुवाहाटी के शहरवासियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बनाए रखने का काम सौंपे गए किसी भी निकाय निकाय ने नदी के विनाशकारी और अनिश्चित प्रदूषण पर उचित हस्तक्षेप करने के उपाय करने की जहमत नहीं उठाई है। चीफ जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस सुमन श्याम की खंडपीठ ने निम्नलिखित अधिकारियों को नोटिस जारी किया- 1. असम राज्य 2. सचिव, जल संसाधन विभाग, असम सरकार 3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण।

असम-पश्चिम बंगाल पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर जीसीएलओ के अध्यक्ष को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। असम एवं पश्चिम-बंगाल की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर ग्रेटर कुचबिहार लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (जीसीएलओ) के अध्यक्ष निर्मल राय (32) को गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले ग्रेटर जीसीएलओ के अध्यक्ष निर्मल राय ने संवादमाध्यम को एक विडिओ वार्ता प्रेरणा किया था। जिसमें आपत्तिजनक टिपणी की थी। उसी समय से असम एवं पश्चिम बंगाल पुलिस उसे ढूढ़ रही है। राय के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने ताबड़तोड़ अभियान चलाकर उसे गिफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। आखिरकार पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के फराबाड़ी के निवासी हरिश्वचंद राय के पुत्र निर्मल राय (32) को पुलिस ने जलपाईगुड़ी से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार के बाद उसे फकीराग्राम पुलिस ने अलीपुरद्वार से कोकराझाड़ लाया गया। पुलिस उसके खिलाफ केस नंबर 40/2023 / एस120बी/156ए/153बी/505(ए)(बी)/141 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

लायंस गुवाहाटी ने जल आपूर्ति के लिए पंप घर का उद्घाटन किया

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब आफ गुवाहाटी ने अपने स्थाई प्रकल्प आंचल के तहत नीलांचलपुर कामाख्या हिल्स के पास बेजबरुआ नगर में जल आपूर्ति के लिए पंप घर का निर्माण करा कर अस्सी परिवारों के घरों के लिए जलआपूर्ति पंप घर का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक राजकमल सरावगी ने अपने दिवंगत माता सुमित्रा देवी सरावगी की स्मृति में जल आपूर्ति परियोजना का दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ लायंस गुवाहाटी के आंचल प्रकल्प के चेयरमैन सुशील जैन, लायंस क्लब गुवाहाटी के अध्यक्ष दलजीत सिंह, निवर्तमान अध्यक्ष किशोर साबू, लायंस जिला के पूर्व जिलापाल डीपी बजाज, लायंस जिला उपाध्यक्ष (द्वितीय), पंकज पोद्दार, क्लब के सचिव अजय पोद्दार, कार्यक्रम संचालक आनंद अय्यर और ओबीसी डेवलपमेंट बोर्ड गुवाहाटी मेट्रो के उपाध्यक्ष पूर्ण क्षेत्री उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व जिलापाल डीपी बजाज और प्रायोजक राजकमल सरावगी ने नाम पट्टिका का अनावरण भी किया। पूर्ण क्षेत्री की अध्यक्षता में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में आनंद अय्यर ने आंचल प्रकल्प के बारे में विस्तार से बताया। आंचल के चेयरमैन सुशील जैन ने अपने संबोधन में कहा कि यह क्षेत्र कामाख्या देवोत्तर बोर्ड के अंतर्गत आता है। जहां पहले कोई भी जनमानस की बस्ती नहीं थी। वर्तमान 80 घर पहाड़ों के जहां-तहां कोने में बने हुए हैं। टूटे-फुटे 80 घरों की पूर्ण मरम्मत कराकर आज उनके लिए जल आपूर्ति प्रकल्प का उद्घाटन किया गया है। इस पंप घर से पहाड़ी तक 2200 फीट पाइप लाइन बिछाकर 10 हजार लीटर के टैंक में पानी को संग्रहित किया जाता है।

हनुमान चालीसा के आध्यात्मिक रंग स्वर्वेद के संग आज

गुवाहाटी (ख.सं.)। गोस्वामी तुलसी दास जी द्वारा रचित रामचरित मानस में सम्मिलित हनुमान चालीसा की आध्यात्मिक महिमा वर्णनातीत है। हनुमान चालीसा को पढ़ने से अनेकों धार्मिक लाभ है। किंतु यह महज पढ़ने के लिए नहीं है, अपितु समझकर जीवन में उतारने के लिए है। इसी उद्देश्य को सामने रखकर शिव परिवार गुवाहाटी कल हनुमान चालीसा के आध्यात्मिक रंग स्वर्वेद के संग नामक कार्यक्रम का आयोजन फटाशिल आमबाड़ी स्थित महर्षि सदाफलदेव आश्रम में कर रहा है। मालूम हो कि इस कार्यक्रम में सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज द्वारा अपने साधनाजन्य अनुभवों के आधार पर लिखे गए स्वर्वेद महाग्रंथ के प्रकाश में हनुमान चालीसा के आध्यात्मिक पहलुओं पर सत्संग चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि सद्गुरुदेव ने 17 वर्षों की कठोर साधना के

जरिए भारत के सनातन ग्रंथों में वर्णित आध्यात्मिक तत्वों को प्रत्यक्ष कर उन्हें सहज भाषा में स्वर्वेद के जरिए जन-जन के कल्याण हेतु सहज सुलभ कर दिया। बाद में प्रथम परंपरा सद्गुरु महर्षि धर्मचंद्र देवजी महाराज ने इस महाग्रंथ की व्याख्या की। स्वर्वेद वेद, पुराण एवं उपनिषद सहित सभी सनातन भारतीय आध्यात्मिक ग्रंथों की कुंजी है। स्वर्वेद के जरिए इन सभी ग्रंथों के आध्यात्मिक रहस्यों को आसानी से समझा जा सकता है। शिव परिवार द्वारा स्वर्वेद के प्रकाश में हनुमान चालीसा के आध्यात्मिक रहस्यों को समझने के लिए कल सुबह 11 बजे से इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम का आयोजन विहंगम योग संस्थान के सौजन्य से किया जा रहा है। साथ ही इसमें महाप्रसाद की व्यवस्था अमृत भोग भंडारा एवं सद्गुरु पात्र द्वारा की जाएगी। शिव परिवार की ओर से सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर आलोपति माजर चर में जश्न का माहौल

नगरबेड़ा (विभास)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत से कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता रोमांचित हो गए हैं। आलोपति माजर चर बाजार में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर खुशी मनाई। कांग्रेस के इन नेताओं और कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि कर्नाटक का असर असम के साथ-साथ पूरे देश पर भी पड़ेगा। उन्होंने *राहुल गांधी जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, भूपेन बोरा जिंदाबाद, कांग्रेस जिंदाबाद* के नारे भी लगाए। उधर, आलोपति माजर चर मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष नुरमहम्मद आली और सचिव अवुल बाशार ने कर्णाटक कांग्रेस कार्यकर्ता को धन्यवाद दिया। आलोपति माजर चर मंडल कांग्रेस नेतृत्व ने सभी से देश में दिख रही महंगाई, भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की अपील की।

अभामास के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का सम्मान

होजाई(होसं)। मातृभाषा के साथ-साथ स्थानीय भाषाओं को भी हमें अपने कार्यक्रमों में व्यावहारिक रूप से अमल में लाना चाहिए। उक्त बातें अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने उनके व्यक्तिगत दौरे के दौरान आयोजित सम्मान समारोह में शुक्रवार को भीमसरिया रोड स्थित सुरेंद्र भीमसरिया के निवास स्थान पर कहीं। उल्लेखयोगे है, मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा के बैनरतले आयोजित सम्मान समारोह में मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष कामाख्या प्रसाद अगरवाला, मारवाड़ी पंचायती के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र भीमसरिया, मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के अध्यक्ष निरंजन सरावगी, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आशीष सरावगी, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष ज्योति सुरेखा, राष्ट्रवादी अटल सेना महिला मोर्चा की अध्यक्ष सरिता सरावगी मंच पर आसीन थे। चारों शाखाओं के पदाधिकारियों द्वारा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया का फुलाम गामोछा, झापी व खराई से सम्मान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित सभी जनों से सम्मेलन को शक्तिशाली बनाने में अपना सहयोग देने तथा अपने हर कार्यक्रम में अपनी भाषा का प्रयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने उनके सम्मान हेतु आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा की। वही सम्मान

समारोह में मंच पर आसीन सभी संस्था के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखें। इस दौरान मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सचिव प्रियंका सरावगी ने भी अपने विचार रखें व राष्ट्रीय अध्यक्ष से सामाजिक कार्यों के लिए मार्गदर्शन का आह्वान किया। वही राजेंद्र कुमार भीमसरिया द्वारा लिखित अपनी *पुस्तक सफर सो साल का* राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेंट की व उनका सम्मान किया। इस दौरान सम्मान समारोह में मोटिवेशनल स्पीकर नम्रता जालान का भी सम्मान मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आशीष सरावगी ने किया। वहीं पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु युवा पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता निखिल कुमार मुंदड़ा का सम्मान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसादजी गाड़ोदिया ने किया व अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सदस्यों ने भी उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन व उद्देश्य की व्याख्या मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के अध्यक्ष निरंजन सरावगी ने व धन्यवाद ज्ञापन प्रवीण सरावगी ने दिया। उक्त कार्यक्रम में चारों संस्थाओं के सदस्यगण उपस्थित थे।।

मातृ दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवहाटी (विभास)। मातृ दिवस के उपलक्ष में आज शाखा द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है बहुत ही सराहनीय है आज के कार्यक्रम में डॉ. रुंजुन तेरोनपी उपस्थित होकर महिला के स्वास्थ्य के बारे में बताया सभी को बहुत नई बातें जाने को और सीखने को मिले जिस्मे जीएमसी की डॉक्टर रानिमा डेका स्त्री रोग विशेषज् जो की जीएमसी की स्त्री रोग विशेषज्ञ है जिनहोने हमें महिला हो को जागृत करने का प्रयास किया और बहुत ही महत्वपूर्ण ज्ञान दिया। शाखा अध्यक्षा नीलम भजनका को जिन्होंने इतना सुंदर कार्यक्रम हाथ में लिया और आज की संयोजिका स्नेहल बीदासरिया और सह संयोजिका गरिमा व्यास का जिन्होंने इस कार्यक्रम की इतनी सुंदर रूपरेखा बनाई। हमारी शाखा पूर्व अध्यक्षा पिंकी बेगानी का जिन्होंने कार्यक्रम संचालन मेंबहुत शयोग ए। बहुत बहुत आभार निवर्तमान अध्यक्षा प्रेम लता सिंघानिया, पूर्व अध्यक्षा मीना पोद्दार, सह संयोजका गरिमा व्यास, सारिका अग्रवाल, उपाध्यक्ष कविता अग्रवाल, रितु अग्रवाल, सुनीता सराफ, अरूणा अग्रवाल, किरन अग्रवाल, सीमा शर्मा, सबिता अग्रवाल, प्रिया बदानि, रितु शर्मा, खुशबु मोर, जया पारिक, नेहा रस्तोगी उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए। संयुक्त मंत्री रजनी पगारिया धन्यवाद दिया। इस आशय की जानकारी रितु अग्रवाल ने दी।

सड़क हादसे में बुलेट सवार की मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के लताबाड़ी में बीती रात हुई सड़क दुर्घटना के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बुलेट सवार की मौत हो गई। मृतक बुलेट सवार की पहचान जतिन दास के रूप में हुई है। काजीरंगा के कहरा स्थित एक फार्मेसी में कार्यरत पवन दास का पुत्र जतिन दास अपनी बुलेट बाइक (एएस-05एन-1835) से बोकाखात सेउजीपार स्थित अपने घर जा रहा था। किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से जतिन दास की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बोकाखात पुलिस की यातायात टीम पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया।

एसएसबी, सीमा चौकी जवान व वन विभाग के संयुक्त अभियान में वाहन समेत अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। सीमा सशस्त्र बल (एसएसबी) की छठीं वाहिनी रानीघुली व सीमा चौकी सोनापुर समेत वन विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पिलर संख्या 166/3 से लगभग 11 किलोमीटर दूर स्थित कुशुमदिशा के जंगलों के पास से वाहन समेत अवैध लकड़ी जब्त की। मिली जानकारी के अनुसार तीन टाटा पिकअप वाहन, 10 बैलगाड़ी व 1 ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किए गए। उक्त अभियान एसेसबी के कमांडर के नेतृत्व में चलाया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग रुनीखाता के कर्मचारियों ने पिलर संख्या 166 / 3 से लगभग 11 किलोमीटर दूर कुशुमदिशा जंगल में अभियान चलाकर टाटा पिकअप वाहन, बैलगाड़ी व ट्रैक्टर में लादे गए अवैध लकड़ी को जब्त कर अपने कार्यालय ले आए। जब्त किए गए लकड़ी की कीमत छत्तीस लाख बताई जा रही है। वही इस सफलता के लिए एसएसबी के कमांडनर लोकेश कुमार सिंह ने सीमा चौकी के जवानों को हौसला अफजाई की।

भारत-बांग्लादेश सीमा से एक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण सलमारा (हिंस)। दक्षिण सलमारा-मानकाचर जिला के सुखचर पुलिस थाने के अंतर्गत ब्रह्मपुत्र के बीच खुली भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के नीलोखिया गांव से बीएसएफ और पुलिस के संयुक्त अभियान में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेशी नागरिक की पहचान बांग्लादेश के नारायणगंज जिला के बांधर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले जिदारा गांव के शाहीन खान के रूप में हुई है। शाहीन खान जिदारा गांव के जोयनाल उद्दीन का पुत्र है। शाहीन खान ने फरवरी 2020 में बख्शीरहाट गेट के माध्यम से बांग्लादेश को खाद्य पदार्थों की आपूर्ति करने वाले ट्रक पर सवार होकर भारत में प्रवेश किया था। शाहीन ने चतुराई से भारत में 10 हजार रुपए में क्लीनर कार्ड बनाकर प्रवेश किया था। पेशे से दर्जी शाहीन ने बख्शीरहाट से पश्चिम बंगाल के हावड़ा पहुंचा, वहां से बेंगलुरु पहुंचकर डेढ़ वर्षों तक काम किया था। वहां से तामिलनाडु और अंत में कोलार में काम किया। वहां पर उसे आकाश नामक एक शख्स से संपर्क किया। शाहीन ने आकाश से वापस बांग्लादेश जाने की बात कही। आकाश ने दक्षिण सलमारा-मानकाचर जिला के सुखचर के शैफुल इस्लाम नामक शख्स से संपर्क कराया। शैफुल ने शाहीन को बांग्लादेश भेजने के लिए नौ हजार रुपए पर तैयार हो गया। उसके अनुसार बांग्लादेशी शाहीन कोलार से हावड़ा और सिलिगुड़ी होते हुए गुवाहाटी आया था। वह बस से फुलबाड़ी पहुंचा। जहां से सैफुल इस्लाम रात में बांग्लादेशी को सुखचर में रखा। गुरुवार की शाम को सुखचर बाजार में आने वाले यंत्र चालित नाव से भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती निलोखिया जाते समय बीएसएफ ने जब नियमित तलाशी अभियान चलाया तो शाहीन ने अपनी पहचान के लिए बंगलुरू में बनाए गए भारतीय आधार कार्ड को दिखाया। जिसे देख बीएसएफ को संदेह हुआ। बीएसएफ ने जब शाहीन से पूछताछ की तो उसने बीएसएफ के सामने अपने आपको बांग्लादेशी नागरिक होना कबूल कर लिया।

अभामास का दो दिवसीय 27वां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू

गुवाहाटी (विभास) अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन (अभामास) का 27वां राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार से गुवाहाटी में शुरू हुआ। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित तेरापंथ धर्मस्थल में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के आतिथ्य में तथा मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा के सौजन्य से आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन में पूरे भारतवर्ष से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विभिन्न प्रांतों, पूर्व पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इनमें पूर्वोत्तर, प. बंगाल, बिहार, झारखंड, कोलकाता, दिल्ली, गुजरात, उत्कल प्रदेश (उड़ीसा), राजस्थान, उत्तर प्रदेश, विशाखापत्तनम, उत्तराखंड, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक से प्रतिनिधि मौजूद रहे, साथ ही पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि भी इस अधिवेशन में सम्मिलित हुए। अधिवेशन का शुभारंभ शनिवार को दोपहर 2.30 बजे से विषय निर्वाचन समिति की बैठक से हुआ। इस मौके पर मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार सुरेका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक कुमार जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय कुमार लोहिया, राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष अशोक धानुका, स्वागत मंत्री सुशील गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर हरलालका, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया आदि मंचासीन थे। इस सत्र में उपस्थित लोगों ने विभिन्न मुद्दों पर अपने अपने विचार रखें। विषय निर्वाचन समिति की बैठक जिसमें विभिन्न प्रांतों से आये प्रस्तावों पर विचार विमर्श हुआ तथा समाज हीत एवं सांगठनिक व्यवस्था को और मजबूत करने से संबंधित कई प्रस्ताव पारित किए गए। अपराहन 3.30 बजे से संस्कार हमारी विरासत पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने संस्कारों में हो रहे ह्रास पर चिंता व्यक्त करते हुए संगठन के माध्यम से जन जागरण एवं संस्कार शिविर जैसे कार्यक्रम आयोजित करने पर चिंतन मनन हुआ। उपस्थिति प्रतिनिधियों का मानना था कि भारतीय संस्कृति तभी पूरक हैं जब संस्कार की नींव मजबूत रहै, जो ग्लोबलाइजेशन परिवर्तन में अपने स्वरूप में प्रदूषित होने से वंचित नहीं रह पाई है। उन्नति यदि बिखराव लाती है तो चिंतनीय है। जिस समाज ने अपनी

संस्कृति को खो दिया उसका वजूद भी शनै शनै विलूप्त होते जाता है। संस्कार एवं संस्कृति की पोषक मातृ शक्ति ने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है ऐसे में नारी शक्ति ही इस समस्या को और गंभीर होने से बचाने में सहायक होगी। संस्कार पर विभिन्न प्रबुद्ध वक्ताओं ने अपने विचार साझा करते हुए समाज को जागरण करने में मारवाड़ी सम्मेलन की महती भूमिका की बात भी रखी। सायं 6 बजे से पुरस्कार वितरण एवं अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विशिष्ट कार्यकर्ताओं, विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष और महामंत्री को स्मृतिचिह्न प्रदान किया गया। सांय को आतिथ्य शाखा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी की शाखाओं की और से अतिथियों के स्वागत में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इससे पूर्व आज सुबह तेरापंथ धर्मस्थल के प्रांगण में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के सभापतित्व में आयोजित हुई। मंच पर प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, प्रांतीय संगठन मंत्री विमल अग्रवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खण्डेलवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रांतीय सहायक मंत्री माखनलाल अग्रवाल, आतिथ्य शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका के अलावा विशिष्ठ उपस्थिति के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डां श्यामसुंदर हरलालका एवं राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका उपस्थित थे। इस मौके पर पूर्वोत्तर प्रांत के विभिन्न कार्यकारिणी सदस्यों, संयोजक के अलावा प्रांतीय मीडिया सह संयोजक के रूप में विवेक सांगानेरिया को शपथ दिलाई गई। इस दौरान मंच संचालन मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सचिव शंकर बिड़ला ने किया। अधिवेशन के दूसरे दिन रविवार को एम.एस. रोड, गुवाहाटी स्थित महावीर स्थल में सुबह 9.45 बजे झंडोत्तोलन एवं दिवंगत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। सुबह 10.15 बजे से उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वागत गीत एवं अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार के शहरी विकास, आवासीय एवं सिंचाई विभाग के मंत्री अशोक सिंघल उपस्थित होंगे। इस सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्द्धन प्रसाद गाड़ोदिया नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया को कार्यभार हस्तांतरित करेंगे। दोपहर 2 बजे से खुला सत्र का आयोजन होगा, तत्पश्चात् समापन समारोह के साथ अधिवेशन संपन्न होगा। यह जानकारी पूर्वोत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के नवनियुक्त मीडिया सेल संयोजक विवेक सांगानेरिया द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है।

शासन की रीढ़ हैं सिविल सेवाएं, सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में अहम भूमिका : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सिविल सेवाएं शासन की रीढ़ हैं और देश में सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में एक मौलिक भूमिका निभाई है। वह शनिवार को अपने सरकारी निवास में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1984 बैच के अधिकारियों द्वारा सह-लिखित पुस्तक 'रिफ्लेक्शंस ऑन इंडियाज पब्लिक पॉलिसीज' के विमोचन के अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का शासन मॉडल, पारदर्शिता, जवाबदेही, डिजिटलीकरण, नवाचार और उद्यमिता पर केंद्रित है।इससे दुनिया ईर्ष्या करती है। उन्होंने कहा- कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण और उत्थान सफल योजनाओं से प्रभावित हुआ है, यह सुनिश्चित करते हुए कि सबसे हाशिये पर रहने वाले नागरिकों की भी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने लोकसेवकों से गर्व के साथ राष्ट्र की सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत पक्षपात के बिना सार्वजनिक सेवा, जमीनी स्तर पर लागू कानून का शासन, जनता के साथ व्यवहार में ईमानदारी, कर्तव्य के प्रति समर्पण और नीतिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने में दक्षता का तात्पर्य है। धनखड़ ने उस भूमिका पर भी प्रकाश डाला जो सेवानिवृत्त सिविल सेवकों द्वारा एक अद्वितीय मूल्यवान राष्ट्रीय मानव संसाधन के रूप में निभाई जा सकती है। उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया- ह्लसेवानिवृत्त सिविल सेवकों को हमारे संवैधानिक संस्थानों और लोकतांत्रिक मूल्यों को गलत तरीके से कलंकित करने और विकृत करने की कोशिश करने के भीतर और बाहर से, झूठे और राष्ट्र-विरोधी आख्यानों को बेअसर करने के लिए तैनात किया गया है।" उपराष्ट्रपति ने माना कि लोकतांत्रिक शासन की अपनी अनूठी चुनौतियां हैं। उन्होंने सिविल सेवकों से कानून और संविधान के शासन के प्रति अटूट और दृढ़ प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रकाश डाला- देश के कुछ हिस्सों में सत्तारूढ़ व्यवस्था के साथ अधिकारियों की राजनीतिक घुसपैठ संघवाद की उच्चता को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। यह सभी संबंधितों द्वारा प्रणालीगत ध्यान देने का आह्वान करता है। 'भारत की सार्वजनिक नीतियों पर विचार' सार्वजनिक नीति के विविध क्षेत्रों में देश के सामने आने वाले कुछ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए 1984 बैच के दस आ-ईएएस अधिकारियों की अंतर्दृष्टि और विश्लेषण को एक साथ लाता है। इस कार्यक्रम में कई सेवानिवृत्त और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव में 58 हजार वोटों से जीते आप के रिंकू

- कांग्रेस की कर्मजीत कौर को हराया

चंडीगढ़, (हि.स.)। जालंधर लोकसभा उपचुनाव में पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाब हो गई। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार कर्मजीत कौर को 58 हजार 691 वोटों से हराकर लोकसभा में एंट्री करने में कामयाब हो गए। जालंधर के माध्यम से अब आप का लोकसभा में भी एक सांसद होगा। जालंधर लोकसभा कांग्रेस के पूर्व सांसद संतोख चौधरी के निधन के बाद रिक्त हुई थी। सु-शील कुमार रिंकू पहले कांग्रेस में ही थे। चुनाव से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी का दामन थामा और आप ने उन्हें उम्मीदवार घोषित कर दिया। अब तक हुए कुल 18 चुनावों में 14 बार कांग्रेस, दो बार अकाली दल तथा दो बार जनता दल यहां से विजयी रहे हैं। यह पहला मौका है, जब आम आदमी पार्टी को जालंधर में जीत हासिल हुई है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद लोकसभा के दो उपचुनाव हुए हैं, जिनमें से संगरूर उपचुनाव में आप को हार का सामना करना पड़ा था। बीती 10 मई को हुई वोटिंग के बाद 13 मई को जालंधर में हुई मतगणना के दौरान आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू को कुल तीन लाख दो हजार 279 वोट मिले। कांग्रेस की कर्मजीत कौर को दो लाख 43 हजार 588 वोट, शि-रोमणि अकाली दल के डॉ.सुखविंदर सुखी को एक लाख 58 हजार 445 वोट तथा भारतीय जनता पार्टी के इकबाल अटवाल को एक लाख 34 हजार 800 वोट मिले हैं। शिअद अमृतसर के गुरजंट सिंह को 20,354 वोट मिले हैं।

लटक सकती है अधर में सीएम आवास के नवीनीकरण में हुई गड़बड़ियों की जांच

अजय त्यागी

नई दिल्ली। अधिकारियों के तबादले और तैनाती का अधिकार दिल्ली स-रकार के पास आ जाने के बाद अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के स-रकारी आवास के नवीनीकरण में हुई कथित गड़बड़ियों की जांच भी अधर में लटक सकती है। वजह, जहां एक ओर सरकार अपने खिलाफ काम कर रहे छोटे बड़े सभी अधिकारियों पर निगाह रखे हुए है वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की निष्ठा भी अब बदल गई है। वह एलजी के साथ खड़े होकर अपने ही लिए परेशानी पैदा नहीं करना चाहते। गौरतलब है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 29 अप्रैल को मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मामले में 15 दिनों के भीतर पीडब्ल्यूडी से इस मामले में विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी थी। यह समय सीमा शनिवार को समाप्त हो रही है। लेकिन हाल फिलहाल रिपोर्ट मिलने की कोई संभावना नहीं है। इसकी मुख्य वजह यही कि तबादले -तैनाती का अधिकार दिल्ली सरकार के पास आ जाने से लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी अब सरकार के दबाव में हैं। ऐसे में वह अब ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देना चाहते, जो कल को उनके ही लिए जी का जंजाल बन जाए। सूत्र बताते हैं कि दो दिन पहले सीएम आवास के नवीनीकरण में हुई गड़बड़ियों को लेकर जोर- शोर से काम चल रहा था। इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज भी मुख्य सचिव द्वारा कब्जे में ले लिए गए थे। संभावना थी कि दो-तीन दिन में रिपोर्ट एलजी को सौंप दी जाएगी। लेकिन सत्ता का रुख बदलते ही यह रिपोर्ट अब ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। यहां तक कि इसी मुददे पर कांग्रेस नेता अजय माकन की शिकायत पर एलजी ने मुख्य सचिव से एक सप्ताह में जो जांच रिपोर्ट मांगी थी, अब उसके मिलने की संभावना भी कम ही है। सूत्रों की मानें तो अब अगर यह जांच रिपोर्ट तैयार होती भी हैं तो वो लीपापोती से अधिक कुछ न होंगी। राजनिवास के अधिकारी भी इस सच से इनकार नहीं कर रहे। अभी तक भले ही दिल्ली सरकार ने केवल एक ही अधिकारी सेवाएं विभाग के सचिव आशीष मोरे का तबादला किया हो, लेकिन उसकी सूची में एलजी के खास रहे सभी बड़े अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इनमें गृह सचिव, सतर्कता सचिव, आबकारी आयुक्त, वित्त सचिव, पर्यावरण सचिव, ड-ीआईपी निदेशक और सचिव सहित और भी कई बड़े अधिकारियों पर तलवार लटकी है। सरकार की आंख में हालांकि रड़क तो मुख्य सचिव नरेश कुमार भी रहे हैं, लेकिन उन्हें हटा पाना इतना आसान नहीं होगा।

भाजपा के लिए कर्नाटक के नतीजे वेकअप कॉलः तोगड़िया

भोपाल, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद् के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि 'राममंदिर और बजरंग बली भी कर्नाटक में भाजपा को बचा नहीं पाए, यह चिंता की बात है।' कर्नाटक के नतीजे भाजपा के लिए 2024 लोकसभा चुनाव का वेकअप कॉल है। डॉ. तोगड़िया शनिवार को भोपाल में प्रेस-ावार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को रोजगार चाहिए। महंगाई से मुक्ति चाहिए। सुरक्षा चा-हिए। किसानों को फसलों के दाम चा-हिए। राज्य और केंद्र सरकार के कोटे से एक करोड़ सरकारी पद खाली हैं, जिन्हें तीन महीने में भर दो। पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेंडर के दाम कम करो। किसानों के लिए एमएसपी बनाओ तो 70 करोड़ किसानों के वोट मिलेंगे। 2024 में क्या होगा यह देश की जनता तय करेगी। इस दौरान उन्होंने 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्म बनाने को शर्म की बात बताया है। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों पर अत्याचार की वाहवाही हो रही है। क्या हिंदू लड़कियां शिकार बन रही हैं? वे शिकार बन रही हैं, तभी तो ऐसी फिल्में बन रही हैं। भविष्य में ऐसी कोई फिल्म न बने, इसलिए एंटी लव जिहाद कानून और जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाएं। हम बहन-बेटियों को सुरक्षा की ट्रेनिंग दे रहे हैं। डॉ. तोगड़िया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत में ही हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। मणिपुर हिंसा में सैकड़ों हिंदू मारे गए हैं। पहले कश्मीर में हिंदुओं के लिए शरणार्थी शिविर थे, अब मणिपुर में हैं। मणिपुर सरकार हिंदुओं की सुरक्षा में फेल हो गई। वहां मृतकों के परिवार को 50 लाख, एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देनी चाहिए। बा-र्डर पर बीएसएफ लगाई जाए।

अब पिकनिक के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं दिल्ली में ही कर पाएंगे नाव में सैर

अजय कुमार

नई दिल्ली। कार, हवाई जहाज, मगरमच्छ, बत्तख जैसे आकार में बने नाव (बोट) दिल्ली के नौका विहार में आकर्षण का केंद्र होंगे। दिल्ली स-रकार के पर्यटन विभाग ने जल्द ही ऐसे 10 बोट खरीदने की योजना बनाई है, ताकि पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बनें। अधिकारियों का दावा है कि ऐसी पहल से शहर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी भी कर रही है। वर्तमान में दिल्ली स-रकार के पर्यटन विभाग के पास कुल 80 नाव हैं। लेकिन इसमें से अधिकतर पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए 10 ऐसी नौकाएं खरीद रहे हैं। इस तरह के बोट लोगों को आकर्षित करेंगे और इससे राजस्व में भी इजाफा होगा। अधिकारी का कहना है कि दिल्ली सरकार तीन जगहों पर यह सुविधा देने जा रही है, जिसमें पहला राजपथ के पास कृषि भवन-रफी मार्ग पर बोट क्लब है। दूसरा मान सिंह रोड पर बोट क्लब इंडिया गेट है। तीसरा भलस्वा झील, मुकरबा चौक के पास आनंद की सवारी के लिए मोटर बोट खरीदने की भी योजना बन रही है।

केशवपुरम मेट्रो स्टेशन के पास मिला शव शव को कुचलते हुई कई गाड़ियां गुजरीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली के केशव पुरम थाना इलाके में उस समय सनसनी मच गई जब शनिवार सुबह मेट्रो स्टेशन के नजदीक सड़क किनारे एक अज्ञात शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने फौरन इसकी सूचना केशवपुरम थाना पुलिस को दी। पुलिस को दी गई सूचना में बताया गया कि केशव पुरम मेट्रो स्टेशन के पास सड़क किनारे एक शव पड़ा है। इसको देख कर लग रहा है कि किसी वाहन ने इस को कुचला है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जब पहुंची तो शव की हालत को देखकर लग रहा था कि इसके ऊपर से कई वाहन गुजर चुके हैं। पुलिस को शव को सड़क किनारे से उठाने पर काफी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के मुताबिक लाश को इतनी बुरी तरीके से कुचला हुआ था कि उसको देख पाना भी किसी राहगीर के लिए नामुमकिन था। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन देखने में लग रहा है कि मृतक की उम्र लगभग 30 से 32 साल के आसपास है। केशवपुरम थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भेज दिया गया है। वहीं पुलिस अब इस मामले की जांच में जुट गई है। केशव पुरम थाना पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने का काम शुरू कर दिया है। जिससे कि पता चल पाए कि किस वाहन ने इस को कुचला है। किस समय की यह घटना है। इस घटना ने एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार कर दिया है।

सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नशे में धुत यात्री ने किया हंगामा

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक नशे में धुत यात्री के हंगामा करने से प-रिसर में अफरा-तफरी मच गई। यात्री प्रतुल घोष को पहले हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआ-ईएसएफ) के कर्मियों ने हिरासत में लेकर बाद में कोलकाता हवाई अड्डा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। शुक्-वार रात घोष को इंडिगो की फ्लाइट से मुंबई जाना था, वह कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचा। बोर्डिंग प्रक्रिया शुरू होने से काफी पहले आगमन पर, वह हवाईअड्डा परिसर के भीतर एक बार में गया और शराब का सेवन किया। हालांकि, परेशानी तब शुरू हुई जब बार अधिकारियों ने घोष को 3,750 रुपए का बिल दिया और वह बिल को चुकाए बिना बार से भागने की कोशिश करने लगा। बार के कर्मचारियों द्वारा रोकने पर युवक ने पैसे देने से मना कर और कर्मचारियों से मारपीट करने लगा। उसने कथित तौर पर कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। जल्द ही हवाईअड्डे की सुरक्षा के लिए नियुक्त सीआ-ईएसएफ कर्मचारी वहां पहुंचे और शुरू में उन्होंने घोष को बिल का भुगतान करने के लिए कहा। हालांकि, जब उसने इससे इनकार कर दिया और बिलों का भुगतान न करने के अजीब कारण बताए, तब उस हिरासत में ले लिया गया और फिर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। चालू सप्ताह के दौरान यह दूसरी बार है जब कोलकाता हवाईअड्डा शराब के नशे में धुत यात्रियों के उपद्रव के कारण चर्चा में आया।

तस्कर निगल गया था सोना, मुंबई के अस्पताल में आपरेशन कर सोने की 8 छड़ें निकाली गई

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई के जेजे अस्पताल में एक तस्कर के पेट का आपरेशन कर 250 ग्राम की 8 सोने की छड़ें निकाली गईं। पेट से निकले सोने की छड़ों को सीमा शुल्क विभाग ने जब्त कर लिया और तस्कर इंतिजार अली के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। फिलहाल उसका इलाज जेजे अस्पताल में सीमा शुल्क विभाग की टीम की निगरानी में हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि सीमा शुल्क विभाग की टीम ने 08 मई को मुंबई एयरपोर्ट पर इंतिजार अली (30 वर्ष) को तलाशी के लिए रोका। इसी दौरान इंतिजार अली 8 सोने की छड़ों को निगल गया। इसके बाद हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही थी, लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ने पर टीम ने आरोपित को जेजे अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में उसके पेट के एक्स-रे से पता चला कि सोने की आठों छड़े उसके छोटी आंत में फंस गई हैं। इसलिए डॉक्टरों ने आ-रोपित से आपरेशन करने के लिए कहा, लेकिन आरोपित ने आपरेशन से मना कर दिया। इसलिए डॉक्टरों ने उसे दो दिनों तक गोलियां खिलाईं, इतना ही नहीं उसे तीन लीटर पानी और एक दर्जन केले भी रोज पिलाए, लेकिन जब आरोपित के पेट का दर्द बढ़ गया तो वह आपरेशन के लिए तैयार हो गया। डॉ. अजय भंडारकर के नेतृत्व में आरोपित के पेट का आपरेशन किया गया और पेट से 8 सोने की छड़ें निकाली गईं। डॉ. भंडा-रकर ने बताया कि इस समय आरोपित की तबीयत में सुधार हो रहा है। जैसे ही आरोपित ठीक हो जाएगा, उसे सीमा शुल्क विभाग की टीम को सौंप दिया जाएगा।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव : नतीजे पर अरविंद केजरीवाल बोले- काम पर लगी मुहर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने जालंधर लोकसभा उपचुनाव के नतीजों पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह जीत कांग्रेस के गढ़ में मिली है। अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि जनता ने आप सरकार के कामों पर मुहर लगाई है। जालंधर के लोगों ने अपने वोट से यह बता दिया कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में शानदार काम कर रही है। आगे उन्होंने कहा कि जालंधर की यह जीत पंजाब में आप सरकार के काम की जीत है। जालंधर की जनता के साथ-साथ इस चुनाव में अपना पसीना बहाने वाले आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकताओं को बहुत-बहुत बधाई।

'श्रीअन्न' महोत्सव में बोले धामी, गरीबों का भोजन मोटा अनाज आज अमीरों की पसंद हो गया है

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व से आज विश्व में 'श्रीअन्न' की स्वीकार्यता बढ़ी है। एक समय यह गरीबों का भोजन माना जाता था, लेकिन आज यह अमीरों की पसंद वाला भोजन बन गया है। मुख्यमंत्री शनिवार को सर्वे ऑफ इण्डिया, हाथीबड़कला, स्थित सर्वे ग्राउंड में चार दिवसीय 'श्रीअन्न' महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चिकित्सक भी बीमारियों को भगाने के लिए 'श्रीअन्न' खाने की सलाह दे रहे हैं। कहने का मतलब कि बीमारियों को दूर भागने का रास्ता मोटे अनाज हैं। यह किसानों के लिए भी बहुत लाभकारी होगा। यह महोत्सव 16 मई तक चलेगा। इस महोत्सव में प्रदेश भर के किसान शामिल हुए हैं। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य के कृषि मंत्री गणेश जोशी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार मिलेट्स की खेती को प्रोत्साहन देने का काम करेगी। देश के अग्रणी राज्य में शुमार होने के साथ मिलेट्स में अग्रणी हो, इसके लिए काम किया जाएगा। राज्य में प्राकृतिक खेती की जा रही है। वर्ष 2023 मिलेट्स वर्ष मनाया जा रहा है। यह 'श्री अन्न' महोत्सव कारगर होगा। होटलों में 'श्री अन्न' मिले, इस-के लिए सरकार प्रयासरत हैं। लोकप्रिय और त्योहारों में 'श्रीअन्न' को शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'श्रीअन्न' को घर-घर का अन्न बनाने का संकल्प लेकर महोत्सव से जाएं। यह महोत्सव अपने उद्देश्य में निश्चत ही सफलता प्राप्त करेगा। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मोटे अनाजों की उत्तराखंड राजधानी रही है। उत्त-राखंड की तरह उत्तर प्रदेश भी इस तरह के आयोजन कर मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए काम करेगा। मिलेट्स की पौष्टिकता स्वस्थ्य शरीर के लिए उपयोगी है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड मिलकर मिलेट्स अनाजों को बढ़ावा देने के लिए देश ही नहीं विदेशों में राष्ट्र और राज्य को ऊंचाइयां देने के लिए काम करेंगे। इस मौके पर कृषि और कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र के विशेष पहल आज मिलेट्स अनाज के प्रति लोगों का रुझान बढ़ने लगा है। कृषि की ओर नौजवान आ रहे हैं। राज्य के बजट में 73 करोड़ का प्रावधान किया है। राज्य में कृषि भूमि का भले क्षेत्रफल घटा है, लेकिन उत्पादन बढ़ना खुशी का विषय है। सरकार वर्ष 2025 तक मिलेट्स उत्पाद को दोगुना करने का लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। राज्य में 50 हजार स्वयंसेवी समूह में 4 लाख 37 हजार बहनें जुड़ी हैं। ये बहनें किसानों से एमएसपी पर मडुवा खरीदेंगी। इसके लिए सरकार उनको मदद कर रही है। सचिव कृषि और कृषक कल्याण बीबीआरसी पुरुषोत्तम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा राज्य सरकार मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। पिछले साल 22 रुपये में किसान से मडुवा की खरीद होती थी, अब 38 रुपये में इसकी खरीदी की जाएगी। एक साल में इतने रुपये की बढ़ोतरी की गई है। देहरादून के कैंट सविता कपूर, बृजभूषण गैरोला, कपकोट स-ुरेश गाड़िया, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष राकेश राजपूत,सचिव कृषि और कृषक कल्याण बीबीआरसी पुरषोत्तम,कृषि निदेशक गौरीशंकर, सिद्दार्थ अग्रवाल, जोगेंद्र पुंडीर आदि उपस्थित रहे।महोत्सव में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में किसानों प्रतिभाग किया है। महोत्सव में मिलेट से सम्बन्धित कुल 134 स्टॉल लगाए गये हैं।

बीजेपी की हार को बताया पहलवानों की बद्दुआ का असर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनावों में बीजेपी की हार को पहलवानों की बद्दुआ बताया जा रहा है। यहां विधानसभा चुनाव के रुझान आने के बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने इसे भाजपा के लिए शाप करार दिया। एक प्रदर्शनकारी पहलवान ने नाम न छापने की शर्त पर बात करते कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अपने अहंकार को अलग रखते हुए लोगों और उनकी चिंताओं को सुनना चाहिए, अन्यथा वे हारते रहेंगे। उन्होंने कहा, मौजूदा सरकार का रवैया देश के लिए अच्छा नहीं है। हमने देखा है कि पिछली सरकारों के साथ क्या हुआ। वे ओलंपिक पदक विजेताओं को कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं? इससे पहले कि वे अन्य राज्यों में चुनाव हारें, भाजपा सरकार को सोचना चाहिए, अगले साल और अहम चुनाव आने वाला है। कर्नाटक का परिणाम भाजपा के लिए महिला पहलवानों का शाप है। एक अन्य पहलवान ने आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह इस तरह के जघन्य अपराध के बावजूद खुलेआम घूम रहे हैं, इसका कारण राजनीतिक संबंध और वोट बैंक है। जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बृज भूषण और महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर से पूछताछ की। इस पर, पहलवान ने कहा कि देरी की रणनीति उनके राजनीतिक संबंधों के कारण है। पहलवान ने जोर देकर कहा, हम सभी जानते हैं कि क्या हो रहा है और कौन उसे बचा रहा है! उसके पास एक मजबूत राजनीतिक संबंध है और एक वोट बैंक भी है, जिसके कारण उसे वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। ओलंपिक पदक विजेता यहां बैठे हैं और भारत सरकार को परवाह नहीं। हम तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि उन्हें गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता।

कर्नाटक चुनाव 2023: जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेंगे : बसवराज बोम्मई

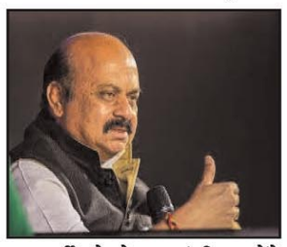

नई दिल्ली, (हि.स.)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने विधानसभा चुनाव के आ रहे परिणाम को देखते हुए हार स्वीकार कर ली। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अब भारतीय जनता पार्टी जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेगी। बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि विधानसभा में अब भाजपा जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करेगी। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में वापसी की बात कही है। चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में भाजपा असर नहीं छोड़ पाई। हम पार्टी को दोबारा संगठित करेंगे और लोकसभा चुनाव में मजबूती के साथ वापसी करेंगे। फिलहाल कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस 138 और भाजपा 62 सीटों को अपने-अपने पाले में करती दिखाई दे रही है। देर शाम तक पूरे परिणाम के आने की संभावना है।

निकाय चुनाव : उप्र में योगी का जलवा, प्रदेश के सभी नगर निगमों में भाजपा सरकार

-2017 में भाजपा ने जीती थी 16 में से 14 सीटें, इस बार सभी 17 सीटों पर कब्जा

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता बरकरार है। नगरीय निकाय चुनावों के नतीजों ने आज इसे एक बार फिर सिद्ध कर दिया। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में प्रचंड जीत दर्ज की है। वर्ष 2017 में हुए निकाय चुनाव में भाजपा ने नगर निगम की 16 सीटों में से 14 पर कब्जा किया था। उस बार अलीगढ़ और मेरठ नगर निगम की सीटें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की खाते में गई थीं। इस बार के निकाय चुनाव में शाहजहांपुर के नगर निगम बनने से महापौर सीटों की संख्या 17 हो गई। भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए नगर निगम की सभी 17 सीटों को जीतने में सफल रही। बसपा, सपा और कांग्रेस सहित अन्य दल खाता खोलने को तरसते रह गये। हालांकि नगर निगम महापौर की सभी सीटों के चुनाव नतीजों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है लेकिन अब तक मतगणना के जो आंकड़े मिले हैं, उनके अनुसार महापौर की हर सीट पर भाजपा उम्मीदवार अन्य दलों के उम्मीदवारों से काफी आगे हैं। मतगणना केंद्रों से लगातार मिल रहे आकड़ों के अनुसार भाजपा नगर निगमों के अलावा नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भी काफी बढ़त बनाए हुए है। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश भर में जीत का जश्न मना रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज सुबह आठ बजे से नगरीय निकाय के लिए मतगणना का कार्य जारी है। 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद और 544 नगर पंचायत समेत कुल 760 सीटों के लिए प्रदेश भर में 353 मतदान केंद्रों पर वोटों की गिनती हो रही है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर जश्न - उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों में प्रचण्ड जीत की तरफ बढ़ रही भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर जश्न का माहौल है। पार्टी के कार्यकताओं से लेकर प्रदेश के शीर्ष नेता भाजपा कार्यालय पहुंच रहे हैं।

गोरखपुर मंडल की सात चीनी मिलों पर 26214.40 लाख गन्ना मूल्य बकाया

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर मंडल के चार जनपदों की सात चीनी मिलों पर सत्र 3022-23 का 26214.40 लाख गन्ना मूल्य बकाया है। इनमें गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर चीनी मिलें शामिल हैं। हालांकि 12 मई तक 97427.45 लाख गन्ना मूल्य भुगतान हुआ है। यह कुल गन्ना मूल्य का 78.80 प्रतिशत है। बावजूद इसके इन चीनी मिलों पर अभी भी 26214.40 लाख रुपया बकाया है।

इन चीनी मिलों ने की है पेराई - गोरखपुर मंडल के चार जनपदों में इस सत्र में सिर्फ सात चीनी मिलों ने ही पेराई की। गोरखपुर (पिपराइच), महराजगंज (सिसवा) और देवरिया (प्रतापपुर) में एक-एक चीनी मिल चली। कुशीनगर में चार चीनी मिलों-रामकोला पी, सेवरही, खड्डा और न्यू सुगर मिल ढाढा ने पेराई की। आंकड़ें बता रहे हैं कि इन सभी चीनी मिलों पर 123641.85 लाख रुपया गन्ना मूल्य हुआ, जिसमें से 26214.40 लाख रुपया बकाया है।

इन पर है सबसे अधिक बकाया - इन सात चीनी मिलों में सबसे अधिक बकाया गोरखपुर की पिपराइच, देवरिया की प्रतापपुर और कुशीनगर की सेवरही चीनी मिल पर है। इन तीनों चीनी मिल पर ही 21621.10 लाख रुपये बकाया है।

भुगतान में कुशीनगर के हाटा-रामकोला (पी.) सबसे आगे - कुशीनगर जिले की हाटा चीनी मिल ने 96.05 और रामकोला पंजाब ने 99.55 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। खड्डा चीनी मिल ने भी 81.99 फीसदी गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया है। सेवरही चीनी मिल गन्ना मूल्य भुगतान में काफी पीछे है। इस चीनी मिल ने अभी तक सिर्फ 62.03 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। सेवरही चीनी मिल पर गन्ना किसानों का अभी भी 10392.44 लाख रुपया बकाया है। महराजगंज जिले की सिसवा चीनी मिल ने 82.43 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया है। इस चीन मिल पर 1718.89 लाख रुपया बकाया है। देवरिया की प्रतापपुर चीनी मिल ने अभी तक सिर्फ 29.98 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। इस चीनी मिल पर किसानों का 2540.53 लाख रुपया बकाया है। गोरखपुर की पिपराइच चीनी मिल ने अभी तक सिर्फ 42 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। चीनी मिल पर गन्ना किसानों का 8688.13 लाख रुपया बकाया है।

यूपी की चीनी मिलों ने इतनी की पेराई - उत्तर प्रदेश में 119 चीनी मिलों ने गन्ना सत्र 2022-23 में 1076.23 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई करते हुए 103.49 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। इन चीनी मिलों पर कुल गन्ना मूल्य 27357.30 लाख रुपए हुआ जिसमें से 75.38 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान किया जा चुका है।

झांसी नगर निगम सीट पर भाजपा की हैट्रिक

- भाजपा के बिहारी लाल 83 हजार से अधिक मतों से विजयी

झांसी, (हि.स.)। नगर निगम झांसी में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत का परचम लहराया है। इसके साथ ही भाजपा की यह निकाय चुनाव में लगातार तीसरी जीत है। भाजपा के उम्मीदवार बिहारी लाल आर्य ने करीब 83 हजार से अधिक मतों से अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस के उम्मीदवार अरविंद कुमार बबलू को माता दी है।

भाजपा के बिहारी लाल को पूरे 25 चरण में कुल एक लाख 23 हजार 451 मत प्राप्त हुए हैं। वहीं उनसे लगातार पीछे चल रहे कांग्रेस के उम्मीदवार अरविंद कुमार बब्लू को 39 हजार 903 मत मिले हैं। इस प्रकार भाजपा के बिहारीलाल आर्य ने 83 हजार 548 मतों से परास्त किया है। इसके अलावा तीसरे स्थान पर बसपा के भगवान दास फुले को 21 हजार 570 मत प्राप्त किए हैं। वहीं सपा उम्मीदवार सतीश जतारिया को 21 हजार 29 मत पाकर संतुष्ट होना पड़ा। जबकि आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार नरेश वर्मा को कुल पांच हजार 621 मत मिले।

वहीं बुंदेलखंड क्रांति दल के उम्मीदवार शिवदयाल को महज एक हजार 568 मत प्राप्त हुए। इसके इतर नोटा को दो हजार 850 मत देकर मतदाताओं ने अपना विरोध भी जताया। कुल 25 चक्र की मतगणना में पहले चक्र की मतगणना से भाजपा ने बढ़त बना ली थी और उसके बाद फिर बिहारी लाल आर्य ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जबकि कांग्रेस ने कुछ देर तक भाजपा के उम्मीदवार को टक्कर देते हुए उनका पीछा किया, लेकिन कुछ ही चक्रों के बाद वह बहुत दूर निकल गए। उल्लेखनीय है कि यह भारतीय जनता पार्टी की निकाय चुनाव में लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले सामान्य सीट पर रामतीर्थ सिंघल और उससे पहले अनुसूचित जाति की सीट पर किरण राजू बुकसेलर महापौर पद पर जीत का परचम लहरा चुकी हैं।

यूपी में सरकार के प्रति जनता का विश्वास जीता : राजनाथ

-रक्षा मंत्री ने निकाय चुनाव में जीत के लिए योगी और चौधरी को सराहा

लखनऊ, (हि.स.)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत को मुख्यमंत्री योगी तथा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की मुक्त कंठ से सराहना की और इसके लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं भी दी है। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया है कि यह शानदार जीत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार में जनता के विश्वास और प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की संगठनात्मक कुशलता का प्रतीक है। रक्षामंत्री ने उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में भाजपा पर अपना विश्वास जताने के लिए सभी मतदाताओं के प्रति भी आभार जताया है। इस सफलता के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी एवं समस्त पार्टी कार्यकताओं को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती: देवेन्द्र सिंह भोले

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। जलवायु परिवर्तन देश और प्रदेश के लिए बड़ी चुनौती है। विशेषकर कृषि के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के काफी विपरीत प्रभाव पड़ रहे हैं। पहले के समय में और अब के समय में जलवायु में काफी अन्तर आ गया है। यह बात शनिवार को भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) कानपुर में जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के शुभारम्भ के मौके पर मुख्य अतिथि कृषि पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण के स्टैडिंग कमेटी संसदीय सदस्य देवेन्द्र सिंह भोले ने कही। उन्होंने कहा कि वृक्षों की कटाई, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इसके लिए जिम्मेदार है। जलवायु परिवर्तन को देखते हुए मृदा के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। मृदा परीक्षण का कार्य काफी महत्वपूर्ण हो गया है। मृदा परीक्षण का टारगेट सेट करने और परीक्षण कर कमियां और गुण बताने, कृषकों को जागरूक करने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने आदि से जलवायु अनुकूल कृषि को और प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यशाला में भाकृअनुप-अटारी, कानपुर के निदेशक डॉ. एस.के. दुबे ने अपने स्वागत अभिभाषण में सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि यह निक्रा परियोजना वर्ष 2011 से चल रही है एवं इसका उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के जलवायु संवेदनशील 17 जनपदों में यह परियोजना कार्यरत है। उन्होंने बताया कि निक्रा के अन्तर्गत किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की भी व्यवस्था की गई है जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को मशीनरी उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही किसानों को उन्नत प्रजाति के बीज तथा संबंधित तकनीकियाँ भी कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रदर्शित कराये जाते हैं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि हैदराबाद के भाकृअनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा) के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह, नई दिल्ली (कृ.वि.), भाकृअनुप सहायक महानिदेशक डा. रंजय कुमार सिंह, जेड.एम.सी. निक्रा अध्यक्ष डा. बी. गंगवार तथा जेड.एम.सी. निक्रा के सदस्य डा. मसूद अली ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में निक्रा परियोजना से जुड़े कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों के साथ ही कृषकों ने भी प्रतिभाग कर अपने अनुभव साझा किये। इससे पूर्व जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य अतिथि अकबरपुर सांसद एवं कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण सदस्य संसदीय स्टैडिंग कमेटी के देवेन्द्र सिंह ह्यभोलेह्न और अन्य उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यशाला में निक्रा परियोजना से जुड़े 17 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतवर्ष (2022) की उपलब्धियों एवं आगामी कार्य योजनाओं (2023) की समीक्षा की जा रही है। उ.प्र. के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसार डॉ. ए.पी. राव, डॉ.पी.के. सिंह, डॉ. एन.के. बाजपेई, डॉ. आर.के. यादव, डॉ. जेवीएनएस प्रसाद-कोऑर्डिनेटर निक्रा एवं अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. साधना पाण्डेय एवं डॉ. राघवेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें जनपद-वार केवीके की उपलब्धियों पर गहन चर्चा की गई तथा हमीरपुर जनपद के निक्रा गांव का वैज्ञानिकों के दल ने भ्रमण भी किया।

मांगों के समर्थन में राज्यपाल से मिलेगा एबीआरएसएम का प्रतिनिधिमंडल

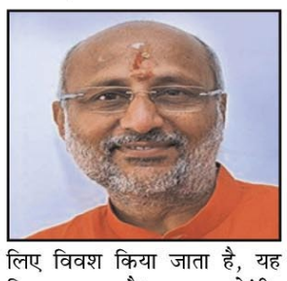

रांची, (हि.स.)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने शनिवार को ऑनलाइन बैठक की। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने ग्रीष्मकालीन छुट्टी में कटौती पर आपत्ति जतायी। साथ ही पुरजोर विरोध किया। सभी ने एकमत से कहा कि उच्च शिक्षा के प्राध्यापक को पठन-पाठन के लिए तैयारी के साथ ही रिसर्च भी करना पड़ता है। कई विश्वविद्यालयों में गर्मी की छुट्टियों में परीक्षा कार्य एवं मूल्यांकन कार्य के लिए प्राध्यापकों को कार्य करने के लिए विवश किया जाता है, यह बिल्कुल गलत है। एक तरफ केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक सप्ताह में पांच दिनों का कार्य करते हैं जबकि राज्य के विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों को सप्ताह में छह दिनों तक कार्य करना पड़ता है। इन विसंगतियों को दूर कर एकरूपता लाने की आवश्यकता है। बैठक में सर्वसम्मति से उच्च शिक्षा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में ग्रीष्मावकाश को कम करने का पुरजोर विरोध करते हुए एबीआरएसएम का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिलकर इसके निराकरण की मांग करेगा। साथ ही प्रोन्नति की विसंगतियों को समाप्त करने, पीएचडी इन्क्रीमेंट का लाभ देने की मांग करेगा। बैठक में डॉ प्रीतम कुमार, डॉ ब्रजेश कुमार, डॉ सुनीता कुमारी गुप्ता, डॉ राजकुमार चौबे, डॉ अजय कुमार सिन्हा, डॉ अंजनी शर्मा सहित कुल 32 प्राध्यापक मौजूद थे।

मेरठ में जिलाधिकारी और एसएसपी ने किया मतगणना का निरीक्षण

मेरठ, (हि.स.)। जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने शनिवार को परतापुर कताई मिल में चल रही नगर निगम चुनाव की मतगणना का निरीक्षण किया। उन्होंने निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्वक मतगणना कराने के निर्देश दिए। मेरठ नगर निगम चुनाव की मतगणना का कार्य परतापुर स्थित कताई मिल परिसर में चल रहा है। नगर निगम का चुनाव ईवीएम के जरिए हुआ है। जबकि नगर पालिका परिषद ओर नगर पंचायतों के चुनाव में बैलेट पेपर का प्रयोग किया गया। नगर पालिका और नगर पंचायतों की मतगणना का कार्य संबंधित तहसीलों में किया जा रहा है। शनिवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने कताई मील स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही मतगणना सुरक्षा व्यवस्था में तैनात अधिकारियों और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई का उद्देश्य समस्याओं का आन द स्पॉट समाधान : रामेश्वर उरांव

लोहरदगा, (हि.स.)। कुडू प्रखंड परिसर के सभागार में शनिवार को स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव की निगरानी में जनसुनवाई हुई। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने लिखित रूप से अपनी समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा तथा समाधान की मांग की। मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजनों है सीधा संवाद तथा जनता की समस्याओं का आन द स्पॉट समाधान करना है। कांग्रेस पार्टी ने तय किया है कि पार्टी के मंत्री तथा विधायक प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक जनसुनवाई करेंगे। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान होगा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। जनसुनवाई कार्यक्रम में पीसीसी सड़क निर्माण, सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करने, भूमि विवाद से संबंधित मामले, नया ट्रांसफार्मर लगाने, पेयजल की व्यवस्था करने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पेंशन से संबंधित मामले, बैंक से संबंधित मामले, धान खरीदी के बाद किसानों को द्वितीय किस्त का भुगतान नहीं होने तथा पेयजल को लेकर चापानल लगाने से संबंधित मामले आए। लगभग सभी मामलों का समाधान आन द स्पॉट कराया गया। बाल विकास परियोजना कार्यालय ने एक दर्जन ट्राइसाइकिल, मनरेगा के तहत बिरसा मुंडा हरित क्रांति योजना के लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों को बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया।

2046 तक नेट जीरो हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है इंडियन ऑयल : कार्यपालक निदेशक

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने कहा है कि आगे आने वाले दशकों में पारंपरिक ईंधन की मांग बढ़ने की संभावना है। जो इंडियन ऑयल द्वारा रिफाइनरियों में 2.4 लाख करोड़ के निवेश को औचित्य प्रदान करता है। इसमें पेट्रोकेमिकल यूनिटों का विस्तार भी शामिल है। शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति पेट्रोलियम केमिकल की खपत वर्तमान में 12 किलोग्राम है, जो वैश्विक प्रति व्यक्ति खपत 35 किलोग्राम से काफी कम है। यह अंतर एक जबरदस्त व्यापार अवसर का संकेत देता है जो बढ़ते जीडीपी के साथ आगे बढ़ेगा। सतत विकास और हरित भविष्य के निर्माण में नेट जीरो प्रतिबद्धता के साथ हरित विकल्पों पर ध्यान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल 2046 तक नेट जीरो हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिसके लिए हरित ईंधन का उत्पादन बढ़ाने, निम्न कार्बन ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने, ऊर्जा दक्षता में वृद्धि, ताजे पानी के पदचिन्हों को कम करने, हरित ऊर्जा के उपयोग को अधिकतम करने, हरित कवर का विस्तार करने, जैव-विविधता की रक्षा करने, कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करने इत्यादि पर व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहे हैं। बरौनी रिफाइनरी सतत विकास की दिशा में नेट जीरो 2046 लक्ष्य की ओर सार्थक कदम बढ़ा रही है। इसके लिए सभी पर्यावरणीय मानकों का पालन किया जा रहा है। ग्रीन बेल्ट और बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। 445 एकड़ जमीन पर एक लाख 65 हजार पेड़ मुंगेर में लगाए गए और बेगूसराय में भी पेड़ लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा रिफाइनरी में नैचुरल गैस के उपयोग, सोलर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, ग्रिड पावर, इत्यादि पर भी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बरौनी रिफाइनरी ने 58 वर्षों में 2018-19 में 6661.2 टीएमटी के पिछला सर्वश्रेष्ठ को पार करते हुए 2022-23 में अब तक का सर्वाधिक क्रूड थ्रुपुट 6785.4 टीएमटी हासिल किया। इसके साथ ही अब तक का सबसे कम फ्युल एवं लॉस, एमबीएन और एनर्जि एफिसिएनसी इंडेक्स (ईआईआई) भी हासिल किया।

जिससे रिफाइनरी की ऊर्जा दक्षता का पता चलता है। इसके अलावा परिचालन उपलब्धता फाक्टर, ओवेरऑल थर्मल एफिसिएनसी, पावर प्लांट में ईंधन की खपत एवं विशिष्ट जल खपत के पैरामीटर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन दिया। बीआर ने पेट्रोल एवं इथेनोल मिश्रित पेट्रोल, रिफॉर्मेट, हवाई ईंधन, डीजल, अलकतरा, लो सल्फर हैवी स्टॉक (एलएसएचएस), पेट्रोलियम कोक और सल्फर का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन एवं प्रेषण किया। प्रमुख माध्यमिक इकाइयों डीएचडीटी, इंडजेट, प्राइमजी (नया पुराना), कोकर-ए और बिटुरॉक्स का अब तक का उच्चतम थ्रूपुट भी हासिल किया। बीआर ने वर्ष के दौरान अब तक के सर्वाधिक 11 विभिन्न प्रकार के नए क्रूड को प्रोसेस किया। जिससे बीआर क्रूड बास्केट में विविधता लाने की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। इसके साथ ही मेक इन इंडिया पहल के माध्यम से आत्मानिर्भर भारत के निर्माण में इंडियन ऑयल और ईआईएल द्वारा निर्मित स्वदेशी तकनीक पर आधारित इंडजेट यूनिट को कमीशन किया गया । भारत का पहला और विश्व का तीसरा ग्रीन कूलिंग टॉवर स्थापित किया गया। एसिड गैस और सावर गैस के प्रसंस्करण के लिए एसआरयू के एमसीसी में स्थापित न्यू स्प्लिट फ्लो कॉन्फिगरेशन शामिल था। जिससे 28 करोड़ प्रति वर्ष के बराबर 44 सौ एसआरएफटी की बचत हुई। इसके साथ ही डीजल एक्सॉस्ट फ्लुइड (डीईएफ) संयंत्र जो दो हजार सीसी से अधिक क्षमता वाले सभी भारी डीजल वाहनों में अनुमेय सीमा से नीचे निकास गैसों में एनओएक्स उत्सर्जन को कम करने के लिए एससीआर प्रणाली की आवश्यकता को पूरा करता है। उन्होने कहा कि बरौनी रिफाइनरी के क्षितिज को पूरी तरह से बदलने वाली बीआर-9 विस्तारिकरण परियोजना गतिशीलता से आगे बढ़ रही है और दिसम्बर 2024 तक इसके पूरी होने की योजना है। 220 केवी ग्रिड पावर और नैचुरल गैस परियोजना पर भी कार्य प्रगति पर है। इसे अगले दो-तीन महीनो में कमीशन किया जाएगा।

कर्नाटक में जीत के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जश्न

रांची, (हि.स.)। कांग्रेस के झारखंड प्रदेश कार्यालय में कर्नाटक चुनाव में जीत के बाद जश्न का माहौल है। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। साथ ही जमकर पटाखे फोड़े। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नेता और कार्यकर्ता नाच रहे थे। इस दौरान पार्टी कार्यालय में कुछ कार्यकर्ता बजरंगबली का मुखौटा और गदा भी लिए हुए थे। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा के बड़बोलेपन के कारण भाजपा का हाल आने वाले दिनों में और बुरा होने वाला है। यह कर्नाटक की जनता की जीत है। यह परिणाम आनेवाले चुनाव के लिए सुखद संदेश है। अन्य राज्यों में होने वाले चुनाव में कांग्रेस परचम लहरायेगी। पार्टी विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि भाजपा के हर हथकंडों को हमलोगों ने तार-तार कर दिया है।

भाजपा ने जाति-धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करने की जो साजिश रची थी वह सब कुछ धरा रह गया। क्योंकि, जनता अब इनके छलावे में नहीं आने वाली। आने वाले दिनों में अन्य राज्यों के चुनाव में भी यही परिणाम देखने को मिलेगा। इस दौरान रमा खलखो, सुंदरी तिर्की, राजीव रंजन प्रसाद सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम की अध्यक्षता में कौशल विकास केंद्र एवं श्रम विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

किशनगंज, (हि.स.)। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शनिवार को कौशल विकास केंद्र एवं श्रम विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में डीआरसीसी द्वारा संचालित योजना कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) सहित दूसरी योजनाओं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (बीएससीसी) और मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना (एसएचए) के प्रगति एवं इसके प्रचार प्रसार पर भी व्यापक चर्चा किया है। साथ ही, श्रम विभाग से बिहार शताब्दी योजना एवं बिहार राज्य प्रवासी योजना से संबंधित समीक्षा की गई। निर्माण मजदूरों के हित में मनरेगा से समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक मजदूरों को निबंधित करने हेतु कार्य करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में डीएम ने बाल श्रम से संबंधित प्रतिवेदन भी आगामी बैठक में शामिल करने का भी निर्देश दिया।बैठक में जिला कौशल प्रबंधक, जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के प्रबंधक, जिला नियोजन पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, जिला योजना पदाधिकारी सहित जिले के सभी केवाईपी केंद संचालक एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह के आधार पर सैकड़ों मामलों का हुआ निष्पादन

अररिया (हि.स.)। अररिया सिविल कोर्ट परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया। अररिया जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह, डीडीसी मनोज कुमार,एसपी अशोक कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय लोक आदलत का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के दिशा निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से आयोजित लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक मामले, बैंक ऋण वसूली, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, जन उपयोगी सेवाएं एल, वैवाहिक विवाद, दीवानी वादों पर आपसी सहमति के आधार पर सुनवाई हो रही है। अलग-अलग मामलों के सुलह के लिए अलग-अलग बैंच स्थापित किए गए हैं, जहां आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निष्पादन किया जा रहा है। मौके पर जिला सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक आदलत में दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति का आधार पर सैकड़ों मामलों का निष्पादन एक दिन ही कर ली जाती है,जिसके कारण अदालतों पर वादों के बोझ कम हो रहे हैं।

साथ ही आर्थिक और समय के नुकसान से भी न्यायप्रेमियों को लाभ मिलता है। यू होने लोगों से वादों के निबटारे के लिए लोक अदालत में अधिक से अधिक निष्पादन के लिए पहल की गुहार लगाई। अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जिस तरह से आप में सहमति के आधार पर मामलों का निष्पादन होता है। वह सामाजिक समरसता को भी बरकरार रखता है। साथ ही अदालतों पर पड़ने वाले बोझ भी कम हो रहे हैं। डीडीसी मनोज कुमार ने लोक मुकदमेबाजों से अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत के उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सुलहनीय वादों के निबटारे के लिए इस तरह का आयोजन का लाभ समाज को काफी मिल रहा है। उन्हें आर्थिक नुकसान और समय की बरबादी में भी निजात मिलता है।

संपादकीय

अब औकात से बढक़र नहीं

हिमाचल हिमाचल को अपने कद के फायदे और नुकसान के भीतर सामंजस्य बनाने की जरूरत को अंगीकार करते हुए शासन, सुशासन व अनुशासन के अलावा राष्ट्रीय संदर्भों में अपनी वकालत करनी होगी, वरना देश की राजनीति हमेशा की तरह नसीबों वाली नहीं होगी। यह हम डबल इंजन सरकारों के मुहावरे में देख चुके हैं, तो राष्ट्रीय नीतियों में पहाड़ की जिल्लत सह चुके हैं। विशाल पंजाब से निकले हरियाणा और आधे हिमाचल की किस्मत का बंटवारा भी अलग-अलग पैमानों पर हुआ और यही वजह है कि आज भी हक की लड़ाई, हमें ही मजबूर बना देती है। जिस पंजाब की राजस्थान से समझौते की वजह पंजाबियत रही, वही पौंग बांध समझौतेकी जद में आकर हिमाचल उदास है। श्री गंगानगर की जमीनों को नहरी अव्वल बनाने वाले हिमाचल के हिस्से का संताप आज भी नहीं समझा गया। केंद्र सीधे राजस्थान की रेत पर अपना राजनीतिक घर बनाने के लिए कृत संकल्प है, लेकिन जिस जमीन को हिमाचल की आहुतियों ने हराभरा बनाया, उसके लिए भी उपेक्षा हमारी हो रही। वाटर सेस के मसले पर जैसे हिमाचल ने पड़ोसी राज्य पंजाब और हरियाणा को अशांत कर दिया हो, जबकि असलियत यह है कि इन दोनों राज्यों की खुशहाली में हिमाचल के प्राकृतिक संसाधन, सामाजिक शांति और प्रदेश की सौहार्दपूर्ण उदारता सदैव सहयोगी रही है। पंजाब व जम्मू-कश्मीर की हर अशांति ने हिमाचल की भी परीक्षाएं ली हैं और यही इस समय भी राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर प्रदेश को अग्रिम मोर्चे पर लगा देती हैं। ऐसे में कब तक हिमाचल छोटा बनकर अपने बड़े संकल्प निर्धारित कर सकता है। एक बार नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार के आग्रह पर बिजली उत्पादन पर मुफ्त की बिजली का रायलटी फार्मूला माना था, तो दूसरी बार औद्योगिक पैकेज के तहत अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने उदारता दिखाई थी। यह छोटे पर्वतीय प्रदेश के कद की ही पड़ताल नहीं, बल्कि आसपास व पूर्वोत्तर राज्यों की अशांति के सामने हमारी शांति के खिलाफ केंद्र का सियासी नजरिया रहा है। अतीत के उन्हीं अनुभवों से सीखते हुए हिमाचल को अपनी स्वतंत्र और आत्मनिर्भरता की ओर प्रदत्त आर्थिक नीति की ओर अग्रसर होना होगा। अगर राष्ट्र अब तक हिमाचल को इसके कद के अनुरूप आंक रहा है, तो राज्य को भी अपने पैमाने तय करके निर्णायक होना होगा। यानी इतने छोटे से राज्य के लिए कितना सार्थक ढांचा चाहिए और अब सवाल कार्यशीलता व ढांचागत प्रासंगिकता का है। कई दशकों से हिमाचल की सरकारों ने ऐसे दबाव खुद पर रख लिए हैं, जो राज्य के कद या हैसियत से ऊपर हैं। मसलन आठ चिकित्सा संस्थानों से अब अगर लगभग साढ़े आठ सौ डाक्टर भी हर साल निकलेंगे, तो इन्हें हिमाचल की औकात से कैसे भविष्य की आशा में बदल सकते हैं। इसी तरह हर कालेज को स्नातकोत्तर बनाकर हिमाचल ने यह साबित कर दिया है कि यह सब डिग्रियों का खेल तमाशा है। औकात से आगे इंजीनियर व एमबीए पैदा करके हिमाचल शिक्षा का ऐसा उत्पादक हो सकता है जो किसी भी बच्चे को डिग्रीधारक बना सकता है, लेकिन डर यह है कि राष्ट्र के सामने ऐसी उपलब्धियां शर्मिंदा होकर खुद को कोस रही होती हैं। आश्चर्य यह कि कोई भी सरकार न आर्थिक और न ही प्रशासनिक सुधारों के प्रति जवाबदेह बन रही है, नतीजतन सियासी फैसलों की कीमत चुकाते-चुकाते राज्य न तो अपने छोटे कद का फायदा उठाकर सुशासन को प्रतिबिंबित कर पा रहा है और न ही वित्तीय फांस से बाहर निकल पा रहा है। बेशक हम प्रगतिशील हैं और निजी रूप से साधन संपन्न नागरिक भी हैं, लेकिन यही तरक्की सरकारी खजाने को लावारिस बना रही है। क्या प्रदेश की इतनी हैसियत है कि टैक्स फ्री बजट बना कर सदा-सदा जनता को मुफ्तखोरी की आदत में पाल पाएगा। क्या घाटे के बस डिपो की संख्या बढ़ा कर हिमाचल परिवहन व्यवस्था सुधार पाया। हमारे पास ज्यादा से ज्यादा कमाऊ बस स्टैंड होने चाहिएं, लेकिन हम इनके बजाय नए बस डिपो खोलकर बसों पर पेंट करते रह गए। कद से ज्यादा कर्मचारी-अधिकारी संख्या दिखाकर भी अधिकांश संस्थान अगर खाली पदों पर चल रहे हैं, तो कार्यालयों की तादाद बढ़ा कर मिला क्या। आठ चिकित्सा संस्थानों ने कितने सामान्य अस्पतालों और स्वास्थ्य प्राथमिकताओं का बेड़ा गर्क किया, यह कब सोचेंगे। सरकारें आती जाती रहेंगी और नित नए बोर्ड लगाकर अपने इरादों की खिदमत करती रहेंगी, लेकिन हिमाचल कब सीखेगा कि उसे चादर देखकर पांव पसारने होंगे।

> aश्री गंगानगर की जमीनों को नहरी अव्वल बनाने वाले हिमाचल के हिस्से का संताप आज भी नहीं समझा गया। केंद्र सीधे राजस्थान की रेत पर अपना राजनीतकि घर बनाने के लिए कृत संकल्प है, लेकिन जिस जमीन को हिमाचल की आहुतियों ने हराभरा बनाया, उसके लिए भी उपेक्षा हमारी हो रही। वाटर सेस के मसले पर जैसे हिमाचल ने पड़ोसी राज्य पंजाब और हरियाणा को अशांत कर दिया हो, जबकि असलितय यह है कि इन दोनों राज्यों की खुशहाली में हिमाचल के प्राकृतकि संसाधन, सामाजिक शांतिऔर प्रदेश की सौहार्दपूर्ण उदारता सदैव सहयोगी रही है।

कुछ अलग

दो संवैधानिक फैसले

सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने दो बेहद महत्वपूर्ण और संवैधानिक फैसले सुनाए हैं। एक यह है कि दिल्ली का 'बॉस' कौन है और प्रशासनिक सेवाएं किसके नियंत्रण में होंगी? दूसरा फैसला यह है कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की सरकार ही जारी रहेगी। उद्धव ठाकरे को राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि उन्होंने सदन में बहुमत परीक्षण से पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। संविधान पीठ उनके इस्तीफे को रद्द नहीं कर सकती। संविधान पीठ ने दोनों फैसलों के संदर्भ में संविधान, लोकतंत्र, संघवाद, उपराज्यपाल या गवर्नर के जरिए केंद्र सरकार के अनावश्यक दखल और केंद्र की व्यापक शक्तियों के दुरुपयोग आदि पहलुओं की बार-बार व्याख्या की है। बेशक दिल्ली अद्र्धराज्य और संघशासित क्षेत्र है, लेकिन 1991 के कानून के बाद यहां विधानसभा है और जनता के द्वारा चुनी हुई सरकार भी है। बेशक पूर्ण राज्य नहीं है, फिर भी दिल्ली को कानून बनाने का अधिकार है। यह व्याख्या प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की है। संविधान पीठ ने सर्वसम्मत फैसला दिया है कि दिल्ली में उपराज्यपाल (एलजी) ही सर्वेसर्वा नहीं है। वह दिल्ली सरकार के फैसलों को मानने और कैबिनेट की सलाह के अनुसार काम करने को बाध्य हैं। एलजी की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देतीं। चूंकि निर्वाचित सरकार अपने क्षेत्र के लोगों के प्रति जवाबदेह होती है और उसे जनता की मांगों का भी ध्यान रखना होता है, लिहाजा उसके नियंत्रण में प्रशासनिक ढांचा होना चाहिए। फैसला दिया गया है कि अधिकारियों की नियुक्ति और तबादलों का अधिकार केजरीवाल सरकार को होगा। बेशक अफसरों का काडर बुनियादी तौर पर भारत सरकार के अधीन होता है, लेकिन राज्य सरकारें उनकी तैनाती और तबादले का फैसला ले सकती हैं। केंद्र एलजी के जरिए राज्य के अधिकारों को टेकओवर न करे। केंद्र सभी विधायी शक्तियां रख लेगा, तो संघीय ढांचा ही खत्म हो जाएगा। यह टिप्पणी भी प्रधान न्यायाधीश ने की, जो संविधान पीठ का नेतृत्व कर रहे थे। बीते 9 साल से अधिक समय से दिल्ली की केजरीवाल सरकार और एलजी के बीच रायता फैला हुआ था। प्रशासनिक संबंधों में भी खुन्नस थी। आम आदमी पार्टी के विधायकों और नेताओं ने एलजी के प्रति अपशब्दों का भी प्रयोग किया। चूंकि दिल्ली में प्रचंड जनादेश 'आप' को मिल रहा है और भाजपा मु_ी भर विधायकों के साथ सदन में मौजूद है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर यह रणनीति तय की गई हो कि केजरीवाल सरकार को काम नहीं करने देना। अब संविधान पीठ के फैसले के बाद भाजपा को अपनी रणनीति और एजेंडे पर पुनर्विचार करना चाहिए। अभी तक असमंजस के सवाल थे कि दिल्ली कौन चलाएगा? दिल्ली का 'कार्यकारी प्रमुख' कौन है? दिल्ली अद्र्धराज्य से जुड़े फैसले कौन लेगा? नौकरशाही पर नियंत्रण किसका होगा? केंद्र सरकार कहां तक दखल दे सकती है? अब संविधान पीठ ने स्पष्ट व्याख्या कर दी है कि पुलिस, भूमि, जन-व्यवस्था के मुद्दे एलजी के जरिए भारत सरकार के अधीन होंगे। शेष फैसले निर्वाचित केजरीवाल सरकार लेगी। दूसरा फैसला महाराष्ट्र को लेकर किया गया है। मौजूदा भाजपा-शिवसेना की सरकार जारी रहेगी। अलबत्ता संविधान पीठ ने तत्कालीन राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के फैसलों पर सवाल उठाए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के और भी कई आरोप हैं और वह 100 से भी अधिक मुकदमों का सामना कर रहे है

जब किस्मत में ही बुरा हश्र लिखवा कर लाये हैं पाक हुक्मरान, तो क्या करेंगे इमरान खान ?

ललित गर्ग

> पाकिस्तान एवं उनके नेता एक के बाद एक बुरे कुकर्म करते हुए सोतचे रहे हैं कि इसका फल तो हमें नहीं भोगना होगा, यह उनकी गतलफहमी है। बुरे कर्म का फल कभी भी अच्छा नहीं होता। इमरान को हिरातस में लेने की घटना अप्रत्यातिश नहीं है, क्योंकि इसकी आशंका तो वह खुद लंबे समय से तजाते आ रहे थे, मगर गिरफ्तारी के वक्त उनके साथ जिस तरह का सुलूक हुआ, वह भी अदातल-परिसर में, वह लोतकंत्र होने का दावा करने वाले किसी मुल्क के लिए शर्मनाक बात है। एक तरफ पाकिस्तान आर्थकि बदहाली से जूझ रहा है तो दूसरी तरफ राजनीतकि संकट और गहराता जा रहा है। इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के एक साल बाद भी राजनीतकि अस्थिरता बनी हुई है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी ने पाकिस्तान में लोकतंत्र होने के कई भ्रम भले ही तोड़े हैं, लेकिन यह पूर्व संभावित घटना है। वहां के सियासतदानों ने सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती की दृष्टि से हमेशा निराश ही किया है। वहां के शीर्ष नेतृत्व ने मूल्यहीन सोच से शासन किया और वह एक परम्परा-सी हो गयी है। आतंकियों की हिमायत, शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार और बदले की राजनीतिक भावना ने पाकिस्तान को ऐसी अंधी खोह में धकेल दिया है, जहां से निकलना उसके लिए बेहद कठिन है। इमरान खान ही नहीं, वहां प्रधानमंत्रियों व राष्ट्रपतियों की एक लंबी फेहरिश्त है, जिन्हें अदालतों ने भ्रष्टाचार व बदनीयती के मामलों में सजाएं सुनाई हैं। इमरान के समर्थक भले ही अपने नेता की गिरफ्तारी को बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता रहे हैं और उनके विरोध प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान में कोहराम के जो हालात बने हैं, वे हालात जैसी करनी वैसी भरनी की भावना की निष्पत्ति है। पाकिस्तान एवं उनके नेता एक के बाद एक बुरे कुकर्म करते हुए सोचते रहे हैं कि इसका फल तो हमें नहीं भोगना होगा, यह उनकी गलतफहमी है। बुरे कर्म का फल कभी भी अच्छा नहीं होता। इमरान को हिरासत में लेने की घटना अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि इसकी आशंका तो वह खुद लंबे समय से जताते आ रहे थे, मगर गिरफ्तारी के वक्त उनके साथ जिस तरह का सुलूक हुआ, वह भी अदालत-परिसर में, वह लोकतंत्र होने का दावा करने वाले किसी मुल्क के लिए शर्मनाक बात है। एक तरफ पाकिस्तान आर्थिक बदहाली से जूझ रहा है तो दूसरी तरफ राजनीतिक संकट और गहराता जा रहा है। इमरान खान को सत्ता से बेदखल करने के एक साल बाद भी राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। इमरान ने अपनी सरकार को गिराए जाने को हमेशा से एक साजिश करार दिया है और कभी भी इस फैसले को स्वीकार नहीं किया था। इमरान खान जल्दी चुनाव की मांग कर रहे हैं, लेकिन सत्ताधारी गठबंधन जल्द चुनाव के लिए किसी हालत में तैयार नहीं है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि सरकार ने इमरान को गिरफ्तार करने का फैसला क्यों किया और इसके बाद पाकिस्तान के हालात किस तरह बेहतर हो पायेंगे? इमरान की गिरफ्तारी का नतीजा क्या होगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिर भी पाक हुक्मरानों को यह समझना ही चाहिए कि बबूल का पेड़ बोने वालों को आम का स्वाद सपने में भी नसीब नहीं हो सकता।

वर्तमान पाकिस्तानी नेतृत्व का यह निर्णय निश्चित ही उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक है। इमरान ने ही पाकिस्तान के हालात बदतर किये हैं, वे भ्रष्टाचार के नये दलदल में धंसे, भले ही वे एक दौर में अपने मुल्क के सबसे बड़े खेल के 'आइकन' रहे हों और भले ही उन्होंने दुनिया भर में प्रतिष्ठा अर्जित की हो। इमरान वहां अदालती प्रक्रिया का सम्मान करने ही गए थे। बहरहाल, पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें जिस अल-कादिर ट्रस्ट मामले में हिरासत में लिया है, उसकी वैधानिकता पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट को फैसला करना है, पर आरोप है कि एक यूनिवर्सिटी खोलने के लिए गठित इस ट्रस्ट को गलत तरीके से भूमि दी गई और इमरान खान ने इसकी खातिर अपने पद का दुरुपयोग किया। अल-कादिर ट्रस्ट के दो ही ट्रस्टी हैं- खुद इमरान और उनकी बीवी! पूर्व प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के और भी कई आरोप हैं और वह 100 से भी अधिक मुकदमों का सामना कर रहे है। इसलिये इमरान की गिरफ्तारी पर शायद ही किसी को अचरज हो। सत्ता पाने के लिए सेना का सहारा लेने और बाद में इसी सेना के जरिए सत्ता से बेदखली के उदाहरण पाकिस्तान में नए नहीं हैं। साथ ही यह कोई पहली बार भी नहीं कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर रहे किसी नेता की सत्ता से बेदखली के बाद गिरफ्तारी की नौबत आई हो। पाकिस्तान का सियासी इतिहास देखें तो कमोबेश सभी शासन प्रमुखों का कार्यकाल किसी न किसी विवाद से जुड़ा रहा है। जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर यूसुफ रजा गिलानी, बेनजीर भुट्टो और नवाज शरीफ तक प्रधानमंत्री की कुर्सी से हटने के बाद जेल यात्रा कर चुके हैं। यह कैसी राजनीतिक व्यवस्था है? यह कैसा लोकतंत्र है? इतना स्पष्ट है कि पाकिस्तानी हुक्मरान सेना की कठपुतली मात्र ही बने हुए हैं। आर्थिक तंगी, बेरोजगारी, महंगाई का सामना कर रहे पाकिस्तान में लोकतंत्र का तो महज मुखौटा ही होता है। वह भी इसलिए ताकि इसी लोकतंत्र की दुहाई देकर वह विश्व समुदाय से तमाम तरह की आर्थिक व सैन्य मदद हासिल करता रहे। दुनिया इसे बखूबी जानती है कि आतंककारियों को आश्रय देने व आतंक का पोषण करने में पाकिस्तान सबसे आगे रहा है। यह सब भी सत्ता को अपने इशारे पर नचाने वाली सेना की सहमति के बिना संभव नहीं है। इसीलिए जब भी कोई नेता सेना के खिलाफ होता है तो उसका जेल जाना तय हो जाता है। इमरान खान, पाकिस्तान की सेना और वहां की खुफिया एजेंसी पर जिस तरह से सवाल उठा रहे थे तब से ही सेना के लिए आंख की किरकिरी बने हुए थे। पिछले दिनों ही इमरान खान ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के एक अधिकारी उनकी हत्या कराने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से भी इमरान को फटकार लगाई गई थी। सत्ता से बेदखल होने के बाद भी इमरान ने कानूनी व राजनीतिक लड़ाई को अराजक भीड़ की बदौलत जीतने का दुस्साहस किया। मगर उनकी राह अब आसान नहीं है। इमरान के खिलाफ इतने सारे मुकदमे हैं कि सत्तारुढ़ गठजोड़ उन्हें शायद ही कोई मोहलत दें। लेकिन इन सबका खामियाजा पाकिस्तानी जनता को भुगतना पड़ रहा है। एक ऐसे दौर में, जब आम पाकिस्तानी गरीबी, चरम महंगाई से कराह रहा है, वहां का सियासी निजाम उनके लिए राहत जुटाने के बजाय उनका ध्यान बंटाने वाला राजनीतिक प्रहसन रचने में जुटा है। एक और बड़ी विडम्बना तो पाकिस्तान की हमेशा से यही रही है कि अन्दरूनी संकटों का समाधान करने की बजाय वह हमेशा कश्मीर का राग अलापती रही है। आम लोगों के संकटों एवं अभावों को दूर करने की बजाय उसका ध्यान कश्मीर पर ही लगा रहता है। आज उसकी दुर्दशा का कारण भी यही है। इमरान का भी कश्मीर राग अलापना भी उनकी विवशता थी। कश्मीर का राग भले ही वहां की सरकारों की विवशता हो, ऐसा ना करना पाकिस्तान का गद्दार करार दिया जाता हो, लेकिन इससे पाकिस्तान के न केवल राजनीतिक बल्कि जनजीवन के हालात भी संकटपूर्ण होते गये हैं। पाकिस्तान अनेक संकटों से घिरा है। वैसे भी पाकिस्तान में अगले साल आम चुनाव होने हैं। शाहबाज को सत्ता भले मिल गई हो और इमरान को गिरफ्तार करना उनकी राजनीतिक अपेक्षा हो। पर उनके सामने भी वही बड़ी मुश्किलें और चुनौतियां हैं जो पाकिस्तान में हर प्रधानमंत्री को विरासत में मिलती रही हैं, बल्कि इस बार वे ज्यादा उग्र हैं।

विवादित होने में ही फिल्म की सफलता

> देश बंटवारा, धार्मकि, राजनैतकि घटनाओं, जातीय संघर्षों, अनैतकि सम्बन्धों, आंदोलनों, युद्धों, दंगों, सैनिकों, बादशाहों, खिलाडिय़ों तथा राजनीतज्ञिों के जीवन पर अनेकों फिल्मों का निर्माण हो चुका है।फिल्मों तथा विवादों का भी चोली-दामन का साथ हो चुका है। फिल्मों के निर्माण में करोड़ों की धनराशि खर्च होती है। फिल्म उद्योग में बड़ी फिल्मों के निर्माण में काले धन के प्रयोग पर भी आतमौर पर चर्चा होती रतही है। पूर्व में अन्तर्राष्ट्रीय गिरोहों, अंडरवल्ड तथा आतंकी संगठनों की भी प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका की चर्चा रही है। कुल मिलाकर फिल्म उद्योग कला, संस्कृता, तकनीक तथा देश-दुनिया के साथ औद्योगिक, राजनैतकि, खेल जतग के बड़े-बड़े घरानों का ऐसा संगम है जहां पर नेम-फेम के साथ चमक-दमक, धन-दौतल, आकर्षण सब कुछ उपलब्ध है। वर्तमान में सिनेमा कलात्मतका, प्रतभा एवं योग्तया, गीत-संगीत, तकनीक, अभिनय योग्तयाओं एवं सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के धन दौतल, नेम-फेम, सुर-सुरा तथा सुंदरी का अद्भुत तथा आकर्षक मेल है।

फिल्म देखते हुए कभी हमारी धडक़नें तेज होने लगती, कभी करुण भाव आता, कभी गुदगुदी, कभी नफरत, कभी आक्रोश, कभी प्यार। हम ऐसा महसूस करते कि फिल्म में अभिनेता नहीं बल्कि ये तो मैं ही हूं, ये तो मेरी कहानी है। फिल्म की कहानी के साथ हम इतना विस्मृत हो जाते कि बैठे-बैठे तीन घण्टे कैसे व्यतीत हो गये हमें पता ही न चलता। फिल्म की कहानी के दृश्यों के साथ शीतल पेय गटकते, पॉपकॉर्न, नमकीन, भूने हुए चने चबाने की गति भी कभी कम तथा कभी तेज होती जाती। दोस्तों, परिवार के सदस्यों तथा सगे संबंधियों के साथ बिना चिंता तथा परेशानी से समय कब बीत जाता पता ही नहीं चलता। अब फिल्मी कहानियां हास-परिहास तथा प्यार प्रेम, दुर्घटनाओं तथा त्रासदी पर ही आधारित न रहकर सामाजिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक घटनाओं तथा व्यक्तियों पर भी बनने लगी हैं। देश बंटवारा, धार्मिक, राजनैतिक घटनाओं, जातीय संघर्षों, अनैतिक सम्बन्धों, आंदोलनों, युद्धों, दंगों, सैनिकों, बादशाहों, खिलाडियों तथा राजनीतिज्ञों के जीवन पर अनेकों फिल्मों का निर्माण हो चुका है। फिल्मों तथा विवादों का भी चोली-दामन का साथ हो चुका है। फिल्मों के निर्माण में करोड़ों की धनराशि खर्च होती है। फिल्म उद्योग में बड़ी फिल्मों के निर्माण में काले धन के प्रयोग पर भी आमतौर पर चर्चा होती रहती है। पूर्व में अन्तर्राष्ट्रीय गिरोहों, अंडरवल्ड तथा आतंकी संगठनों की भी प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका की चर्चा रही है। कुल मिलाकर फिल्म उद्योग कला, संस्कृति, तकनीक तथा देश-दुनिया के साथ औद्योगिक, राजनैतिक, खेल जगत के बड़े-बड़े घरानों का ऐसा संगम है जहां पर नेम-फेम के साथ चमक-दमक, धन-दौलत, आकर्षण सब कुछ उपलब्ध है। वर्तमान में सिनेमा कलात्मकता, प्रतिभा एवं योग्यता, गीत-संगीत, तकनीक, अभिनय योग्यताओं एवं सृजनात्मक अभिव्यक्तियों के धन दौलत, नेम-फेम, सुर-सुरा तथा सुंदरी का अद्भुत तथा आकर्षक मेल है। आधुनिक फिल्म निर्माण कलात्मक अभिव्यक्ति तथा योग्यता से अधिक कहीं राजनैतिक तथा आर्थिक व्यवस्था पर अधिक आधारित है। बॉक्स ऑफिस में एक दिन, एक सप्ताह तथा एक महीने में कितना व्यवसाय किया है इससे फिल्म की सफलता निश्चित होती है। अब तो फिल्मों के निर्माण में राजनैतिक दलों, केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों का भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग तथा समर्थन रहता है। कभी सरकारों द्वारा फिल्मों के प्रदर्शन पर बैन लगा दिया जाता है और कभी प्रमोशन के लिए टैक्स माफ कर दिया जाता है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने प्रत्येक नागरिक को ऐसी स्वतन्त्रता प्रदान की है कि कोई भी व्यक्ति कहीं भी, किसी विषय पर, कभी भी अपनी भड़ास निकाल सकता है। उद्योगपति, राजनीतिज्ञ तथा खेल जगत की हस्तियां भी अब फिल्मों में हाथ आजमाने लगी हैं। कोई न कोई आकर्षण तो है ही फिल्म उद्योग में। वर्तमान में फिल्म की कहानी, प्रोड्यूसर, निर्देशक, अभिनेता या अभिनेत्री जितना विवादास्पद होगा उतनी ही फिल्म के हिट होने की गारंटी है। फिल्म निर्माण तथा रिलीज से पहले ही फिल्मों पर रोक के लिए धरने-प्रदर्शन, आन्दोलन तथा न्यायालय में स्टे आर्डर के लिए जाना सामान्य बात हो गई है। फिल्म रिलीज होने से पहले उसकी एडवरटाइजमेंट पर बहुत अधिक धनराशि खर्च की जाती है। समाचार पत्रों, सोशल मीडिया तथा इंटरनेट के माध्यम से एक तूफान सा पैदा कर फिल्म को देखने का आकर्षण पैदा कर दिया जाता है। कभी आन्दोलन हो जाते हैं, कभी सिनेमा घर तथा बॉक्स आफिस फूंक दिए जाते हैं। भारतवर्ष के लोग इतने अति संवेदनशील तथा ज्वलनशील हैं कि आक्रोश में छोटी सी बात पर दंगा फसाद, आन्दोलन, आगजनी, धरना प्रदर्शन के लिए किसी भी चिंगारी के संपर्क में आ सकते हैं, फिर नुकसान चाहे देश का हो, भौतिक संसाधनों का हो या फिर जान-माल का हो। आम जनता लड़ती-झगड़ती है। कानून व्यवस्था चरमराती है और फिल्म की कीमत बढ़ती जाती है। लगभग दो दशकों में बहुत सी विवादास्पद फिल्मों का निर्माण हुआ है जिनका उद्देश्य किसी विशेष धर्म, पड़ोसी देश, समुदाय, जाति के लोगों की भावनाओं के साथ राजनैतिक तथा आर्थिक भी होता है। इन विवादित फिल्मों में द ब्लैक फ्राईडे, फायर, कामसूत्र- अ टेल ऑफ लव, बैंडिट क्वीन, सिन्स, फना, वाटर, आरक्षण, निःशब्द, पीके, रंग दे बसंती, उड़ता पंजाब, माय नेम इज खान, मैसेंजर ऑफ गॉड, अनफ्रीडम, गर्म हवा, रामलीला, लाल सिंह चड्ढा, ब्रह्मास्त्र, जोधा अकबर, द डर्टी पिक्चर, पद्मावत, क्वीन, इंदू सरकार, द कश्मीर फाइल्स, द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर आदि मुख्य हैं जो विवादों में रहने के बावजूद हिट रहीं। फिल्मों को हिट करने के लिए फिफल्म निर्माता विवादों को हथकंडे की तरह इस्तेमाल भी करने लगे हैं। कई बार तो जानबूझकर ऐसे अति संवेदनशील विषयों का चुनाव कर लिया जाता है जिनका लोग विरोध करें। माननीय न्यायालयों तथा सेंसर बोर्ड द्वारा विवादास्पद दृश्य को हटाने के बाद फिल्म को रिलीज कर दिया जाता है। तब तक फिल्म को पापुलैरिटी मिल चुकी होती है। यह एक सोचा समझा खेल होता है जिसे मासूम तथा भोली-भाली जनता नहीं समझ पाती। आजकल फिल्म निर्माता विपुल अमरतुल शाह, निर्देशक सुदीप्तो सेन तथा अदाकारा अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' चर्चा में है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद चर्चा है कि केरल में अब तक बत्तीस हजार हिंदू युवतियों को लव जिहाद के चुंगल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बनाया गया। इस फिल्म के रिलीज होने से पहले ही उत्तरप्रदेश तथा मध्यप्रदेश की सरकारें इसे टैक्स फ्री करने का ऐलान कर चुकी हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री बिहार सरकार को इस फिल्म को करमुक्त करने के लिए पत्र लिख चुके हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री इस फिल्म को अपने राज्य में बैन करने का आदेश कर चुकी हैं। देश के प्रधानमंत्री कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इस फिल्म का उल्लेख कर चुके हैं। दूसरी ओर केरल हाईकोर्ट द्वारा फिल्म के रिलीज पर अंतरिम रोक लगाने से मना करने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। क्या विचित्र स्थिति है? फिल्म उद्योग व्यवसाय करता है तथा कला के साथ राजनैतिक खेल हो जाता है, लोग दंगा फसाद, आन्दोलन, धरना प्रदर्शन तथा विवादित चर्चाओं में व्यस्त हो जाते हैं और बुद्धिजीवी वर्ग अवाक देखता रह जाता है।

देश दुनीया से

पायलट-गहलोत के बीच घमासान

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की अनदेखी से राजस्थान में कांग्रेस दोफाड़ होने के कगार पर पहुंच गई है। पार्टी की अनदेखी के कारण प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच मचे घमासान से यह नौबत आई है। पायलट और गहलोत एक-दूसरे के खिलाफ खुल कर सामने आ गए हैं। पायलट इस आरोप को दोहराते रहे हैं कि मुख्यमंत्री गहलोत वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों की जांच नहीं करा रहे हैं। पिछले चुनाव के दौरान खुद गहलोत ने ही वसुंधरा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। पायलट की इस मांग की काट निकालते हुए गहलोत ने इस मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए पायलट के पार्टी छोडने के दौरान किए विद्रोह और इसके लिए विधायकों को करोड़ों रुपयों की रिश्वत का मुद्दा उठा दिया। गहलोत ने कहा कि पायलट के साथ मिलकर उनकी सरकार को गिराने का प्रयास करने वाले विधायकों को केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 10-10 करोड़ रुपए दिए थे। इसी के साथ गहलोत ने एक तीर से दो शिकार करते हुए भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी लपेट लिया। इससे भाजपा के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। गहलोत ने वसुंधरा राजे और वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार गिराने की कवायद में साथ देने से इंकार कर दिया था। इससे आगे एक और दाव चलते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने सचिन पायलट का नाम लिए बगैर कहा कि जिन विधायकों ने उनकी सरकार को गिराने के लिए अमित शाह से रुपए लिए, वे उन्हें वापस लौटा दें।

> पायलट की इस मांग की काट निकालते हुए गहलोत ने इस मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए पायलट के पार्टी छोडऩे के दौरान किए विद्रोह और इसके लिए विधायकों को करोड़ों रुपयों की रिश्वत का मुद्दा उठा दिया। गहलोत ने कहा कि पायलट के साथ मिलकर उनकी सरकार को गिराने का प्रयास करने वाले विधायकों को केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने 10-10 करोड़ रुपए दिए थे। इसी के साथ गहलोत ने एक तीर से दो शिकार करते हुए भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी लपेट लिया। इससे भाजपा के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। गहलोत ने वसुंधरा राजे और वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार गिराने की कवायद में साथ देने से इंकार कर दिया था।

गहलोत यहां तक कह गए कि यदि विधायकों ने 10 करोड़ में से कुछ करोड़ खर्च कर दिए हैं तो इसकी भरपाई वे खुद कर देंगे या अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से करवा देंगे। गहलोत ने पायलट समर्थक विधायकों को चेताया कि शाह का भरोसा नहीं है, यदि रुपए वापस नहीं दिए उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई करवा सकते हैं। पायलट के उठाए मुद्दे को पीछे धकेलने के लिए गहलोत के इस बयान से न सिर्फ कांग्रेस बल्कि भाजपा में भी तूफान आ गया है। भाजपा अब सफाई दे रही है कि वसुंधरा राजे ने ऐसा कुछ नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री राजे भी कह चुकी हैं कि ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं हुआ। भाजपा के केंद्रीय जल संसाधन मंत्री और गहलोत के गृह जिले में उनके बेटे वैभव गहलोत को हरा कर सांसद बने गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस विवाद में सवाल किया कि यदि गहलोत के पास विधायकों को रिश्वत लेने के प्रमाण हैं तो अभी तक कोई कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। गौरतलब है कि गहलोत और शेखावत में भी जोधपुर में हुए संजीवनी क्रेडिट सोसायटी घोटाले को लेकर अर्से से अदावत चल रही है। इस मामले की राजस्थान एसओजी जांच कर रही है। इसमें केंद्रीय मंत्री शेखावत का नाम आरोपियों में शामिल है। मौके-बेमौके गहलोत इस घोटाले का मुद्दा उठाते रहे हैं। चुनावी वर्ष में प्रदेश में उठ रहे राजनीतिक बवंडरों की चपेट में आने से पूर्व मुख्यमंत्री राजे को भी तगड़ा झटका लगा है। लंबे अर्से से पार्टी में वनवास की हालत झेलने के बाद राजे ने केंद्र से अपने संबंधों में जो सुधार की कोशिश की थी, उससे नुकसान होना तय है। बड़ा सवाल देश जोडऩे के लिए यात्रा निकालने वाले राहु

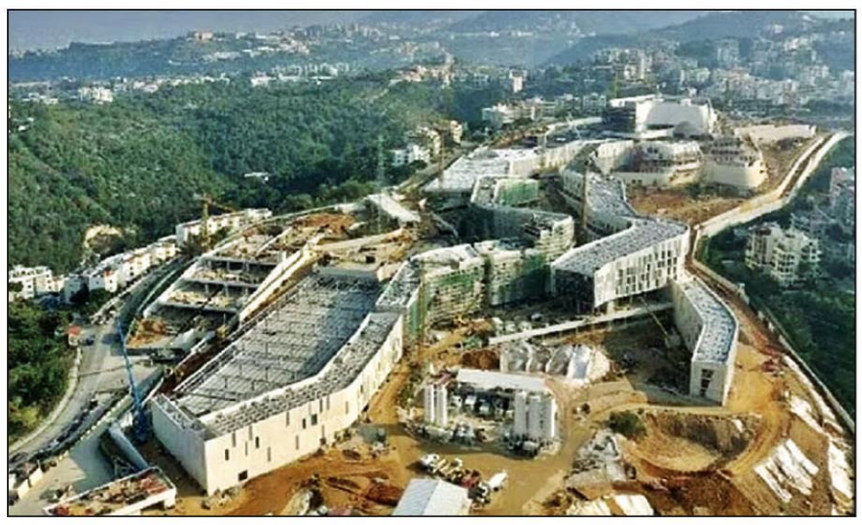

पश्चिम एशिया के एक छोटे से देश में बनाया जा रहा अमेरिका का भव्य दूतावास, आया विवादों में

बेरूत।
लेबनान में निर्माणाधीन नया अमेरिकी दूतावास परिसर अपने विशाल आकार और संपन्नता को लेकर विवाद पैदा कर रहा है। अमेरिका एक ऐसे देश में बड़े आकार के संपन्न दूतावास कर निर्माण कर रहा है जहां की लगभग 80 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे है।

व्हाइट हाउस से ढाई गुना बड़ा – लेबनान में अमेरिकी दूतावास का नया परिसर अपने आप में एक शहर जैसा दिखता है। यह बेरूत के केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर (लगभग 8 मील) की दूरी पर स्थित है। बेरूत के उपनगर अवकार में 43 एकड़ में फैला यह दूतावास परिसर व्हाइट हाउस की जमीन के आकार का लगभग ढाई गुना और 21 से ज्यादा फुटबॉल मैदान के बराबर है।

ट्विटर पर कई लोगों ने उठाए सवाल – ट्विटर पर कई लेबनानी लोगों ने सवाल किया कि अमेरिका को उनकी राजधानी में इतने बड़े दूतावास की जरूरत क्यों है। लेबनान अमेरिकी प्रांत कनेक्टिकट से भी छोटा है और इसकी आबादी सिर्फ 60 लाख है। कुछ अमेरिकी पर्यटक देश में आते हैं क्योंकि विदेश विभाग ने इसे तीसरे उच्चतम यात्रा सलाहकार स्तर पर रखा है, लेकिन इसमें लेबनानी मूल के अमेरिकी निवासियों की अच्छी खासी आबादी है। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट सैंडी ने ट्वीट किया, क्या अमेरिका लेबनान में शिफ्ट हो गया वहीं, एक अन्य यूजर अबेद ए अय्यूब ने नए परिसर की भव्यता का जवाब देते हुए ट्वीट किया, हो सकता है कि आपको उन सभी लंबित वीजा आवेदनों पर काम करने के लिए ज्यादा जगह की आवश्यकता हो। अय्यूब अमेरिकी-अरब विरोधी भेदभाव समिति के राष्ट्रीय कार्यकारी निदेशक हैं। दूतावास द्वारा प्रकाशित कंप्यूटर-जेनरेटेड तस्वीरें एक अति-आधुनिक परिसर दिखाती हैं, जिसमें ऊंची कांच की खिड़कियों वाली बहुमंजिला इमारतें, मनोरंजक क्षेत्र और हरियाली से घिरा एक स्विमिंग पूल और लेबनान की राजधानी के दृश्य दिखाई देते हैं। इस परियोजना की वेबसाइट के अनुसार, परिसर में एक बड़ा न्यायालय, वकालती प्रतिनिधि और कर्मचारियों के आवास, समुदाय और उनके सहयोगियों के लिए सुविधाएं शामिल हैं। कोरोना महामारी से लेकर 2020 के बेरूत विस्फोट तक, लेबनान को कई संकटों का सामना करना पड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में हिंसक झड़पों के बाद सेना में फूट और मार्शल लॉ लगाने पर चर्चा, आर्मी ने जारी किया बयान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के कारण लगभग चार दिनों से चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल के बाद सेना ने देश में मार्शल लॉ लगाए जाने की खबरों का खंडन किया है। बता दें, इमरान के समर्थकों द्वारा सेना के मुख्यालय को भी निशाना बनाया गया था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल को बताया कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि जनरल असीम मुनीर और सेना लोकतंत्र का समर्थन करती है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सेना के बड़े-बड़े अधिकारी भी लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। बता दें, मेजर जनरल चौधरी ने पाकिस्तान में चल रही अराजकता के कारण सेना के अधिकारियों के इस्तीफा देने की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग अराजकता की स्थिती उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इन दुश्मनों के सभी प्रयासों के बावजूद सेना मुनीर के नेतृत्व में एकजुट होकर काम कर रही है। सेना के अंदर अलगाव पैदा करना सपना ही रह जाएगा। उन्होंने कहा कि न तो किसी सेना के अधिकारी ने इस्तीफा दिया है और न ही किसी आदेश की अवहेलना की है। गौरतलब है, यह बयान उस बीच में आया है, जब खान ने सेना की आलोचना की और उनके समर्थकों ने लाहौर में कोर कमांडर के आवास पर हमला कर दिया।

पीएम शेख हसीना बोलीं- बांग्लादेश हिंद महासागर क्षेत्र में शांति के लिए भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध

ढाका । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि हिंद महासागर के तटवर्ती देशों के लचीले भविष्य के लिए उनके बीच सम्मान और आपसी विश्वास की जरूरत है।

ढाका में दो दिवसीय छठे हिंद महासागर सम्मेलन (आईओसी) का उद्घाटन करते हुए हसीना ने कहा कि हिंद महासागर न केवल बांग्लादेश के लिए, बल्कि इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, हम क्षेत्र में शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उम्मीद करते हैं कि अन्य सभी देश भी ऐसा ही करेंगे। हिंद महासागर सम्मेलन के छठवें संस्करण का आयोजन बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित विचारक संस्था (थिंक टैंक) इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर किया जा रहा है। हसीना ने कहा कि एक तटीय देश होने के नाते बांग्लादेश सदियों से समुद्री गतिविधियों का केंद्र रहा है और वह कई क्षेत्रीय मंचों पर सक्रिय है। मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, 25 देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न अन्य क्षेत्रीय समूहों जैसे बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन और साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल हुए। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुख्य भाषण दिया। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश ने अपनी कई चुनौतियों के बावजूद 1.1 मिलियन से अधिक जबरन विस्थापित म्यांमार के नागरिकों को अस्थायी आश्रय प्रदान किया क्योंकि जातीय अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी ने अपनी मातृभूमि में उत्पीड़न से बचने के लिए पड़ोसी देश में शरण ली।

अमेरिका में प्रवासियों की एंट्री पर रोक का टाइटल-42 खत्मः मैक्सिको बॉर्डर पार करने लगी भीड़, सरकार को रोजाना 13 हजार लोग आने का डर

वाशिंगटन । अमेरिका में कोरोना के दौरान प्रवासियों की एंट्री पर प्रतिबंध लगाने वाले टाइटल 42 की सीमा खत्म हो गई है। इसके तहत अमेरिकी सरकार ने कई प्रवासियों को वापस अपने मुल्क भेज दिया था। वहीं, इसके खत्म होने के बाद से अमेरिका-मैक्सिको के बॉर्डर पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक टाइटल 42 खत्म होने के बावजूद बॉर्डर बंद रखे गए हैं। इमिग्रेशन सेंटरों पर प्रवासियों की भीड़ जुट गई है। सरकार को रोजाना 13 हजार प्रवासियों के बॉर्डर पार करने का डर कई प्रवासी रियो ग्रांदे नदी को पार करने की मशक्कत में जुटे हैं। प्रवासी बच्चों को सिर पर लादकर और सामान लिए आगे बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ कंटीली तार पार कर अमेरिका में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। टाइटल 42 खत्म होने के बाद सरकार को डर है कि रोजना 13 हजार लोग बॉर्डर पार करेंगे। यह संख्या पहले के मुकाबले 7 हजार ज्यादा होगी। वहीं टाइटल की समय सीमा खत्म होने से पहले बाइडेन ने बॉर्डर पर 1500 सैनिक तैनात कर दिए। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी कि वो कई महीनों से इस दिन की तैयारी करने में लगे थे।

रूस के इनकार के बाद यूक्रेन ने बखमुत में बढ़त का किया दावा, कहा- दो किमी आगे बढ़ी सेना

कीव।
रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को 15 महीने से ज्यादा समय हो चुका है। इसी बीच यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने बखमुत पर फिर से कब्जा कर लिया है। यह यूक्रेन के पूर्वी शहर में लगातार रूस के आगे बढ़ने के महीनों के बाद एक दुर्लभ बढ़त है। कीव ने कहा कि उसकी सेना एक हफ्ते में दो किमी (1.2 मील) आगे बढ़ गई है। वहीं, रूस ने कहा कि उसके सैनिक एक क्षेत्र में फिर से एकत्रित हो गए हैं। ये दावे बखमुत में एक बदलाव का संकेत देते हैं, लेकिन यूक्रेन के जवाबी हमले का व्यापक रूप से कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है। हालांकि, रूस के कब्जे वाले लुहांस्क शहर में दो विस्फोट की सूचना मिली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरें, शहर से उठते काले धुएं का एक बड़ा गुबार दिखाती हैं, जो पूर्वी यूक्रेन में फ्रंट लाइन के पीछे लगभग 90 किमी (55.9 मील) की दूरी पर स्थित है। हालांकि विस्फोट के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह विस्फोट ब्रिटेन के उस बयान के एक दिन बाद हुए हैं, जिसमें ब्रिटेन ने कहा था कि उसने यूक्रेन को लंबी दूरी की स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति की है। लुहांस्क हिमर्स रॉकेट की पहुंच से बाहर है, जिसपर यूक्रेन पहले से रूसी लक्ष्यों के खिलाफ बड़े हमलों के लिए भरोसा करता आया है। लेकिन इस क्षेत्र में रूस द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने कहा कि उन्हें लगता है कि इस विस्फोट के लिए यूक्रेनी निर्मित मिसाइलें जिम्मेदार थीं, जो दो निष्क्रिय उद्यमों की प्रशासनिक इमारतों पर हमला कर रही थीं। इससे पहले रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि बखमुत क्षेत्र में रूसी सैनिकों ने रणनीतिक कारणों से अपनी स्थिति बदल ली है। इसने कहा कि रूसी सेना के दक्षिणी समूह की इकाइयों ने मलोइलिनिवका क्षेत्र में एक बेहतर रक्षात्मक स्थिति बना ली है।

यह ऐसा मामला है जो बेरखिवका जलाशय की अनुकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखता है। हालांकि, रूस के वैगनर भाड़े के समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने कहा कि रक्षा मंत्रालय जिस बारे में बात कर रहा था, उसे दुर्भाग्य से पलायन कहा जाता है, न कि पुनर्समूहीकरण। जैसा कि दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष जारी ऐसे में बखमुत प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है, लेकिन कई विशेषज्ञ इसके सामरिक महत्व पर सवाल उठाते हैं। टेलीग्राम पर एक पोस्ट में उप रक्षा मंत्री हन्ना मलयार ने दावा किया कि रूस को महत्वपूर्ण सैन्य नुकसान हुआ क्योंकि यूक्रेन ने बिना किसी स्थान को खोए दो किमी की बढ़त हासिल की है। इस बीच रूसी सैन्य ब्लॉगर्स ने कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सैनाओं के आगे बढ़ने की सूचना दी है। द इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने भी यह कहा कि यूक्रेन की सेना ने शायद बखमुत में दो किमी की बढ़त हासिल कर ली है। एक विदेशी मीडिया ने यूक्रेनी-पहचान चिह्नों वाले सैनिकों के एक इमारत के मुख्य दरवाजे और एक टैंक के सामने पोज देने वाले वीडियो का सत्यापन किया है। 11 मई को जारी यह वीडियो बखमुत औद्योगिक कॉलेज के आसपास के क्षेत्र का है, जिसपर हाल ही में वैगनर सैनिकों द्वारा कब्जा किया गया था।

26 वर्षीय युवती ने कराया गर्भपात, तो गुस्से से आगबूबला हुए प्रेमी ने सिर में मारी गोली

वाशिंगटन । अमेरिका के कई राज्यों में महिलाओं और लड़कियों को गर्भपात नहीं कराने की अनुमति है। यह नियम टेक्सास पर भी लागू होते हैं। टेक्सास ने सितंबर 2021 में लगभग छह सप्ताह की गर्भावस्था के बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि बाद में, मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में छूट दे दी गई थी। अब इन्हीं नियमों के चलते एक 26 वर्षीय युवती को अपनी जान से हाथ धोना पड़ गया। दरअसल, युवती के दूसरे राज्य में गर्भपात कराने के बाद उसके प्रेमी ने गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल आरोपी जेल में है। पुलिस के अनुसार, गैब्रिएला गोंजालेज कोलोराडो से वापस आई थीं। उन्होंने वहां अपना गर्भपात कराया था। जब इसकी जानकारी 22 वर्षीय हेरोल्ड थॉम्सन (जो उनके प्रेमी थे) को हुई तो वह तिलमिला गया। पार्किंग स्थल में लगे सीसीटीवी कैमरे से पता चलता है कि आरोपी ने कैमरे से बचाने के लिए कार को थोड़ा आगे बढ़ाया। बाद में, गुस्से में युवती को कार से धकेल दिया और बंदूक बाहर निकाल ली। युवती ने भागने की कोशिश की, तो उसके सिर पर गोली मार दी। आरोपी ने भागने से पहले कई बार गोंजालेज को गोली मारी। थॉम्सन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे अभी डोलास की जेल में रखा गया है। बताया जा रहा है कि युवती की बहन घटनास्थल के पास मौजूद थी। उसने गोली की आवाज सुनी थी।

बलूचिस्तान में एफसी कैंप पर आतंकी हमला, दो जवानों की मौत, दो आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में बलूचिस्तान के मुस्लिम बाग शहर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) कैंप पर एक आतंकवादी हमला हुआ। इसमें दो आतंकवादी और दो सैनिक मारे गए। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी है। सेना की मीडिया विंग ने कहा कि आतंकवादियों के एक समूह ने उत्तरी बलूचिस्तान में मुस्लिम बाग क्षेत्र में एक एफसी शिविर पर हमला किया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में आतंकवादियों को एक इमारत परिसर में घेर लिया गया। यहां सेना और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। पिछले साल नवंबर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ बातचीत टूट गई थी, इसलिए आतंकी संगठन ने अपने हमले तेज कर दिए है, खासकर केपी और अफगानिस्तान की सीमा से लगे इलाकों में पुलिस को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, आतंकवादी समूह देश भर में हमले कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, एक चर्चा में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि टीटीपी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बलूच अलगाववादियों और स्थानीय उग्रवादी समूह अलर्ट है। ये देश में सुरक्षा स्थिति को और खराब कर सकते है।

आतंकवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

रिपोर्ट के अनुसार, 1 अप्रैल को बलूचिस्तान के केच जिले के जलगाई सेक्टर में पाक-ईरान सीमा पर एक आतंकवादी हमले में चार सैनिक मारे गए थे। 10 मार्च को उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया था। 8 मार्च को, उत्तरी वज़ीरिस्तान के दत्ता खेल सामान्य क्षेत्र में एक आईबीओ में सुरक्षा बलों ने छह आतंकवादी मारे गिराए थे।

134 लोगों ने आतंकी हमलों में गंवाई जान

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज इस्लामाबाद स्थित थिंक-टैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2023 जुलाई 2018 के बीच 134 लोगों ने अपनी जान गंवाई। देश भर में कम से कम 44 आतंकवादी हमलों में 254 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान के दौरे पर पहुंचे कतर के प्रधानमंत्री, पश्चिम एशिया की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत

काबुल ।
कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी अफगानिस्तान के दौरे पर पहुंचे। कंधार में कतर के प्रतिनिधिमंडल ने तालिबान के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। कतर के प्रधानमंत्री के अफगानिस्तान दौरे पर के बड़े मायने निकाले जा रहे हैं। बता दें कि साल 2020 में जब अमेरिका, अफगानिस्तान से निकला था, तो दोनों देशों के बीच बातचीत में कतर ने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने पर होगी चर्चा

कतर के प्रधानमंत्री, अफगानिस्तान के प्रधानमंत्री मोहम्मद हसन अखुंद से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात से पहले तालिबान के प्रवक्ता जैबुल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट करते हुए लिखा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात में संबंधों को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच विश्वास को बढ़ाने पर चर्चा होगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्रों में भी अफगानिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

अमेरिका और तालिबान के बीच कराई थी मध्यस्थता

29 फरवरी 2020 को अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस शांति समझौते में कतर ने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। साल 2013 में कतर ने ही पहली बार तालिबान को दोहा में अपना कार्यालय खोलने की इजाजत दी थी। अमेरिका और तालिबान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाकर कतर की पश्चिम एशिया में भूमिका बढ़ी है। विदेश मामलों पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि कतर, पश्चिम एशिया की राजनीति में अपनी ताकत को बढ़ाना चाहता है।

ईरान की दादागिरी से भड़का अमेरिका, अरब क्षेत्र में बढ़ाएगा सैन्य मौजूदगी और निगरानी

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सेना अरब क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी को बढ़ाने पर विचार कर रही है। दरअसल अरब क्षेत्र की समुद्री सीमा में ईरान द्वारा हाल के समय में कई व्यापारिक जहाजों का उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है, जिस पर अमेरिका ने नाराजगी जाहिर की है। अमेरिका ने बयान जारी कर कहा है कि वह क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर अरब क्षेत्र में सैन्य मौजूदगी को बढ़ाएगा।

खाड़ी क्षेत्र में ईरान कर रहा दादागिरी – बता दें कि बीते दो सालों में खाड़ी से गुजरने वाले 15 अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों का या तो उत्पीड़न किया या फिर उन पर हमला किया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बयान जारी कर बताया कि रक्षा विभाग खाड़ी में अपनी रक्षात्मक क्षमता को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसके लिए क्षेत्रीय ताकतों के साथ मिलकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सहयोग और समन्वय बढ़ाया जाएगा। आरोप है कि ईरान ने बीते महीने ईरान की नौसेना ने पनामा के एक व्यापारिक जहाज को जब्त कर लिया था, जिसे लेकर काफी तनाव बढ़ गया था। उससे पहले भी ईरान ने मार्शल आइलैंड के एक तेल के टैंकर को जब्त कर लिया था।

अमेरिका बढ़ाएगा पेट्रोलिंग – बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना की पांचवीं फ्लीट, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पेट्रोलिंग बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। अमेरिका की पांचवीं फ्लीट के कमांडर वाइस एडमिरल ब्रैड कूपर ने अपने बयान में कहा कि ईरान गैर जिम्मेदार तरीके से व्यापारिक जहाजों का उत्पीड़न और उन्हें जब्त कर रहा है और इसे रोका जाना चाहिए। अंतराष्ट्रीय सीमा में नेवीगेशन और जहाजों की आवाजाही किसी भी दबाव से मुक्त होनी चाहिए।

बता दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान और ओमान के बीच की समुद्री सीमा का एक अहम चोक पॉइंट है और अरब देशों से दुनिया के कई देशों को कच्चे तेल की सप्लाई इसी स्ट्रेट ऑफ हरमुज से होती है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय नेवीगेशन को किसी भी दबाव से मुक्त रखने के लिए स्ट्रेट ऑफ हरमुज में किसी भी देश की दबंगई एक गंभीर मुद्दा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की लंबाई करीब 160 किलोमीटर से ज्यादा है और एक जगह इसकी चौड़ाई महज 39 किलोमीटर है।

अमेरिका ने साउथ अफ्रीका से माफी मांगी

रूस को हथियार भेजने का लगाया था आरोप; साउथ अफ्रीकी मंत्री बोले- हमें धमका नहीं सकता यूएस

जोहान्सबर्ग।
साउथ अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी ऐंबैस्डर रूबेन ब्रिगेटी ने वहां की सरकार से बिना शर्त माफी मांगी है। दरअसल ब्रिगेटी ने 11 मई को एक बयान जारी करते हुए साउथ अफ्रीका पर रूस को हथियार देने का आरोप लगाया था। ब्रिगेटी ने दावा किया था- पिछले साल 6-8 दिसंबर के दौरान केप टाउन में एक रूसी जहाज पर हथियार और बारूद लोड किए गए थे।

इस पर साउथ अफ्रीका ने स ऐंबैस्डर को तलब करते हुए कहा था कि उसके पास रूस को हथियार बेचने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने मामले में निष्पक्ष जांच के आदेश भी दिए थे। इसके बाद राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान में अमेरिकी राजदूत के आरोपों को खारिज कर दिया गया था। साथ ही कहा गया था कि इन आरोपों की पुष्टि के लिए अमेरिका ने अभी तक कोई पर सबूत पेश नहीं किया है।

यूएस ऐंबैस्डर बोले- दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी बनी रहेगी – ब्रिगेटी ने विदेश मंत्री से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- मेरे बयान के चलते कुछ गलत जानकारी फैल गई थी। मुझे इसे सुधारने का मौका मिला जिसके लिए मैं आभारी हूं। दोनों देशों के बीच ऐसे ही मजबूत साझेदारी बनी रहेगी।

वहीं साउथ अफ्रीका के कैबिनेट मंत्री खुम्बुद्जो नत्शावेनी ने कहा- अमेरिका इस तरह हमें डरा-धमका नहीं सकता है। रूस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला उसका है। वो हमें इसमें न घसीटे।

पुतिन ने साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति से फोन पर की बात – इस पूरे मामले के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा की। इससे पहले इन आरोपों पर अमेरिका का भी रिएक्शन आया था। व्हाइट हाउस के नेशनल सिक्योरिटी के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था- हम आरोपों की गहराई में फिलहाल नहीं जा रहे हैं, लेकिन ये एक गंभीर मामला है। अमेरिका ने शुरुआत से ही दूसरे देशों को यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस का साथ नहीं देने को कहा है।

रूस-यूक्रेन जंग पर साउथ अफ्रीका का निष्पक्ष रवैया – 15 महीनों से जारी रूस-यूक्रेन जंग के बीच साउथ अफ्रीका उन चंद देशों में शामिल है जिन्होंने ह में इस मुद्दे पर वोट नहीं डाला है। साउथ अफ्रीका ने कई महीनों से इस मामले को समझौते के जरिए सुलझाने के पक्ष में बयान दिया है। ऐसे में अगर वो रूस को हथियार सप्लाई करेगा तो उसे अपने देशवासियों सहित पूरी इंटरनेशनल कम्युनिटी को जवाब देना पड़ेगा। साउथ अफ्रीका में कई लोग रूस के पक्ष में हैं।

ऑस्ट्रेलिया में जल्दी आ गया ठंड का मौसम , शीतलहर और हिमपात से कांप रहा है देश

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया में ठंड का मौसम दक्षिण-पूर्व में तेज हवाओं, बर्फबारी और ओलों के साथ जल्दी आ गया है, जो सप्ताह के मध्य तक चल सकता है। यह घोषणा की है स्थानीय मौसम ब्यूरो ने। सिडनी से लगभग 120 किमी (75 मील) पश्चिम में ओबेरॉन में हिमपात हुआ। मौसम विभाग ने पहले ही दक्षिण-पूर्व और अल्पाइन क्षेत्रों में भेड़ किसानों को चेतावनी दी थी कि उनके जानवर ठंडी गीली परिस्थितियों के संपर्क में आने से मर सकते हैं।ओबेरॉन निवासी वेंडी स्टैंटन ने बर्फबारी के बारे में कहा, 'मुझे इतनी भारी बर्फबारी होने की उम्मीद नहीं थी। मौसम ब्यूरो के अनुसार, दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में इस सप्ताहांत ठंड का प्रकोप शुरू हुआ था।मौसम विभाग ने अनुमान लगाया कि शीतलहर का प्रकोप ऐसा ही बना रहेगा।सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के अनुसार, राजधानी कैनबरा बर्फ से ढकी हुई थी, हालांकि दिन में तापमान बढ़ने के साथ ही यह जल्द ही कीचड़ में बदल गई। वहीं जानकारी के अनुसार, स्की (सीजन शुरू होने से ठीक एक महीने पहले, पेरिशर स्की रिसॉर्ट में पिछले 24 घंटों में 10 सेंटीमीटर (3.94 इंच) बर्फ गिर चुकी है।सिडनी हवाईअड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा कि रात से लेकर दोपहर तक तेज हवाओं के कारण, सिडनी एयरपोर्ट के दो रनवे को बंद करना पड़ गया, जिसकी वजह से उड़ानों में देरी हुई।

कर्नाटक में हुई महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जनता की जीत : भूपेंद्र हुड्डा

लखन कुमार सिंगला के नेतृत्व में सराय टोल पर हुआ पूर्व मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्नाटक में कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत को जनता की जीत बताते हुए कहा कि यह जीत महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार पर जनता की जीत है। देश के अंदर कांग्रेस की लहर चल उठी है और अब हरियाणा सहित हर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वे शनिवार को फरीदाबाद के सराय टोल प्लाजा पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, विधायक आफताब अहमद मौजूद थे। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने बड़ी माला पहनाकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का स्वागत किया और लड्डू खिलाकर उन्हें कर्नाटक में हुई प्रचंड जीत की बधाई दी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अब हरियाणा में भी इस जनविरोधी

भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल लें और जन-जन को इस सरकार का असली चेहरा दिखाने का काम करें। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा और आज पूरे देश की जनता इन समस्याओं से ग्रस्त है, भाजपा सरकार ने आठ सालों में केवल कागजों में विकास की बातें करके लोगों को गुमराह करने का काम किया है, लेकिन जनता अब इस सरकार की कथनी और करनी को भली भांति जान चुकी है। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने कहा कि कर्नाटक की जीत से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक नए जोश का संचार हुआ है और जनता ने जनादेश दे दिया है कि आने वाले समय में देश और हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। उन्होंने हुड्डा को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद में कांग्रेस संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है और आने वाले चुनावों के लिए कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अनिल शर्मा, रोहित सिंगला, फरीदाबाद युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नितिन सिंगला, पूर्व चेयरमैन अब्दुल गफ्फार कुरैशी, खुशबू खान प्रदेश महासचिव महिला सेवादल, रचना भसीन प्रदेश महासचिव, गजेंद्र वशिष्ठ, लाला शर्मा, तुलसी प्रधान, महेंद्र प्रधान सहित अनेकों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजदू थे।

केंद्र सरकार व उपराज्यपाल दिल्ली सरकार के कामकाज को कर रहे थे बाधित : मनोज

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता मनोज राठी ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें दिल्ली सरकार को अधिकारियों की नियुक्ति व नियंत्रण के अधिकार की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से साबित हो गया है कि केंद्र की भाजपा सरकार व उप राज्यपाल दिल्ली सरकार के कामकाज में अनधिकृत हस्तक्षेप कर रहे थे। मनोज राठी शनिवार को हांसी क्षेत्र में युवाओं से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली सरकार के अधिकार क्या हैं और उप राज्यपाल के अधिकार क्या हैं। कोर्ट ने यह स्पष्ट कहा है कि किसी भी चुनी हुई सरकार को फैसले लेने का अधिकार है और राज्यपाल को वह फैसले मानने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर दिल्ली के उप राज्यपाल दिल्ली सरकार के हर जनहित के कार्य को बाधित कर रहे थे। वह नहीं चाहते थे कि दिल्ली की जनता की चुनी हुई सरकार जनता के हित के लिए कोई काम करें।

कर्नाटक ने विकास की राजनीति को चुना : गहलोत

जयपुर (हिंस)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों के आ रहे रुझानों में कांग्रेस बहुमत के साथ सरकार बनाती हुई दिख रही है। इस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने यहां कहा कि कर्नाटक की जनता ने सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर विकास की राजनीति को चुना है। उधर, भाजपा ने कहा कि अभी फाइनल परिणाम सामने आने के बाद ही पूरी स्थिति साफ होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक में जो माहौल दिखा था, आज उसी का नतीजा कर्नाटक के चुनाव परिणाम में स्पष्ट दिख रहा है। यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने शानदार कैंपेन किया। कर्नाटक ने सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर विकास की राजनीति को चुना है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भी इसकी पुनरावृत्ति होगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कर्नाटक में जो चुनाव हुए, उसमें भाजपा ने डबल इंजन की सरकार बनाने के वादे के साथ विकास के दावों पर चुनाव लड़ा। अभी रुझान हैं, पूरी स्थिति साफ होने दीजिए, उसके बाद शाम को बात करेंगे। कर्नाटक के इन रुझानों में कांग्रेस बहुमत के साथ सरकार बना रही है।

उड़ी सेक्टर में आतंकी घुसपैठ की कोशिश, कमीशंड अधिकारी घायल

बारामूला (हिंस)। बारामूला जिले के उडी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास शनिवार सुबह आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की। इस दौरान सेना के साथ हुई मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी घायल हो गया है। घायल अधिकारी को उपचार के लिए निकटवर्ती एक अस्पताल में ले जाया गया है। रक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बारामूला जिले के उडी सेक्टर में मुठभेड़ के दौरान जेसीओ को मामूली चोटें आईं हैं। अधिकारियों के अनुसार आज सुबह सतर्क भारतीय जवानों ने सेक्टर में संदिग्ध हलचल देखी तो उन्होंने आतंकियों को ललकारा। उसके बाद घुसपैठ की ताक में बैठे आतंकियों ने सेना पर गोलीबारी कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ देर चली गोलीबारी के बीच आतंकी पाकिस्तानी सीमा में लौट गए। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के बाद पाकिस्तान ने घटना स्थल के ऊपर एक क्वाडकॉप्टर उड़ाने की कोशिश की लेकिन भारतीय सेना की तरफ से गोलीबारी किए जाने पर वह तेजी से पीछे हट गया। उन्होंने कहा कि क्वाडकॉप्टर का मुद्दा निश्चित रूप से घुसपैठ की गतिविधियों के दौरान उचित सहायता प्रदान करने में आतंकियों और पाकिस्तानी सेना के बीच मिलीभगत को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास को ऐसे समय में नाकाम कर दिया गया, जब जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा तंत्र हाई अलर्ट पर है, क्योंकि श्रीनगर इस महीने के अंत में होने वाली जी20 बैठक की मेजबानी कर रहा है।

जन संघर्ष यात्रा : दूदू से रवाना होकर जयपुर की तरफ बढ़ रहे पायलट और उनके समर्थक

जयपुर (हिंस)। भ्रष्टाचार और पेपरलीक के मुद्दे पर सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा का शनिवार को तीसरा दिन है। आज से सोमवार तक यात्रा जयपुर जिले में चलेगी। सुबह यात्रा का पहला फेज पूरा हो गया। दूदू के पास पालू में यात्रा विश्राम के लिए रुकी है। अब शाम चार बजे से यात्रा का दूसरा फेज शुरू होगा और नासनोदा तक पैदल यात्रा होगी। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की *जन संघर्ष यात्रा* के तीसरे दिन की शुरुआत सुबह साढ़े 7 बजे दूदू से हुई। पायलट अपनी विभिन्न मांगों को अपनी ही कांग्रेस सरकार से मनवाने के लिए अजमेर से जयपुर तक की पदयात्रा पर निकले हुए हैं। जन संघर्ष यात्रा के तीसरे दिन भी आज सैकड़ों की संख्या में पायलट समर्थक उनका साथ दे रहे हैं। पायलट के समर्थन में नारे लगाते हुए सभी समर्थक यात्रा में शामिल एक-दूसरे का मनोबल बढ़ाते दिख रहे हैं। पदयात्रा मार्ग में जगह-जगह पायलट के स्वागत-अभिनंदन का सिलसिला भी जारी है। आज भी कुछ जगहों पर पदयात्रा मांग में फूल बरसाकर पायलट और

उनके साथ शामिल समर्थकों का स्वागत किया गया। सचिन पायलट की जन संघर्ष यात्रा की टैगलाइन *भ्रष्टाचार के विरुद्ध और नौजवानों के समर्थन में* है। इस पदयात्रा के जरिए वे राज्य की सरकारी भर्तियों में हो रही गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। साथ ही पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार की जांच करवाने क लेकर भी आवाज बुलंद कर रहे हैं। सचिन पायलट के इर्द-गिर्द सीआरपीएफ जवानों का अतिरिक्त सुरक्षा घेरा भी साथ चल रहा है। दरअसल पायलट को पहले ही वाई कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। इसी के चलते अब इस पदयात्रा के मद्देनजर उनकी सुरक्षा और ज्यादा कड़ी की गई है। सचिन पायलट की यात्रा 15 मई को जयपुर पहुंचेगी, जयपुर के महापुरा के आसपास सभा रखी जाएगी। यात्रा के खत्म होने के बाद सचिन पायलट अगले सियासी कदम के बारे में कुछ संकेत दे सकते हैं। पायलट दूसरी यात्रा की घोषणा भी कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस छोड़ने की चर्चाओं पर पायलट से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अटकलें मत लगाइए, मैं सब कुछ कहकर करता हूं। इस बयान से भी नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। उधर चुनावी साल में अपनी ही सरकार के खिलाफ यात्रा निकालने से हो रहे सियासी नुकसान के बारे में मुख्यमंत्री ने प्रभारी को फीडबैक दिया है। पायलट ने यात्रा को किसी के खिलाफ न होकर करप्शन के खिलाफ बताया है।कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पायलट की यात्रा पर शनिवार को अपनी रिपोर्ट देंगे। रंधावा कह चुके हैं कि सचिन पायलट की यात्रा पार्टी की नहीं निजी यात्रा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष को कर्नाटक से आते ही रिपोर्ट दे दी जाएगी। इससे पहले रंधावा ने शुक्रवार को तीनों सहप्रभारियों और प्रदेशाध्यक्ष के साथ बैठक कर राजस्थान के मुद्दे पर चर्चा की थी। रंधावा पायलट मामले की रिपोर्ट तैयार कर चुके हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर खड़गे फैसला करेंगे।

सीएम से मुलाकात के बाद संघ ने की हड़ताल खत्म

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शनिवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान सरपंच संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। गहलोत ने प्रतिनिधियों की मांगों को नियमानुसार पूरा कराने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव और ग्रामीणों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गहलोत से मिलने पर सरपंच संघ ने अपनी हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने आमजन को महंगाई से राहत दिलाने के लिए महंगाई राहत कैंपों में हर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित कराने की जिम्मेदारी भी ली। प्रतिनिधियों ने कहा कि वे कैंपों में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

जल जीवन मिशन में अधिकारी बरत रहे घोर लापरवाही : केंद्रीय मंत्री शेखावत

रामदेवरा/पोकरण (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्य में जल जीवन मिशन के धीमी गति से क्रियान्वयन पर चिंता जताई और कहा कि अधिकारी कई स्थानों पर घोर लापरवाही बरत रहे हैं। पूरे देश में राजस्थान इस मिशन में नीचे से दूसरे नम्बर पर है, जबकि बजट आवंटन में सबसे आगे है। शेखावत शनिवार को रामदेवरा और पोकरण दौरे के दौरान मीडियाकर्मियों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में देश भर में सर्वाधिक पैसा राजस्थान को मिला है, लेकिन काम बहुत कम हुआ है। 40 हजार करोड़ रुपए का बजट आवंटन हुआ है। इसमें से मात्र 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। प्रगति के मामले में नीचे से दूसरे स्थान पर है। गहलोत सरकार काम नहीं करके अपनी नाकामियों का घड़ा दूसरों के सिर पर फोड़ना चाहती है। इसमें उनको महारथ हासिल है। पोकरण का उदाहरण देते हुए शेखावत ने कहा कि पोकरण क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती पेयजल है, लेकिन यहां अधिकारियों के स्तर पर घोर लापरवाही जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में हो रही है। वे बोले कि उन्होंने एडिशनल चीफ सेक्रेटी से भी बात की है। पोकरण और आसपास के क्षेत्र की पूरी योजनाओं की समग्र तरीके से जांच कराने की जरूरत है। सर्विस डिलीवरी को सुनिश्चित की जानी चाहिए। जिलाधिकारी को भी निर्देश दिए गए हैं। आगामी दो सप्ताह में एक बैठक जैसलमेर में करेंगे, जिसमें उच्चाधिकारियों के साथ बैठकर विचार करेंगे। प्रोजेक्ट पूरा होने तक आपात स्थिति में पेयजल की व्यवस्था कैसे करेंगे। इस पर भी चर्चा होगी। राज्य की राजनीतिक हालात पर चर्चा करते हुए शेखावत ने कहा कि भाजपा ने पूरे राज्य में जनाक्रोश रैलियां निकाली हैं। इसमें राज्य सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश दिखाई दिया है। कांग्रेस सरकार की योजनाओं की विफलता के बारे में मंत्री और विधायक एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं और कह रहे हैं कि इस बार कांग्रेस का सफाया होने वाला है। यह बात भाजपा नहीं कह रही। इनके कांग्रेस के लोग कह रहे हैं। कोई कहता सिटी बस में जाने लायक बचेंगे तो कोई कहता हैं फॉर्च्युनर में जाने लायक बचेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश अमृतकाल से गुजर रहा है। फलोदी और रामदेवरा के रेलवे स्टेशनों को अपग्रेडेशन योजना में लिया गया है। रामदेवरा पूरे देश का प्रमुख तीर्थस्थल है। लाखों यात्री यहां आते हैं। इस रेलवे स्टेशन का विस्तार व आधुनिकीकरण के लिए भव्य स्वरूप में रामदेवरा का रेलवे स्टेशन बने, इसके लिए रेल मंत्री ने 18 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। आगामी एक वर्ष में इस परियोजना के पूरे करने का संकल्प है। इधर, परमाणु विस्फोट की सिल्वर जुबली पर पोकरण में 87 बटालियन सीमा सुरक्षा बल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पोकरण आए शेखावत ने कहा कि परमाणु विस्फोट करके पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने साहसिक कदम उठाया था। हमने पूरे देश के सामने यह भरोसा भी दिलाया गया कि हम इसे पहले इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन भारत की अस्मिता के सामने कोई आता है और अखंडता को चुनौती देगा तो हम चूकेंगे नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी यही संदेश दिया है कि भारत के खिलाफ किसी भी प्रकार की गतिविधियां चाहे वह भारत की भूमि पर हो या भारत के बाहर, बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

कर्नाटक की जनता ने भाजपा को दिया करारा जवाब : बजरंग गर्ग

हिसार (हिंस)। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला कन्वीनर बजरंग दास गर्ग ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में जनता ने भाजपा को करारा जवाब दिया है। कर्नाटक की जनता ने साबित कर दिया है कि अब मौका मुद्दों की राजनीति करने का है, धर्म व सम्प्रदाय के नाम पर राजनीति करने का नहीं। बजरंग गर्ग शनिवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पत्रकार सम्मेलन के बाद बजरंग गर्ग व अन्य कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर खुशी मनाई और गदा हाथ में लेकर एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। पत्रकार सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की जीत जनता व सच्चाई की जीत है जबकि भाजपा सरकार से देश व प्रदेश का हर नागरिक दुखी है। आज देश व प्रदेश में महंगाई व बेरोजगारी से जनता बेहद दुखी है। सरकार महंगाई से राहत देने की बजाए जनता पर लगातार टैक्सों का बोझ डालकर महंगाई को ओर बढ़ा रही है।

कर्नाटक की जनता ने भाजपा व वैमनस्य फैलाने वाले दलों को दिखाया आईना : पूनिया

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने कहा है कि कर्नाटक की जनता ने भाजपा की धर्म व सम्प्रदाय की राजनीति को आइना दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के साथ ही अब देशभर से भाजपा के पतन की शुरुआत हो चुकी है। आगामी समय में हरियाणा सहित देशभर से भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए जनता अब पूरी तरह से तैयार है। कर्नाटक की जीत के कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव में भाजपा के भ्रष्टाचार व जरूरी मुद्दों पर बातें की, लेकिन भाजपा ने धर्म व देवताओं के नाम पर अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने का प्रयास किया जो विफल हो गया। सारे देश में कर्नाटक 40 प्रतिशत कमीशन के नाम पर बदनाम हो चुका था, जिसे कर्नाटक की जनता ने सहन नहीं किया और इस 40 प्रतिशत कमीशन की जिम्मेवार भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाकर बदनामी का कलंक धोया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हरियाणा, केंद्र व अन्य राज्यों में भाजपा का यही हश्र होने वाला है। वजीर सिंह पूनिया ने कहा कि भगवान राम, बजरंग बली व अन्य देवता किसी पार्टी के पेटेंट नहीं है, ये देवता हमारी आस्था के प्रतीक है, जनता की आस्था है और पार्टी के वोट बैंक नहीं है। भाजपा ने भगवान राम व हनुमान को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।

भारतीय किसान संघ का जयपुर कूच 16 को

उदयपुर (हिंस)। किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने 16 मई से प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। 16 मई को राजधानी जयपुर के अमरूदों के बाग में प्रदेश भर से किसान जुटेंगे। किसान संघ के उदयपुर जिला उपाध्यक्ष माणकलाल चौबीसा ने शनिवार को यहां सवीना स्थित किसान संघ के प्रान्त कार्यालय बलराम भवन में पत्रकारों को बताया कि लागत आधारित लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने, कृषि आदानो पर जीएसटी खत्म करने, किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी, नदी से नदी जोड़ने की योजना को प्राथमिकता, हर खेत तक पानी पहुंचाने, 8 घंटे

विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर गो अभयारण्य बनाकर गौ संवर्धन के लिए विकसित करने, बीज उत्पादन पर किसानों को सीधा अनुदान उपलब्ध कराने, आपदा एवं पाला पड़ने से फसलों में हुए नुकसान का बीमा क्लेम जल्द दिलाने, जैविक कृषि को प्रोत्साहन करने के लिए किसानों को गोपालन के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर सीधा अनुदान देने आदि मांगों को लेकर जयपुर में प्रदर्शन किया जाएगा। किसान संघ के उदयपुर जिला मंत्री भारत कुमावत ने बताया कि किसान संघ की प्रस्तावित रैली के लिए प्रत्येक गांव में ग्राम समिति का गठन किया जा रहा हैं।

पहलवानों के समर्थन में धरने पर बैठे हरियाणा कांग्रेस के विधायक

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा शनिवार को अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ दिल्ली पहुंचे और जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों का समर्थन किया। हुड्डा कांग्रेस विधायकों के साथ पहलवानों के समर्थन में धरने पर भी बैठे। हुड्डा ने कहा कि कि सरकार खिलाड़ियों के सब्र का इम्तिहान ले रही है। जिन खिलाड़ियों ने देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया, सरकार उन खिलाड़ियों को न्याय दिलाने में नाकाम साबित हो रही है। जिन खिलाड़ियों को देश में पलकों पर बिठाया जाता है, सरकार द्वारा उन खिलाड़ियों को सड़क पर बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जिन खिलाड़ियों को स्टेडियम में प्रदर्शन करना चाहिए था, उन खिलाड़ियों को सड़कों पर प्रदर्शन करने के लिए छोड़ दिया गया है। हुड्डा ने खिलाड़ियों से भी संयम और हिम्मत बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।

समाज की समस्याओं से लड़ने के लिए सात संगठनों ने बनाई जन : आंदोलन समिति

भिवानी (हिंस)। एससी-बीसी वर्ग की विभिन्न समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए विभिन्न संगठनों ने मिलकर जन-आंदोलन समिति का गठन किया है। शनिवार को स्थानीय बावड़ी गेट स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला संघ, दक्ष प्रजापति महासभा, इंडियन मैडिकल प्रोफेशनल एसोसिएशन, बहुजन क्रांति मोर्चा तथा भारतीय विद्यार्थी मोर्चा की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रजापति ने की। इस दौरान उपरोक्त संगठनों ने मिलकर अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के हितों पर हो रहे कुठाराघात के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जन-आंदोलन समिति का गठन किया। इस मौके पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रजापती एवं इंडियन मेडिकल प्रोफेशनल एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक विनोद सांगा ने कहा कि ओबीसी की जाति आधारित जनगणना करवाने, ईवीएम मशीन को हटवाने, निजी क्षेत्रों में एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण लागू करवाने, एनआरसी, एनपीआर का विरोध, पुरानी पेंशन बहाल करवाने, श्रम कानून को हटवाने, बैकलॉग तत्काल भरा जाने, ओबीसी से क्रीमिलेयर को समाप्त करवाने सहित अन्य मांगों को लेकर वह पिछले लंबे समय से संघर्षरत हैं, लेकिन सरकार के कानों पर जू तक नहीं रेंग रही। इसीलिए विभिन्न संगठनों ने एक होकर जन-आंदोलन समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा कि एकता की ताकत दिखाकर ही एससी व ओबीसी वर्ग को उनका हक दिलाया जा सकता है। इसीलिए अब जन-आंदोलन समिति के बैनर तले समस्याओं के खिलाफ आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे, ताकि उनका जल्द से जल्द समाधान हो सकें।

मदर्स डे के उपलक्ष्य में आत्मनिर्भर महिलाओं को मिली ट्रेनिंग

जयपुर, (हिंस)। एक मां जब आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाती है तो उनकी जिम्मेदारियां कहीं अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में इमरजेंसी की स्थिति में प्राइमरी फर्स्ट एड एवं सीपीआर की जानकारी भी उन्हें होनी चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शहर के रुकमणी बिरला हॉस्पिटल में एक अनोखा कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें ऐसी महिलाओं को फर्स्ट एड एवं सीपीआर की ट्रेनिंग दी गई जो आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं और पुरुष प्रधान कार्यों को करते हुए महिला सशक्तीकरण की मिसाल दे रही हैं। रुकमणी बिरला हॉस्पिटल के कंसल्टेंट एंड हेड इमरजेंसी डॉ. गौरव भार्गव ने महिलाओं को प्राइमरी फर्स्ट एड एवं सीपीआर ट्रेनिंग दी। उन्होंने महिलाओं को चोट लगने पर खून बहने से रोकना, उस पर सही तरीके से पट्टी करना, बेहोश होने पर दिया जाने वाला प्राइमरी ट्रीटमेंट की ट्रेनिंग दी। इस ट्रेनिंग सेशन में 30 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के वाइस प्रेसिडेंट अनुभव

सुखवानी ने इस आयोजन को महिलाओं के लिए बेहद आवश्यक बताया। हॉस्पिटल की मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ. सुहासिनी जैन ने कहा कि महिलाओं को फर्स्ट एड एवं सी पी आर की प्राइमरी ट्रेनिंग होना बहुत जरूरी है क्योंकि घर में किसी भी तरह की इमरजेंसी होने पर उस स्थिति से निपटने के लिए महिलाओं को जानकारी होनी चाहिए। अब तो महिलाओं की सहभागिता वर्किंग प्रोफेशनल में भी काफी बढ़ गई है। इसीलिए फर्स्ट एड एवं सी पी आर की ट्रेनिंग हर महिला को होनी चाहिए।

म्यूचुअल फंड्स के पास बिना दावे के 2,500 करोड़ रुपए : निवेशक या नॉमिनी तक ये पैसा पहुंचाने के लिए सेबी के साथ मिलकर काम कर

नई दिल्ली ।
म्यूचुअल फंड्स के पास बगैर दावे के करीब 2,500 करोड़ रुपए के डिविडेंड और यूनिट्स पड़े हैं। म्यूचुअल फंड्स के संगठन (एम्फी) के मुताबिक, इसमें से करीब 1,600 करोड़ रुपए बगैर दावे वाले लाभांश और शेष बिना दावे से जुड़ी बिकवाली से संबंधित हैं। एम्फी के सीईओ एन एस वेंकटेश ने कहा कि संगठन ने ये सुनिश्चित करने के लिए बाजार नियामक सेबी के साथ लगातार काम किया है कि ये राशि सही मालिकों के हाथों में पहुंच जाए। उन्होंने कहा, 'सेबी ने एम्फी को ये सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि निवेशक या उनके नॉमिनी या वारिस तक ये पैसे पहुंच जाएं। हम इस संबंध में सेबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि ये आंकड़ा निकट भविष्य में काफी कम हो जाएगा।' वेंकटेश ने कहा कि फंड हाउस इन निवेशकों से ई-मेल आईडी और पैन से जुड़े फोन नंबरों के जरिए संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं।

कंडीशन : बगैर दावे की राशि इन सूरतों में – म्यूचुअल फंड के पास पड़ी रकम ऐसी सूरत में बगैर दावे की मानी जाती है, जब फंड हाउस ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन माध्यमों से भी निवेशकों को लाभांश और रिडम्पशन पेमेंट करने में विफल रहा हो। इसका एक कारण संबंधित बैंक खातों का बंद होना भी है। सेबी के नियमों के मुताबिक, ऐसी राशि लिक्विड या ओवरनाइट जैसी छोटी अवधि की डेट स्कीम्स में रखी जाती है।

अनुमान : बैंकों में भी बिना दावे के 35,000 करोड़ रुपए – बगैर दावे की सेविंग और निवेश म्यूचुअल फंड के साथ-साथ लगभग सभी बैंकों और इन्वेस्टमेंट स्कीम्स के लिए बड़ी समस्या है। पिछले महीने सरकार ने सरकारी बैंकों के पास करीब 35,000 करोड़ रुपए की विशाल रकम बगैर दावे की जमा होने का अनुमान लगाया था।

सपोर्ट नहीं मिलता, अर्थव्यवस्था को होता है नुकसान – अर्थव्यवस्था के लिए दिक्कत ये है कि ऐसी राशि बिना इस्तेमाल के लंबे समय तक पड़ी रहती है। इनका इस्तेमाल होने पर खपत बढ़ने और अर्थव्यवस्था को सपोर्ट मिलने की संभावना होती है। वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री भागवत कराड ने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा, 'ताजा जानकारी के मुताबिक, फरवरी 2023 के अंत तक आरबीआई को डिपॉजिट के संबंध में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बगैर दावे वाले 35,012 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

न्यूज ब्रीफ

इस साल 9 करोड़ नौकरियां पैदा करेगी टूरिज्म इंडस्ट्री: देश में बढ़ रहा मेडिकल, वेलनेस, आध्यात्मिक और एडवेंचर टूरिज्म सेगमेंट

नई दिल्ली। देश की टूरिज्म इंडस्ट्री में इस साल 8.8 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी। सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में इस इंडस्ट्री का 11.48 लाख करोड़ रुपए (5प्रतिशत) का योगदान होगा। कुल नौकरियों में इस सेक्टर की 13प्रतिशत हिस्सेदारी है। अगले दशक में भारत में मेडिकल, वेलनेस, आध्यात्मिक, बिजनेस ट्रैवल के साथ एडवेंचर टूरिज्म सेगमेंट में वृद्धि होगी। डिजिटल पेमेंट कंपनी वीसा और प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म ईवाई की एक रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है। 'चार्टिंग दी कोर्स फॉर इंडिया: टूरिज्म मेगाट्रेंड्स अनपैक्ड' नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में विदेशी सैलानी घरेलू पर्यटकों से 26 गुना ज्यादा खर्च करते हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर ट्रैवल इंडस्ट्री के 2023 में कोविड के असर से पूरी तरह रिकवर होने की उम्मीद है। इस साल ये प्री-कोविड लेवल के 85-95प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसका बड़ा फायदा भारत को भी मिलेगा। केंद्र ने 2023 के बजट में विदेश में प्रमोशनल एक्टिविटी पर खर्च में 50प्रतिशत कटौती की।

अब नाबालिग के एकाउंट में ही जाएगी निवेश की राशि, नए बैंक खाते को करना होगा अपडेट

नई दिल्ली। निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करते हुए सेबी ने एक नया नियम लाया है। इसने कहा कि अब नाबालिग के नाम से अगर म्यूचुअल फंड में कोई निवेश होता है तो उस रकम को निकालने के लिए नाबालिग का बैंक खाता होना जरूरी है भुगतान उसी खाते में होगा। हालांकि, निवेश नाबालिग के अभिभावक, गार्जियन के खाते, या फिर इनके संयुक्त खाते से किया जा सकता है। इसे 15 जून से लागू किया जाएगा। सेबी ने इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया। इसमें सभी म्यूचुअल फंडों से कहा है कि नए निवेश के तहत यह व्यवस्था तो होगी, पर पुराने में भी लागू होगी। सभी म्यूचुअल फंड कंपनियों को इसके लिए नाबालिग वाले फोलियो में नए बैंक खाते को अपडेट करना होगा। अगर किसी नाबालिग का बैंक खाता नहीं है तो उसके फोलियो में जो भी निवेश किया गया है, उसे नहीं निकाल पाएंगे। सेबी ने 2019 में यह नियम लाया था कि नाबालिग के नाम से जो भी निवेश होगा, वह गार्जियन के तहत होगा, लेकिन नाम नाबालिग का होगा। हालांकि, उस समय नाबालिग के बैंक खाते की जरूरत नहीं थी। पर बाद मे सेबी ने यह कहा कि निवेश के लिए भी नाबालिग का बैंक खाता होना जरूरी है। अब नए नियम में निवेश की रकम भुनाई जाती है तो वह केवल नाबालिग के ही बैंक खाते में जाएगी।

शेयर बाजार में महाराष्ट्र को उत्तर प्रदेश से चुनौती, एक साल में यूपी से 35 लाख नए निवेशकों ने किया प्रवेश

लखनऊ । शेयर बाजार में यूपी की ठसक लगातार बढ़ रही है। शेयर बाजार के गढ़ महाराष्ट्र को ही यूपी वालों ने सीधी टक्कर दे दी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुताबिक एक साल में यूपी से 35 लाख नए निवेशकों ने शेयर बाजार में प्रवेश किया है। ये संख्या महाराष्ट्र (44 लाख) के बाद सर्वाधिक है। गुजरात से 17 लाख नए निवेशकों ने प्रवेश किया है। बीएसई के मुताबिक, नए डीमैट खाते खोलने में यूपी ने महाराष्ट्र के अलावा सभी को पीछे छोड़ दिया है। एक साल में 37प्रतिशत की बढ़त हुई है। इसी अवधि में महाराष्ट्र की ग्रोथ 20प्रतिशत, गुजरात की 15प्रतिशत, राजस्थान की 26प्रतिशत और कर्नाटक की 20प्रतिशत रही है। यूपी में आय बढ़ने, महिलाओं का बाजार में रुझान और जोखिम की क्षमता प्रमुख वजहें हैं। कुल डीमैट खातों में 3.40 लाख करोड़ रुपये के शेयर जमा हैं। इसमें यूपी की हिस्सेदारी करीब 5.5प्रतिशत है। यानी डीमैट खातों में यूपी वालों के 18,700 करोड़ रुपये के शेयर सुरक्षित हैं।

भारत को शीर्ष-3 अर्थव्यवस्था में देखना सरकार का लक्ष्य, जापान और जर्मनी से ज्यादा पीछे नहीं

नई दिल्ली ।
आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक भारत को दुनिया की शीर्ष-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना है। जापान और जर्मनी से हम बहुत पीछे नहीं हैं। ऐसे में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनना हमारे लक्ष्य के मुताबिक है।

उन्होंने कहा, सरकार का ध्यान अपनी बेहतर नीतियों के जरिये भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक गंभीर और प्रतिस्पर्धी भागीदार बनने के लिए आगे बढ़ाने पर है। एपल, सैमसंग और सिस्को जैसी कंपनियां अब भारत आ रही हैं।

निर्माण और डिजाइन में पैदा हुए अवसर

सरकार ने सिर्फ 14 महीने में निर्माण और डिजाइन में मौके पैदा किए हैं। भारत 2024 तक 100 सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इस क्षेत्र में जल्द 85 हजार उच्च कुशल पेशेवरों का प्रतिभा पूल होगा।

समीक्षा बैठक में लगातार घाटे में चल रहे क्षेत्रीय ग्रामीणबैंकों पर हुईचर्चा

वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) से कहा कि वे वित्तीय समावेश के मामले में प्रदर्शन सुधारने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज वितरण में सुधार करें। वित्तीय सेवाओं के विभाग के सचिव विवेक जोशी की अगुवाई में हुई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समीक्षा बैठक में इन बैंकों की वित्तीय व्यवहार्यता योजनाओं पर चर्चा की गई। इसकी वजह यह है कि कुछ आरआरबी घाटे में चल रहे हैं। बैठक के दौरान जोशी ने कहा कि आरआरबी को वित्तीय समावेश की दिशा में सरकारी प्रयासों के अनुरूप कदम उठाने होंगे। बैठक में वित्तीय सेवाओं के विभाग, आरबीआई, नाबार्ड, प्रायोजक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरआरबी के चेयरपर्सन भी शामिल हुए।

कार्वी के पूर्व अधिकारियों पर 1.9 करोड़ का जुर्माना

बाजार नियामक सेबी ने कार्वी समूह के चार पूर्व अधिकारियों पर 1.9 करोड़ का जुर्माना लगाया है।इसका भुगतान 45 दिन में करना है। ग्राहकों की पूंजी की हेराफेरी से जुड़े मामलों में नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाईकी गई है।

विदेशी मुद्रा भंडार 7.2 अरब डॉलर बढ़ा, 11 माह के शीर्ष पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5 मई को समाप्त सप्ताह में 7.2 अरब डॉलर बढ़कर 595.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह इसका 11 महीने का उच्च स्तर है। इससे पिछले सप्ताह भंडार 4.53 अरब डॉलर घटकर 588.78 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 5 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 6.53 अरब डॉलर बढ़कर 526.02 अरब डॉलर पहुंच गई।सोने का भंडार 65.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्तूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद रुपये में गिरावट रोकने के लिए आरबीआई ने डॉलर बेचना शुरू कर दिया था।

गूगल पे की भुगतान नीति की जांच करेगा प्रतिस्पर्धा आयोग, गूगल पर लगाया गया था 936 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने गूगल एप पर इस्तेमाल किए जाने वाले गूगल पे की भुगतान नीतियों की जांच का आदेश जारी किया। आदेश में सीसीआई ने गूगल से गूगल पे के तहत तीसरे पक्ष के जरिये किए जाने वाले भुगतान की प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए भी कहा है।

डेटिंग एप टिंडर के मालिक मैच समूह और अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन ने सीसीआई से गूगल की यूजर चॉइस बिलिंग (यूसीबी) नीति को प्रतिस्पर्धा विरोधी और अनुचित बताते हुए जांचने का अनुरोध किया था। सीसीआई ने माना कि इस मामले में जांच की जरूरत है। एप डेवलपरों की शिकायत पर सीसीआई ने पिछले वर्ष अक्तूबर में तीसरे पक्ष से भुगतान का विकल्प नहीं देने के मामले में गूगल पर 936 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

चार सप्ताह में देना होगा जवाब

सीसीआई ने गूगल से यूसीबी से पहले और बाद में इन-ऐप भुगतान प्रणाली से संबंधित प्रावधानों को समझाने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया है कि गूगल को चार सप्ताह में जवाब देना है। इससे पहले गूगल ने कहा था कि वह डेवलपर से सेवा शुल्क इसलिए वसूलता है, ताकि गूगल प्ले ऐप स्टोर और एंड्रॉइड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के जरिये उनके एप मुफ्त में मुहैया कराए जा सकें और उन्हें डेवलपर टूल और एनालिटिक्स सेवा दी जा सके।

हर जिले में शीर्ष 100 जमाकर्ताओं को खोजकर बैंक देंगे पैसा, 100 दिन चलेगा अभियान

नई दिल्ली ।
बैंकों में बिना दावे वाली पड़ी अरबों रुपये की रकम के मालिकों को खोजने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अब 100 दिन का अभियान चलाएगा। इस अभियान को 100 डेज-100 पेज नाम दिया गया है। इस अभियान के तहत हर बैंक 100 दिनों के अंदर देश के हर जिले में शीर्ष 100 बिना दावे वाले जमाकर्ताओं को खोजेगा और उसका भुगतान करेगा।

आरबीआई के आदेश पर सभी बैंक एक जून से इस अभियान की शुरुआत करेंगे। नियम के मुताबिक, जिस भी बचत या चालू खाता को 10 साल तक नहीं चलाया जाता है, या कोई टर्म जमा का खाता है जिसमें 10 साल तक कोई दावा नहीं करता है, ऐसे खातों में पड़ी रकम को लावारिस या बिना दावे वाली रकम माना जाता है। बैंक इन ग्राहकों से संपर्क करने की कोशिश भी करते हैं। इसके बावजूद अगर कोई दावेदार नहीं मिलता तो यह एक विशेष खाते में चली जाती है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने दिया था निर्देश – हाल ही में एक बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बिना दावे के रकम को लेकर नियामकों से कहा था कि वे बैंकिंग शेयर, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड या इंश्योरेंस के रूप में जहां भी बिना दावे वाली रकम पड़ी है, उसके निपटारे के लिए विशेष अभियान संचालित करें। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का कहना है कि ऐसे मामलों में जहां नामित व्यक्ति की जानकारी नहीं है, वहां निर्धारित प्रक्रिया के तहत कदम आगे बढ़ाए जाएंगे।

सरकारी बैंकों में बिना दावे के जमा हैं करीब 35,000 करोड़, सबसे ज्यादा एसबीआई में – सरकारी बैंकों में करीब 35,000 करोड़ रुपये की रकम ऐसी है जिस पर किसी ने अपना दावा नहीं किया है। सरकारी बैंकों ने इस पैसे को रिजर्व बैंक को ट्रांसफर कर दिया है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई में 8,086 करोड़ रुपये के लावारिस हैं। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक में 5,340 करोड़ रुपये, केनरा बैंक में 4,558 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ बड़ौदा में 3,904 करोड़ रुपये हैं।

एलआईसी के पास भी 21 हजार करोड़ से ज्यादा – भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, तमिलनाडु, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, बंगाल, कर्नाटक, बिहार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बैंकों में बिना दावे वाली रकम सबसे ज्यादा है।

सोना 710 रुपये टूटकर 61000 से नीचे, चांदी 2,690 रुपये सस्ती

नई दिल्ली ।
वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं में नरमी से घरेलू बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोना 61,000 और चांदी 74,000 के स्तर से नीचे पहुंच गई। दिल्ली सराफा बाजार में सोना 710 रुपये सस्ता होकर 60,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। चांदी की कीमत 2,690 रुपये की बड़ी गिरावट के साथ 73,445 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 61,680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स पर पीली धातु गिरावट के साथ कारोबार कर रही थी। इससे दिल्ली सराफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत में 710 रुपये की गिरावट देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नरमी के साथ 2,009 डॉलर प्रति औंस रह गया। चांदी भी गिरावट के साथ 25.10 डॉलर प्रति औंस पर के भाव पर कारोबार कर रही थी।

सेंसेक्स 123 अंक चढ़कर पांच महीने के उच्चतम स्तर पर बंद

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बावजूद सेंसेक्स पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। बैंकिंग और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से घरेलू बाजार को समर्थन मिला और सेंसेक्स 123.38 अंक चढ़कर 62,027.90 पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का 12 दिसंबर, 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। निफ्टी 17.80 अंक की बढ़त के साथ 18,314.80 पर बंद हुआ। बाजार की शुरुआत कमजोर रही। दोपहर बाद बैंकिंग-वाहन कंपनियों में खरीदारी से सेंसेक्स में तेजी आई। 30 में 18 कंपनियों के शेयर बढ़त में बंद हुए।

विकास की राह पर दुनिया का भरोसा जीतने के लिए उदार लोकतंत्र जरूरी, रघुराम राजन ने दी सलाह

लंदन ।
भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन अक्सर आर्थिक जगत से जुड़ी सलाह देते नजर आते हैं। इस बार उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि का मार्ग इसकी भीतरी ताकत के भरपूर इस्तेमाल और सहिष्णुता एवं सबका सम्मान की ऐतिहासिक संस्कृति के दम पर खुद को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए अहम बनाने में निहित है।

उदार लोकतांत्रिक मूल्य एक आर्थिक आवश्यकता

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर राजन ने 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन में अपने प्रमुख संबोधन में कहा कि भारत के पास सेवा उद्योग में नेतृत्व की भूमिका निभाने की काबिलियत है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दुनिया का भरोसा हासिल करने के लिए देश के उदार लोकतांत्रिक मूल्य एक आर्थिक आवश्यकता हैं। उन्होंने चीन जैसे सस्ते विनिर्माण देश के साथ प्रतिस्पर्द्धा के संदर्भ में कहा कि भारत को विनिर्माण के सेवा घटक या सीधे तौर पर सेवाओं पर ध्यान देने से फायदा मिलेगा।

विनिर्माण वृद्धि पथ पर आगे जाना है

राजन ने कहा कि अगर हमें विनिर्माण सेवा-निर्देशित वृद्धि पथ पर आगे जाना है तो हमारी स्वतंत्र न्यायपालिका, हमारा उदार लोकतंत्र हमें बढ़त दिलाने वाले पहलू हैं। इसकी वजह यह है कि इसके सहारे हम दुनिया का भरोसा हासिल करने में सफल रहेंगे, यह बेहद जरूरी है। चीन जैसे सस्ते विनिर्माण पड़ोसी के साथ प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में, प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में विनिर्माण या सेवाओं के सेवा घटक पर अधिक सीधे ध्यान केंद्रित करने से लाभान्वित होगा।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपना होमवर्क करने की आवश्यकता

उन्होंने कहा कि हम भारतीयों के रूप में लोकतंत्र चाहते हैं लेकिन हम यह भी चाहते हैं कि लोकतंत्र दुनिया को यह विश्वास दिलाने में सक्षम हो कि हम पर भरोसा किया जा सकता है, कि हम इस प्रकार की सेवाओं के प्रभावी प्रदाता हो सकते हैं, हमें अपने संस्थानों को मजबूत करने, अपने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपना होमवर्क करने की आवश्यकता है।

जियो सिनेमा ने लॉन्च किया सब्सक्रिप्शन प्लान

999 रुपए में सालभर ले सकेंगे इसका मजा, एक साथ 4 डिवाइस पर देख सकेंगे कंटेंट

नई दिल्ली ।
जियो सिनेमा ने प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्लान लॉन्च कर दिया है। यानी आपको जियो सिनेमा के प्रीमियम सब्सक्रिप्शन के लिए भी अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी+ हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स के की तरह सब्सक्रिप्शन लेना होगा। जियो सिनेमा ने अपने प्रीमियम सब्सक्रिप्शन प्लान की कीमत 999 रुपए रखी है। इस प्लान के तहत कंपनी यूजर्स को 12 महीनों के लिए जियो सिनेमा का सब्सक्रिप्शन मिलेगा।

एक साथ 4 डिवाइस में कर सकेंगे लॉग-इन

जियो सिनेमा ऐप पर जल्द ही गेम ऑफ थ्रोन्स, हैरी पोटर, सक्सेशन और डिस्कवरी जैसे मूवी और शोज देख सकेंगे। इस प्लान के तहत यूजर्स अपने अकाउंट को एक साथ 4 डिवाइस में लॉग-इन कर सकते हैं। प्ले स्टोर पर दी गई जानकारी के अनुसार जियो सिनेमा ऐप को अब तक 10 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है।

इस पर देख सकेंगे गेम ऑफ थोन्स और हैरी पोटर

जियो सिनेमा के प्रीमियम सब्सक्रिप्शन पर गेम ऑफ थ्रोन्स, हैरी पोटर, सक्सेशन और डिस्कवरी जैसे मूवी और शोज देख सकेंगे। इसके लिए मुकेश अंबानी की कंपनी वायाकॉम18 ने हॉलीवुड के जाने-माने प्रोडक्शन हाउस वॉर्नर ब्रदर्स के साथ डील की है। इस डील के बाद जियो सिनेमा अमेजन प्राइम वीडियो और डिज्नी हॉटस्टार को सीधी टक्कर देगा।

वायकॉम 18 और वार्नर ब्रदर्स ने कहा, जियो सिनेमा पर फिल्में और शो के प्रीमियर अमेरिका के साथ ही होंगे। इससे पहले, डिज्नी के पास वार्नर ब्रदर्स और एचबीओ के कंटेंट को स्ट्रीम के अधिकार थे। यह पार्टनरशिप 31 मार्च 23 को खत्म हो गई। इस कारण भारतीय दर्शक एचबीओ के गेम ऑफ थ्रोन्स जैसे शोज स्ट्रीम नहीं कर पा रहे थे। वार्नर ब्रदर्स एचबीओ की पैरेंट कंपनी है।

फ्री में आईपीएल दिखा रहा जियो

इस बार 4के क्वालिटी में आईपीएल की फ्री में लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। जियो सिनेमा आईपीएल 2023 का ऑफिशियल लाइव-स्ट्रीमिंग पार्टनर है। इससे पहले तक आईपीएल डिज्नी हॉटस्टार पर दिखाया जाता था। ऐसे में इसे देखने के लिए हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन लेना पड़ता था। अभी जियो सिनेमा पर कुछ भी देखने के लिए आपको कोई फीस नहीं चुकानी होती।

जियो सिनेमा को एंटरटेनमेंट का सबसे मैंगनेटिक डेस्टिनेशन बनाने का मिशन

वायाकॉम 18 में सब्सक्रिप्शन वीडियो-ऑन-डिमांड और इंटरनेशनल बिजनेस के हेड फरजाद पालिया ने कहा कि जियो सिनेमा लाइव स्पोर्ट्स के लिए सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बन गया है। अब हम जियो सिनेमा को एंटरटेनमेंट का सबसे मैंगनेटिक डेस्टिनेशन बनाने के मिशन पर हैं।

एससीओ देशों की बैठक में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भारत के इस प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली । एससीओ के सदस्य देशों के बीच आईसीटी के विकास के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सदस्य देशों में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को विकसित करने के भारत के प्रस्ताव को अपनाया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में शामिल होने के बाद बताया कि यह डीपीआई प्रतिस्पर्धा के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है और यह सुनिश्चित करता है कि प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण किया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सदस्य राज्यों के बीच डिजिटल रूप से समावेशी विकास हो।

तीनों खानों के साथ है मजबूत बंधनः नवाजुद्दीन

-एक्टर ने बताया ये सच, चर्चे में बयान

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में साझा किया कि तीनों खान के साथ काम करने के बाद एक्टर का सलमान खान, आमिर खान और शाहरुख खान के साथ एक मजबूत बंधन है। उन्होंने यह भी कहा कि वे उन्हें और उनके काम को जान गए हैं और इसलिए जब भी उनके पास कोई कंटेंट वाली फिल्म होती है तो वे उन्हें बुला लेते हैं। नवाज ने कहा,उनके साथ काम करना एक बहुत ही एंटरटेनिंग अनुभव है। सलमान हों, शाहरुख हों या आमिर, जब भी कोई कंटेंट बेस्ड फिल्म उनके पास होती है, तो वे मुझे बुलाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे मुझे और मेरे काम को जानते हैं। वे मुझे निजी तौर पर जानते हैं और इसलिए मेरी उनके साथ बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग है। अगर इतना बड़ा सुपरस्टार इतना विनम्रता मुझसे बात करता है तो बेशक मुझे लगेगा कि उन्होंने मुझे अपना रखा है मुझे कि वे मुझे अपना मानते हैं। गौरतलब है कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सलमान खान के साथ किक (2014) और बजरंगी भाईजान (2015) में काम किया है। नवाजुद्दीन ने तलाश (2012) में आमिर खान के साथ काम किया है और उनके प्रोडक्शन पीपली लाइव (2010) में अभिनय किया है। संयोग से, उन्होंने 1999 में आमिर-स्टारर सरफरोश में एक छोटी भूमिका के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की। अंत में, उन्होंने राहुल ढोलकिया की रईस (2017) में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर किया।

रणबीर ने दिया ये जवानी है दीवानी 2 के सीक्वल का हिंट

-लेखक मुखर्जी के पास इसके सीक्वल के लिए बेहतरीन स्टोरी

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म ये जवानी है दीवानी के लीड एक्टर रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान इसके सीक्वल का हिंट दिया है। रणबीर ने बताया है कि लेखक निर्देशक अयान मुखर्जी के पास इसके सीक्वल के लिए बेहतरीन स्टोरी है, हालांकि वो इस बीच फिल्म ब्रह्मास्त्र में व्यस्त हो गए थे। रणबीर कपूर ने हाल ही में एक वर्जुअल चैट सेशन के दौरान अपने फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। रणबीर ने बताया है कि उनके पास फिल्म ये जवानी है दीवानी 2 के लिए बढिय़ा स्टोरीलाइन भी है, जिसमें बनी (रणबीर कपूर), नैना (दीपिका पादुकोण), अवी (आदित्य) और अदिति (काल्कि) की 10 साल बाद जिंदगी कैसी है, ये दिखाया जाएगा। ये जवानी है दीवानी की एंडिंग नैना और बनी के पैचअप से हुई थी, जहां वो अपनी जॉब छोडकर भारत में नैना के साथ ही रहने का फैसला करता है। रणबीर ने कहा, मुझे लगता है कि ये जवानी है दीवानी का अच्छा सीक्वल बनेगा। मुझे याद है कि अयान के पास एक अच्छी स्टोरी है, लेकिन फिर वो ब्रह्मास्त्र में व्यस्त हो गया था। लेकिन ऐसा नहीं है कि ये फिल्म कभी आएगी ही नहीं। हो सकता है कि वो ये जवानी है दीवानी के सीक्वल को 2 साल बाद बनाए। मेरे ख्याल से स्टोरी 10 साल आगे की होगी कि नैना, बनी, अवी और अदिति अब क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इन किरदारों को एक्सप्लोर करना काफी इंट्रेस्टिंग और अच्छा होगा। एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने पहले भी ये जवानी है दीवानी के सीक्वल की बात की है। रणबीर ने कहा था कि डायरेक्टर अयान मुखर्जी ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 और ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 के बीच ये जवानी है दीवानी 2 ला सकते हैं।

उन्होंने कहा था कि अयान अभी ब्रह्मास्त्र में व्यस्त चल रहे हैं, लेकिन वो हमेशा ही मुझसे ये जवानी है दीवानी 2 की बातें करता है। हो सकता है हम ब्रह्मास्त्र पार्ट 1-2 के बीच इसे ले आएंगे। 2013 में रिलीज हुई फिल्म ये जवानी है दीवानी को 40 करोड़ के बजट में तैयार किया गया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 320 करोड़ का कलेक्शन किया था। इस फिल्म को कल्ट स्टेटस मिला हुआ है। इसके गाने बद्तमीज दिल, कबीरा, दिल्लीवाली गर्लफ्रेंड, बलम पिचकारी और इलाही चार्टबस्टर थे, जिन्हें एवरग्रीन ब्लॉकबस्टर साउंडट्रेक का दर्जा मिला है। बता दें कि वर्ष 2013 में प्रदर्शित हुई करण जौहर की अयान मुखर्जी निर्देशित फिल्म ये जवानी है दीवानी ने उस वर्ष युवाओं को अपने साथ कदमताल करने पर मजबूर कर दिया था। युवा निर्देशक द्वारा निर्देशित युवा अभिनीत फिल्म युवाओं के लिए ही थी, जिसे युवाओं के साथ बुजुर्गों ने भी सराहा था। सिर्फ 40 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने उस वर्ष बॉक्स ऑफिस पर 320 करोड़ का कारोबार किया था।

हॉरर जॉनर को वास्तविक क्षमता तक पहुंचना बाकी

-बालीवुड एक्ट्रेस गुल पनाग ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। भारत में हॉरर जॉनर को अभी अपनी वास्तविक क्षमता तक पहुंचना बाकी है। ये कहना है बालीवुड एक्ट्रेस गुल पनाग का। हॉरर जॉनर पर अपने विचार साझा करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, हॉरर-थ्रिलर जॉनर पर मेरे दो विचार हैं, पहला अभिनेता के रूप में और दूसरा एक दर्शक के रूप में। एक अभिनेता के रूप में मेरा विचार है कि हमने भारत में हॉरर-थ्रिलर जॉनर के साथ न्याय नहीं किया है। हमने एक ही तरह का हॉरर-थ्रिलर जॉनर किया है। जबकि इसका दायरा काफी बड़ा है।उन्होंने कोरियाई और जापानी हॉरर के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोर डाला, जिसने पूरी दुनिया में मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, देखिए बाकी दुनिया क्या कर रही है। कोरियाई अपनी हॉरर जॉनर के साथ क्या कर रहे हैं। जापानी आगे हैं। बेशक, हॉलीवुड ने लंबे समय तक अविश्वसनीय हॉरर किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि हॉरर में परफॉर्मेंस करने की गुंजाइश, इंक्रेडिबल विजुअल इफेक्ट्स वाली फिल्मों का हिस्सा बनने की गुंजाइश बहुत बड़ी है। उन्होंने आगे कहा, अब, एक दर्शक के रूप में मुझे व्यक्तिगत रूप से डरावनी फिल्में देखने से डर लगता है। अगर आप शानदार फिल्में बनाते हैं, तो दर्शक डर जाएंगे, जो एक डरावनी फिल्म का प्रमुख लक्ष्य है। द हॉन्टिंग फिलहाल अमेजन मिनी टीवी पर उपलब्ध है। बता दें कि हॉरर शॉर्ट फिल्म मौसमी नाम की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर भूतों का साया है। उस पर अपने सबसे करीबी दोस्त की हत्या का आरोप है। एक्ट्रेस ने शॉर्ट फिल्म में एक मनोचिकित्सक की भूमिका निभाई है, जिसमें एरिका फनार्डीस और प्रकृति मिश्रा भी हैं। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित बताई जा रही है और इसका निर्देशन तनवीर बुकवाला ने किया है।

ब्लेजर और अल्ट्रा मिनी स्कर्ट में दिखी जूलिया फॉक्स

अमेरिकन अभिनेत्री जूलिया फॉक्स अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। फैंस 33 वर्षीय जूलिया फॉक्स के बड़े दीवाने हैं। हाल ही में जूलिया को यूनिवर्सल सिटी में यूनिवर्सल पिक्चर्स में एक जरूरी बैठक में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने स्टाइलिश लुक से सभी को इम्प्रेस करती नजर आईं। अब उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इस दौरान जूलिया ब्राउन ब्लेजर के साथ ब्लैक अल्ट्रा मिनी स्कर्ट में काफी बोल्ड नजर आईं और अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती दिखीं। इसके साथ ही उन्होंने ब्राउन कलर की हाई हील पेयर की। चेहरे पर ट्रांसपेरेंट गॉग्लस और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को पूरा किया है और हाथ में एक छोटा सा पर्स कैरी किए कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं।

उतार-चढ़ाव से गुजर रही पोन्नियन सेल्वन-2

-दुनिया भर में है सुपरहिट

मुंबई (ईएमएस)। निर्देशक मणिरत्नम की पोन्नियन सेल्वन का दूसरा भाग 28 अप्रैल को प्रदर्शित हुआ। पिछले दो सप्ताह से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। वीकेंड फिल्म के लिए पैसा वसूल साबित हो रहा है। अब देखना होगा कि क्या फिल्म इस वीकेंड एक बार फिर रफ्तार पकड़ पाती है या नहीं। जैसा कि पहले बताया गया था, पोन्नियन सेल्वन 2 ने दो सप्ताह से भी कम समय में दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म निमार्ताओं और थिएटर मालिकों के लिए काफी लाभदायक रही है। पोन्नियन सेल्वन-2 ने भारी उम्मीदों के बीच 28 अप्रैल को स्क्रीन पर धूम मचाई। बता दें कि पोन्नियिन सेलवन एक पीरियड ड्रामा है, जिसे कल्कि कृष्णमूर्ति द्वारा लिखे गए इसी नाम के लोकप्रिय साहित्यिक उपन्यास से रूपांतरित किया गया है। फिल्म में संगीत एआर रहमान ने दिया है। चियान विक्रम, ऐश्वर्या राय बच्चन, कार्थी, तृषा और जयम रवि मुख्य भूमिकाएँ निभाते हैं।

ऐश्वर्या लिक्ष्मी, शोभिता धूलिपाला, जयराम, प्रकाश राज, विक्रम प्रभु, सरथकुमार, पार्थिबन और प्रभु सहायक कलाकार हैं। चियान विक्रम, ऐश्वर्या राय बच्चन, तृषा, कार्थी और जयम रवि को उनके प्रदर्शन के लिए सराहना मिली। इस सप्ताह पीएस 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर एक नया मुकाम हासिल किया है। सोमवार (8 मई) के मुकाबले मंगलवार (9 मई) को कलेक्शन में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली। शुरूआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म ने भारत में 3.53 करोड़ रुपये की कमाई की है। जबकि तमिल संस्करण असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, अन्य संस्करण परिणाम नहीं दे रहे हैं। तमिल संस्करण ने 9 मई को 24.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। भारत में 12 दिनों का कुल संग्रह अब 158.35 करोड़ रुपये है।

भोलेनाथ के रंग में रंगी नजर आ रही सारा अली खान

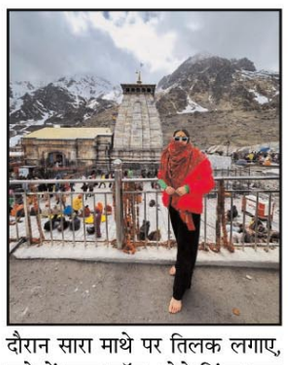

मोस्ट ब्यूटीफुल और टैलेंटेड एक्ट्रेस सारा अली खान उत्तराखंड पहुंची हुई हैं। एक्ट्रेस ने वहां से अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं, जो फैंस का खूब दिल जीत रही हैं। वहां पहुंचकर एक्ट्रेस भोलेनाथ के रंग में रंगी नजर आ रही हैं। फैंस सारा की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। दरअसल, सारा अली खान ने केदारनाथ में भोले बाबा के दर्शन किए और वहां पहाड़ों के बीच खूबसूरत फोटोशूट भी करवाया। इस दौरान सारा माथे पर तिलक लगाए, गले में लाल शॉल ओढ़े विंटर लुक में काफी अट्रैक्टिव लग रही हैं और मंदिर के पास खड़े होकर पोज दे रही हैं। अन्य कई तस्वीरों में वह बर्फ की बिछी सफेद चादरों में पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सारा ने कैप्शन में लिखा- मैं पहली बार इन जगहों पर आई थी। मैंने कभी कैमरा का सामना नहीं किया था। आज मैं इसके बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकती। मैं जो हूं उसे बनाने और मुझे वह सब देने के लिए धन्यवाद केदारनाथ जो मेरे पास है।

फिल्मों में अपनी आवाज देंगे शुभमन गिल

क्रिकेटर शुभमन गिल के फैंस के लिए खुशखबरी है। खेल की दुनिया में मशहूर शुभमन अब फिल्मों में अपना जलवा दिखाएंगे। जी हां, क्रिकेटर जल्द ही स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स में नजर आएंगे। फिल्म के द्वारा वह हॉलीवुड में प्रवेश करने वाले हैं। गिल हॉलीवुड फिल्म स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स का हिस्सा बनने वाले है। वह फिल्म के हिंदी और पंजाबी वर्जन में अपनी आवाज देने वाले हैं। बता दें कि स्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स 2 जून को रिलीज होने वाली है। वहीं क्रिकेटर गिल फिल्म ह्यस्पाइडर-मैनः अक्रॉस द स्पाइडर-वर्स के अलावा अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। कई बार उनका नाम सैफ अली खान की बेटी अभिनेत्री सारा अली खान से जुड़ चुका है। सारा के शुभमन का नाम अलावा सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर से भी जोड़ा जाता है। हालांकि, इन खबरों को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई हैं।

खेसारीलाल यादव की फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' 2 जून को रिलीज होगी

भोजपुरी सिनेमा के हिट मशीन सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की नई फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' 2 जून को देशभर में रिलीज होगी। फिल्म रहस्यमयी प्रेम कहानी पर आधारित है। निमार्ता निर्देशक लाल विजय शाहदेव हैं, जबकि निमार्ता राकेश डांग और दीपक सिम्हल हैं। जोधा अकबर में सलीम की भूमिका से लोकप्रियता पाने वाले अभिनेता रवि भाटिया इस फिल्म में स्पेशल एपीयरेंस में नजर आएंगे। नदिया के पार के बाद इस तरह की यह फिल्म पहली है, जो अवधी भाषा में है और जिसे हिंदी के दर्शक भी आसानी से समझ सकते हैं। फिल्म को लेकर निर्देशक लाल विजय शाहदेव ने बताया कि इस फिल्म की कहानी के बारे में पहले से बताना सही नहीं होगा, लेकिन इतना तय है कि यह फिल्म मनोरंजन के एक अलग ही लेवल पर ले जाने वाली है और दर्शक अंत तक एक रहस्य से जुड़े रहेंगे। फिल्म में खेसारीलाल यादव का अभिनय भी मुख्य आकर्षण होने वाला है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही यू-ट्यूब पर रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। फिल्म 'मेरे नैना तेरे नैना' में खेसारी लाल यादव के साथ खुशबू शर्मा, कामाक्षी ठाकुर, नीना चीमा, रितु शर्मा, निशिकांत दीक्षित और चुन्नू मेहरा मुख्य भूमिका में है। इस फिल्म की सह निमार्ता अमृता शाहदेव व मधुकर वर्मा, लेखक लाल विजय शाहदेव व केदार धारवाडकर हैं।

द केरला स्टोरी बैन करना बिल्कुल गलत

द केरला स्टोरी फिल्म मेकर अनुराग कश्यप ने पश्चिम बंगाल में फिल्म को बैन पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया, आप फिल्म से सहमत हों या नहीं, चाहे वह प्रचार हो या प्रोपैगैंडा, इस पर प्रतिबंध लगाना गलत है। उन्होंने फ्रांसीसी दार्शनिक वोल्टायर का एक उद्धरण भी साझा किया, जिसमें लिखा थाः मैं आपकी बातों से सहमत नहीं हूं, लेकिन मैं इसे कहने के आपके अधिकार की अंत तक रक्षा करूंगा। अनुराग कश्यप ने ट्वीट किया कि किसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाना बिल्कुल गलत है, भले ही यह प्रोपेगैंडा हो। उन्होंने लोगों से अफवाह देखने को कहा, जो सोशल मीडिया के दुरुपयोग के खिलाफ बात करती है और नफरत और अशांति पैदा करने के लिए निहित पूर्वाग्रह को कैसे हथियार बनाया जाता है। उन्होंने ट्वीट किया, आप दुष्प्रचार से लड़ना चाहते हैं।

जेनिफर मिस्त्री के आरोपों पर 'तारक मेहता' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने दी सफाई

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक बार फिर विवादों में घिर गया है। इस सीरियल में रोशन सिंह सोढ़ी की वाइफ का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री-बंसीवाल ने सीरियल छोड़ने के साथ ही शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी और क्रू मेंबर्स पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद सीरीज के निमार्ताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सीरियल के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री के आरोपों को गलत बताया है। निमार्ता असित कुमार मोदी ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "यह सिर्फ एक झूठा और निराधार आरोप है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। वह सिर्फ मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। मैं उस आरोप को कभी स्वीकार नहीं करूंगा। सभी जानते हैं कि मैं असल जिंदगी में कैसी हूं। हम लोगों ने ही उसे शो से निकाला था। मेरी टीम और मैंने उसे इसे छोड़ने के लिए कहा है। हमारे पास सारे सबूत हैं। मेरा प्रोडक्शन आप सभी को जल्द ही सभी सबूत और दस्तावेज भेजेगा। चूंकि वह झूठे और निराधार आरोप लगाकर शो और मेरी छवि को खराब करने की कोशिश कर रही है, इसलिए हम उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।" जेनिफर मिस्त्री के बारे में प्रोडक्शन हाउस "नीला टेलीफिल्म्स" की टीम द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा, "वह सेट पर बिल्कुल भी अच्छा व्यवहार नहीं कर रही थीं।

वह अपने काम पर ध्यान नहीं दे रही थी। उसके व्यवहार की वजह से हम रोज प्रोडक्शन हेड से शिकायत करते थे। इतना ही नहीं, आखिरी दिन उन्होंने पूरी यूनिट के सामने सेट पर गाली गलौज की। शूट भी पूरा नहीं किया और सेट पर सभी को गालियां दीं।" इसमें आगे कहा गया, "उसने शो की पूरी टीम के साथ हमेशा बदसलूकी की। शूटिंग से बाहर निकलते समय, उन्होंने अपनी कार तेज कर दी और रास्ते में आने वाले लोगों से टकरा गईं। इतना ही नहीं उन्होंने सेट पर मौजूद संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। शूटिंग के दौरान उसके बुरे व्यवहार के कारण हमें उसका अनुबंध रद्द करना पड़ा। इस घटना के वक्त असित मोदी अमेरिका में थे। अब वह हम पर बेबुनियाद आरोप लगाकर शो की छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं। हमने इन बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है।"

सूडोकु नवताल- 6430

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6429 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्दजाल - 7177

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बां	ट
द	ज	ल	श	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	रा	दी	छ	ज	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	का	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	ब	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

शब्दजाल में 'अमिताभ'अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अजनबी,मेजर साब,मोहब्बतें,बागबां, आंखें,खुदा गवाह,शराबी,अंधा कानून, कालिया,सुहाग

शब्दजाल - 7176 का हल

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पा	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6130

5		2	4	1		
	33		23		33	6
3	7	6			4	5
	42		29		25	
		5		3	2	1
6	37	7	38		33	
	2		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6129 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	30	7	31	4	34	2
1	5	4	3	2	7	6
5	28	6	31	6	39	3
4	2	1	6	3	5	7
3	30	5	32	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सचिन तेंदुलकर ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया : कहा- मेरी फोटो और आवाज का इस्तेमाल कर लोगों को गुमराह किया जा रहा

मुंबई ।
पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मुंबई क्राइम ब्रांच के साइबर सेल में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि इंटरनेट पर चल रहे फेक एडवर्टाइजमेंट में उनके नाम, फोटो और आवाज का इस्तेमाल किया गया है। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में धाराओं 420, 465 और 500 के तहत मामला दर्ज किया है। इसमें धोखाधड़ी, जालसाजी और अधिनियम की संबंधित धाराएं शामिल हैं। सचिन की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस की साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है।

फेक एडवर्टाइजमेंट में सचिन का नाम, फोटो और आवाज

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेंदुलकर की तरफ से यह शिकायत उनके पर्सनल असिस्टेंट ने दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया कि इंटरनेट पर चल रहे एक फेक एडवर्टाइजमेंट में सचिन का नाम, फोटो और आवाज का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही विज्ञापन में नीचे लिखा हुआ था कि प्रोडक्ट को खुद सचिन ने रिकमेंड किया है। इसके जरिए लोगों से ठगी कि जा रही है। सचिन ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है।

सचिन के साथ यह पहला मामला नहीं

सचिन के फोटो का गलत इस्तेमाल का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले पिछले साल गोवा के बिग डैडी नाम के कसीनो ने अपने प्रमोशन के लिए सचिन की इजाजत लिए बिना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी फोटो का इस्तेमाल किया था। सचिन ने उसकी जानकारी भी सोशल मीडिया के जरिए दी थी। हालांकि सचिन ने अपनी पोस्ट में कसीनो के नाम का जिक्र नहीं किया था। सचिन ने कहा- मेरी लीगल टीम कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है, चूंकि लोगों को यह जानकारी देना जरूरी था, इसलिए मैंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

2013 में क्रिकेट से लिया था संन्यास

सचिन तेंदुलकर ने 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। फिलहाल वे इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के मेंटॉर के रूप में जुड़े हुए हैं। कभी-कभी वे कमेंट्री करते भी दिखाई देते हैं। उन्होंने 200 टेस्ट में 15 हजार 921 और 463 वनडे में 18 हजार 426 रन बनाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीएसके टीम में आकर धोनी की कप्तानी में खेलना रहाणे के लिए बड़ी बात

मुंबई । अजिंक्य रहाणे ने दावा किया है कि उनके आईपीएल 2023 के शानदार अभियान के बाद चेन्नई

सुपर किंग्स में आना और एमएस धोनी की कप्तानी में खेलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। आपको बता दें कि रहाणे सीएसके टीम में अपने समय का पूरा आनंद ले रहे हैं क्योंकि उन्होंने इस सीजन में खुद को एक टी20 खिलाड़ी के रूप में फिर से स्थापित किया है। भारतीय बल्लेबाज ने इस सीजन में खेले नौ मैचों में 171.61 की स्ट्राइक रेट से 266 रन बनाए हैं और इस शानदार प्रदर्शन के चलते उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम में भी जगह बनाई है। अपने बयान में रहाणे ने कहा कि उन्होंने धोनी से कप्तानी और नेतृत्व के बारे में बहुत कुछ सीखा। सीएसके में आना और एक बार फिर धोनी के लिए खेलना उनके लिए बहुत बड़ी बात है और वह इस सीजन में पूर्व भारतीय कप्तान से बहुत कुछ सीखेंगे। रहाणे ने कहा कि मेरे पहले कप्तान एमएस थे और मैंने उनकी कप्तानी और नेतृत्व से बहुत कुछ सीखा। जब मैं कप्तान था या टीम का नेतृत्व किया, तो मेरे लिए यह हर एक व्यक्ति को अलग तरीके से प्रबंधित करने के बारे में था। क्योंकि हर व्यक्ति का एक अलग तरीका होता है, पद्धति और खेलने की शैली होती है। इसलिए, मेरे लिए, यह आमने-सामने बातचीत करने के बारे में है, जिसमें मैं हमेशा विश्वास करता हूं। रहाणे ने आगे कहा कि लेकिन यहां आना और मेरे लिए फिर से एमएस के तहत खेलना, यह बहुत बड़ी बात है। मैं निश्चित रूप से उनसे बहुत कुछ सीखने वाला हूं, लेकिन एमएस को इनपुट देते हुए, मैं इस बारे में निश्चित नहीं हूं। वह अनुभवी है और हम सभी जानते हैं कि वह लीडर हैं। वह इसे वास्तव में अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं। वह खेल को वास्तव में अच्छी तरह से समझते हैं। एक बात मुझे यकीन है कि मैं इस सीजन में उससे बहुत कुछ सीखूंगा।

हृदय और नैन्सी ने साधा रजत पदक पर निशाना, भारत के खाते में अब तक पांच मेडल

बाकू । पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन हृदय हजारिका और हरियाणा की नैन्सी ने यहां चल रहे सीनियर निशानेबाजी विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में क्रमश पुरुष और महिला वर्ग का रजत पदक अपने नाम किया। असम के निशानेबाज हजारिका ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। 24 शॉट के मुकाबले में उनका न्यूनतम स्कार 10.1 रहा। इसी तरह नैन्सी का फाइनल में न्यूनतम स्कार 10.2 था। हृदय को हंगरी के जालान पेकलर से हार मिली जिन्होंने भारतीय निशानेबाज के 251.9 के मुकाबले 252.4 का स्कोर किया। उधर नैन्सी की फाइनल के अंतिम दो शॉट से पहले चीन की हैन जियायू के खिलाफ 0.1 की बढ़त थी लेकिन फिनिश बेहतर नहीं हो सकी। चीनी निशानेबाज ने 254.0 का स्कोर किया जबकि नैन्सी 253.3 ही कर सकीं। अभी विश्वकप दो दिन और चलेगा। भारत और चीन के बीच कड़ी होड़ चल रही है। चीन के पदक तालिका में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हैं जबकि भारत के एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक है।

सीजन में 51 गोल करने वाले हालैंड सर्वश्रेष्ठ फुटबालर बने, महिलाओं में केर ने जीता खिताब

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के लिए अपने पदार्पण सत्र में दमदार प्रदर्शन के लिए युवा फॉरवर्ड एर्लिंग हालैंड इंग्लैंड

में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर चुने गए हैं। वहीं, चेल्सी की स्ट्राइकर सैम केर महिला वर्ग में लगातार दूसरी बार श्रेष्ठ फुटबालर बन गईं। ये पुरस्कार फुटबाल राइटर्स संघ द्वारा दिए जाते हैं और उन्होंने बताया कि हालैंड को 82 प्रतिशत वोट मिले हैं। हालैंड ने इस पुरस्कार की दौड़ में आर्सेनल के खिलाड़ी बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड को पछाड़ दिया। 22 वर्षीय नॉर्वे के हालैंड सभी टूर्नामेंटों में खेलते हुए 51 गोल कर चुके हैं और उनकी मदद से मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग, एफए कप और चैंपियंस लीग का खिताब जीतने की दौड़ में है। उन्होंने प्रीमियर लीग के एक सत्र में सर्वाधिक गोल (35) करने का भी रिकॉर्ड बनाया हुआ है। वहीं, केर के अलावा एस्टन विला की फॉरवर्ड राचेल डैली और चेल्सी की लौरेन जेम्स सर्वश्रेष्ठ फुटबालर बनने की दौड़ में थीं, लेकिन केर ने दोनों को पीछे छोड़ते यह पुरस्कार अपने नाम किया। 29 वर्षीय ऑस्ट्रेलिया की केर ने चेल्सी के लिए इस सत्र में 34 क्लब मैचों में 26 गोल दागे हैं। केर पहली ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने यह पुरस्कार लगातार दो साल जीता है।

कुश्ती संघ के सभी पदाधिकारियों पर प्रतिबंध

भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने अकाउंट्स-दस्तावेज मंगाए, 45 दिन में होंगे चुनाव

पानीपत ।
भारतीय ओलिंपिक संघ ने भारतीय कुश्ती संघ के सभी पदाधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। आईओए के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कुश्ती संघ को आदेश जारी कर उसके सभी पदाधिकारियों के प्रशासनिक, आर्थिक कार्य पर रोक लगा दी है। आईओए ने कुश्ती संघ से सभी दस्तावेज, अकाउंट्स और विदेशी टूर्नामेंटों के लिए भेजी जाने वाली एंट्री का लॉगिन, वेबसाइट संचालन तत्काल उसे सौंपने को कहा है। आईओए ने यह कदम खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव रद्द कर आईओए की अस्थायी समिति को संघ के चुनाव कराने और उसके संचालन का जिम्मा सौंपे जाने के बाद उठाया है। बता दें कि देश के कई नामी पहलवान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से धरना दे रहे हैं।

45 दिन में होंगे चुनाव

कुश्ती संघ के चुनाव 45 दिन में कराने के आदेश खेल मंत्रालय ने आईओए को दिए हैं। इसके लिए तीन सदस्यीय अस्थायी समिति का गठन 3 मई को किया गया था। जिसमें वूशु संघ के भूपेंदर सिंह बाजवा, ओलंपियन निशानेबाज सुमा शिरूर और एक सेवानिवृत जज को शामिल किया गया है। इस समिति ने अपना कार्यभार भी संभाल लिया है। उसकी अगुआई में अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप की टीम का चयन ट्रायल

भी घोषित कर दिया गया है।

बृजभूषण का भी कार्यकाल खत्म, अब नए चुनावों में मिलेगा अध्यक्ष

पहलवानों की ओर लगाए गए यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण शरण सिंह बतौर अध्यक्ष 4 साल के तीन कार्यकाल पूरे कर चुके हैं। खेल संहिता के मुताबिक वह अब इस पद पर चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो चुके हैं। जनवरी में पहलवानों के पहले धरने के वक्त खेल मंत्रालय की ओर से खिलाड़ियों की मांग पर बृजभूषण को फेडरेशन की सभी गतिविधियों से दूर रहने के बारे में कहा गया था। साथ ही आईओए की गठित ओवरसाइट कमेटी को ही इसका संचालन सौंपा गया था। कागजी कार्रवाई के हिसाब से बृजभूषण फेडरेशन से 5 माह से अलग ही हैं। इधर, बृजभूषण भी स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने यह नहीं कहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। बस अध्यक्ष पद पर चुनावों से इंकार किया था।

एक और महिला पहलवान के दर्ज हुए बयान

दिल्ली पुलिस ने एक और शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए गए थे। दिल्ली पुलिस ने धारा 164 के तहत बयान दर्ज किए। महिला पहलवानों के वकील नरेंदर हुड्डा के अनुसार, अब तक दिल्ली पुलिस सात में से दो शिकायतकर्ताओं के बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज करा चुकी है। इससे पहले नाबालिग शिकायतकर्ता का भी बयान दर्ज किया गया था।

पहलवानों ने बल्क कॉल का लिया सहारा

धरने पर बैठे पहलवानों ने अब देशवासियों से उनसे जुड़ने के लिए बल्क कॉल का सहारा लिया है। बजरंग पूनिया की रिकॉर्डिंग में कॉल आने लगी है। जिसमें कहा गया है कि नमस्कार जी, मैं बजरंग पूनिया बोल रहा हूं। जैसे आप सभी को पता है कि हम जंतर-मंतर पर अपनी देश की बेटियों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। आप भी इस न्याय की लड़ाई में हमसे जुड़ने के लिए 1 दबाए।

साक्षी मलिक के गांव मोखरा में मनाया काला दिवस

साक्षी मलिक के गांव मोखरा में काला दिवस मनाया गया है। मोखरा तपा के प्रधान रामकिशन मलिक के नेतृत्व में महिलाओं व ग्रामीणों ने काली पट्टियां बांधकर बृजभूषण को गिरफ्तार करो के नारे लगाए।

टॉपस स्कीम में विनेश-बजरंग शामिल

जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवान बजरंग और विनेश फोगाट को एशियाई खेलों और ओलिंपिक की तैयारियां कराने वाली टारगेट ओलिंपिक पोडियम स्कीम में बरकरार रखा गया है। मिशन ओलिंपिक सेल ने पिछले प्रदर्शन के आधार पर 27 नए खिलाड़ियों को टॉप्स के कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप में शामिल किया, जबकि कई खिलाड़ियों को बाहर भी किया।

एमओसी ने धरने पर बैठने के बावजूद इन दोनों खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में पदक का दावेदार माना है। उम्मीद लगाई जा रही थी कि लंबे समय से नहीं खेलने के कारण बजरंग और विनेश को टॉप्स से बाहर किया जा सकता है, लेकिन एमओसी ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया।

आईपीएल की टीवी व्यूअरशिप बढ़ी

पिछले सीजन से 21प्रतिशत ज्यादा व्यूअर 5 हफ्ते में आ गए; 45.1 करोड़ लोगों ने देखा टूर्नामेंट

मुंबई ।
इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के शुरुआती 5 हफ्तों में 451 मिलियन (45.1 करोड़) लोगों ने टीवी पर मैच देखे, जो कि पिछले पूरे सीजन की तुलना में 21प्रतिशत ज्यादा है। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की।

आंकड़ों के अनुसार, आईपीएल के इस सीजन के टीवी ब्रॉडकास्टर डिज्नी स्टार ने पांच हफ्ते में खेले गए 48 मैचों में 266 बिलियन (2660 करोड़) मिनट का वॉच टाइम दर्ज किया है। यह कोविड के समय को छोड़कर अब तक का दूसरा सबसे अधिक वॉच टाइम है।

शुरुआती 48 मैचों के लिए टीवी रेटिंग में 29प्रतिशत की वृद्धि

बीएआरसी के डाटा अनुसार, शुरुआती 48 मैचों के लिए टीवी रेटिंग में 29प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि चैनलों की पहुंच 86 मिलियन (8.6 करोड़) तक हो गई है, जो कि पिछले साल की तुलना में 3.4 गुना ज्यादा है। डिज्नी स्टार के आईपीएल ब्रॉडकास्टर के अनुसार, हिंदी भाषी बाजारों में अब तक की सबसे ज्यादा पहुंच दर्ज की गई। टीवी ब्रॉडकास्टर ने दिल्ली, मुंबई और कर्नाटक में भी अब तक की दूसरी सबसे अच्छी पहुंच दर्ज की।

आईपीएल के 16वें एडिशन को दो अलग-अलग मीडिया नेटवर्क ब्रॉडकास्ट कर रहे हैं। रिलायंस के जियो सिनेमा के पास डिजिटल और स्टार स्पोर्ट्स के पास टेलीविजन के राइट्स हैं। डिज्नी स्टार ने भारतीय महाद्वीप के टीवी राइट्स को 23,575 करोड़ रुपए में खरीदा था। वहीं वायकॉम 18 (जियो सिनेमा) ने भारतीय महाद्वीप के डिजिटल राइट्स को 20,500 करोड़ रुपए में और चुनिंदा 98 मैचों के नॉन एक्सक्लूसिव डिजिटल राइट्स को 3,258 करोड़ रुपए में खरीदा था। वायकॉम 18 जियो सिनेमा पर आईपीएल के मैच फ्री में भी दिखा रहा है।

किदांबी श्रीकांत ने निजी कोच का किया चुनाव, पेरिस ओलम्पिक से पहले विएम्पी महरदी को किया नियुक्त

नई दिल्ली ।
भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया के विएम्पी महरदी को अपना निजी कोच चुन लिया है। किदांबी पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले अपने फॉर्म को वापस पाना चाहते हैं। फिलहाल वह अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन टीम वर्तमान में पूर्णकालिक विदेशी कोच के बिना है। बता दें कि नवंबर 2021 में अगस ड्वी सैंटोसो न भारतीय पुरुष एकल कोच के रूप में अपनी भूमिका छोड़ दी और तब से भारतीय बैडमिंटन टीम बिना कोच के है। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए 1 मई से 28 अप्रैल 2024 तक क्वालीफिकेशन पीरियड चलेगा। इसके लिए किदांबी श्रीकांत ने विदेशी कोच का विकल्प चुना है। गौरतलब हो कि पूर्व विश्व नंबर-1 खिलाड़ी श्रीकांत ने बैडमिंटन टूर्नामेंट में बेहरीन प्रदर्शन किया है। इसमें उनके इंडोनेशियाई कोच का समर्थन मिला है। वह पूर्व कोच अगस ड्वी सैंटोसो की ट्रेनिंग के

बाद 2021 में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलड़ी बने थे। 2017 में श्रीकांत ने एक ही सीजन में चार बीडब्ल्यूएफ खिताब जीते हैं। यह सफलता भी इंडोनेशियाई कोच मुल्यो हांडोयो की कोचिंग में मिली थी। श्रीकांत ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ के चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

दीपक और हुसामुद्दीन को कांस्य से करना पड़ा संतोष, दोनों सेमीफाइनल में हारे

ताशकंद । भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने एक बयान में कहा कि हुसामुद्दीन ने चोट के कारण वाकओवर दे दिया। उनके पिछले मुकाबले के दौरान घुटने में चोट लग गई थी, जिसमें दर्द और सूजन थी। टीम प्रबंधन ने फैसला किया कि हुसामुद्दीन सेमीफाइनल में नहीं उतरेंगे। उनकी चोट के बढ़ने का खतरा था। हुसामुद्दीन पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे थे। सेमीफाइनल में उन्हें क्यूबा के सैडल होर्टा के खिलाफ खेलना था। भारत के अन्य मुक्केबाज निशांत (71 किग्रा) भी सेमीफाइनल में हैं। उन्हें कजाखस्तान के एशियाई चैंपियन अस्लानबेक शिमबेरगेनोव के खिलाफ रिंग में उतरना है।

निशानेबाजी विश्व कप : रिदम ने तोड़ा पुराना विश्व रिकॉर्ड, लेकिन बाकू में पदक से चूकीं

नई दिल्ली ।
रिदम सांगवान ने 29 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया, लेकिन अजरबैजान के बाकू में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में दूसरा पदक जीतने से चूक गईं और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में आठवें स्थान पर रहीं।

रिदम, जिन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य के साथ पहली बार व्यक्तिगत सीनियर विश्व कप स्टेज पदक जीता, ने दिन की शुरूआत में 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचने के लिए 595 का शानदार स्कोर बनाया, और बुल्गारिया की डायना इगोर्वा द्वारा 1994 में मिलान में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इसके बाद दो बार इसकी बराबरी की गई थी, हाल ही में जर्मन डोरेन वेनेकैंप ने इस साल मार्च में भोपाल विश्व कप में बराबरी की थी। डोरेन ने यहां बाकू में कांस्य जीता, जबकि चीन की फेंग सिक्सुआन ने फाइनल में 38 हिट के साथ लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता, जबकि ईरानी रजत पदक विजेता हनियाह रोस्तमियान ने 33

हिट किए। रिदम आठ महिला फाइनल में पहली चार पांच-शॉट सीरीज में 10 हिट के साथ सबसे पहले बाहर हुई थी।

रिदम ने वास्तव में उस दिन दो विश्व रिकॉर्ड तोड़े क्योंकि उन्होंने जूनियर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

भारत ने टूर्नामेंट में पहली बार नो-मेडल डे दर्ज किया, भले ही रिदम क्वालीफिकेशन में 595 के साथ शीर्ष पर रही, टीम की साथी ईशा सिंह और मनु भाकर क्रमश: 582 और 578 के स्कोर के साथ 13वें और 27वें स्थान पर रहीं। रैंकिंग अंक के लिए खेल रहे अभ्याद अशोक पाटिल ने 576 का स्कोर दर्ज किया।

इसके अलावा, दिन के दूसरे फाइनल में, पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3 पी) में सभी तीन भारतीय दावेदार शीर्ष आठ पोजीशन से पिछड़ गए। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 586 अंक के साथ 10वें स्थान पर रहे जबकि अखिल श्योराण 585 के साथ 13वें और स्वप्निल कुसले 583 के स्कोर के साथ 22वें स्थान पर रहे। पंकज मुखर्जी ने केवल 581 अंक हासिल किए।

उसी दिन पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) के लिए पहला प्रीसिजन क्वालिफिकेशन राउंड हुआ, जहां भारत के विजयवीर सिद्धू ने 293 का ठोस स्कोर बनाया और वर्तमान में शीर्ष स्कोर में शामिल हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन आरएफपी फाइनल से पहले योग्यता का दूसरा रैपिड-फायर राउंड होगा। बाकू विश्व कप का फाइनल महिला 3पी होगा।

शोल्डर ब्लेड से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले अभिषेक की कहानी

बचपन में खींचते थे घर के दरवाजे, 2 साल प्रैक्टिस कर किया था वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए दावा

सागर ।
सागर के 54 किलो के अभिषेक चौबे ने इटली के मिलान शहर में 18 अप्रैल को शोल्डर ब्लेड से 1294 किलो वजनी गाड़ी खींचकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने 2017 में बनाया खुद का ही रिकॉर्ड तोड़ा है। अभिषेक ने अपने हुनर और वर्ल्ड रिकॉर्ड तक पहुंचने के सफर की कहानी बताई।

अभिषेक ने कहा कि बात 2010 की है। मैं 12 साल का था। तभी से खुद को टीवी में देखना चाहता था। दोस्तों के साथ मैदान में खेलने जाता था। जहां मैं दोस्तों से शोल्डर ब्लेड पकड़ने का बोलता था और उन्हें खींचता था। घर आकर शोल्डर ब्लेड से घर के दरवाजे खोलता और बंद करता था। यह सब मेरे पापा देखा करते थे। उन्हें मुझमें अलग हुनर दिखा तो उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। मैंने करीब एक साल तक प्रैक्टिस की।

2011 में पहली बार बाइक को शोल्डर ब्लेड से खींचा। पहले एक बाइक, फिर दो और उसके बाद एक साथ तीन बाइक को खींचा। खुद को तैयार करने के बाद 2012 में मैंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए दावा किया। उस समय मेरी उम्र 14 साल थी। उम्र के कारण मुझे रिकॉर्ड के लिए शामिल नहीं किया गया। इसके बाद मैंने 2017 में दोबारा दावा पेश किया। इस बार मुझे रिकॉर्ड के लिए शामिल किया गया। इसमें प्रदर्शन करते हुए 1070 किलोग्राम वजनी वाहन खींचकर मैंने विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद मैं रुका नहीं। लगातार प्रैक्टिस करता रहा। नतीजा अप्रैल में इटली के मिलान शहर में आयोजित शो में मैंने अपने ही वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इटली जाते समय एयरपोर्ट पर गुम गया था बैग - अभिषेक ने बताया कि इटली के प्रसिद्ध शो लो शो डि रिकॉर्ड (गिनीज बुक रिकॉर्ड का शो) में शामिल होने के लिए मेरे पास वीजा नहीं था। मैंने दूतावास और शो के आयोजकों से बात की। तब मुझे 7 दिन के अंदर वीजा मिला। मैं इटली पहुंचा तो मेरा बैग नहीं मिला। बैग मैं वुडन ब्लॉक समेत अन्य जरूरी सामान था। बैग गुम जाने के कारण मुझे वहां शो की तैयारी करने में काफी परेशानियों

का सामना करना पड़ा। वहां मुझे नया वुडन ब्लॉक बनाकर दिया गया, जो ठीक नहीं था, लेकिन फिर भी मैंने 1294 किलो वजनी वाहन को खींचकर रिकॉर्ड बनाया है।

बी. कॉम तक की पढ़ाई, अब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी - अभिषेक चौबे ने डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी से बी. कॉम तक पढ़ाई की है। वे इस समय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अभिषेक ने बताया कि शोल्डर ब्लेड से वजन खींचने के लिए मुझे अपनी बॉडी को मेंटेन करके रखना पड़ता है। मैं अपना वजन और मसल नहीं बढ़ा सकता हूं। यदि वजन और मसल बढ़ी तो शोल्डर ब्लेड की पकड़ कमजोर पड़ेगी और वजन नहीं खींच पाऊंगा। इस समय मेरा वजन 54 किलो है।

पिता हैं रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी - अभिषेक ने बताया कि उनके घर में पांच सदस्य हैं। पिता अवधेश चौबे डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। मां गृहिणी हैं। घर में भाई, भाभी और एक भतीजा है। वे अपना खर्च चलाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की ऑनलाइन बिक्री करते हैं। अभिषेक ने कहा कि वे सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। जिसकी तैयारी कर रहे हैं। वहीं, शोल्डर ब्लेड से वजन खींचने की विधा में वे लो शो डि रिकॉर्ड शो में अगले साल भी जाना चाहते हैं और अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर नया रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं।

54 किलो के अभिषेक ने 1294 किलो वजन खींच बनाया है रिकॉर्ड - अभिषेक चौबे उम्र 25 साल निवासी राजीव नगर तिली वार्ड अप्रैल माह में इटली के मिलान शहर में लो शो डि रिकॉर्ड शो (गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का शो) में शामिल हुए थे। जहां अभिषेक ने 1294 किलोग्राम की गाड़ी को शोल्डर ब्लेड से 15 फीट से अधिक दूरी तक खींचकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इस शो में भारत से अभिषेक के अलावा पाकिस्तान, इंग्लैंड, अमेरिका, स्पेन, अर्जेंटीना, रोमानिया, जापान, इटली समेत देशों से सबसे बेहतरीन रिकॉर्ड होल्डर्स शामिल हुए थे। अभिषेक ने 2017 में शोल्डर ब्लेड से 1070 किलोग्राम की गाड़ी को खींचकर पहला वर्ल्ड रिकार्ड बनाया था।

... तो मुश्किल होगा नौकरी ढूंढना

धूम्रपान केवल सेहत को ही नहीं, बल्कि कामकाज और आमदनी को भी प्रभावित करता है। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति की आमदनी धूम्रपान न करने वाले व्यक्ति से काफी कम होती है। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर और इस शोध के प्रमुख जूडिथ प्रोचास्का के अनुसार, धूम्रपान से सेहत को खतरा होता है ये बात तो हम सालों से सुनते आ रहे हैं लेकिन इस नए शोध में कहा गया है धूम्रपान से आमदनी पर भी असर पड़ता है। इस नए शोध में जूडिथ और उनके दल ने 131 ऐसे लोगों को शामिल किया जो बेरोजगार थे और धूम्रपान करते थे। इसके साथ ही इस शोध में 120 ऐसे बेरोजगार लोगों को भी शामिल किया गया जो धूम्रपान नहीं करते थे। धूम्रपान करने और न करने वाले प्रतिभागियों के बीच कई मामलों में अंतर पाया गया। उदाहरण के तौर पर धूम्रपान करने वाले प्रतिभागी आयु, शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में धूम्रपान नहीं करने वाले प्रतिभागियों से पीछे थे। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि धूम्रपान नौकरी ढूंढ़ने की क्षमता को प्रभावित करता है।

जौ-चने का सत्तू

चने को भूनने के बाद छिलका हटाकर पिसवा लेने पर चैथाई भाग जौ का सत्तू मिलाने से जौ-चने का सत्तू तैयार हो जाता है। इस सत्तू को पानी में घोलकर या घी-शक्कर मिलाकर पीने से गर्मी और बारिश के मौसम में खोई शारीरिक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसकी तासीर ठंडी होती है और यह ठंक देने वाला होता है। चना गुणों में लघु, रुक्ष एवं शीतल होता है। रस में मधुर एवं कषाय होता है।

स्वस्थ बच्चों के लिए सावधानी जरूरी

हर मां-बाप यहीं चाहता है कि उनका बच्चा स्वस्थ रहें लेकिन कई बार उन्हें सेहत संबंधी कई दिक्कतें आती हैं खांसी जुकाम के वह जल्द शिकार हो जाते हैं। इसके पीछे का कारण उनकी या माता-पिता की गलत आदतें हो सकती हैं। उनकी जीवनशैली साफ-सुथरी होती है। यह माता-पिता की ही जिम्मेदारी बनती है कि वह छोटी उम्र में ही बच्चों को स्वस्थ जीवन के लिए कुछ आदतें सिखाए ताकि वे स्वास्थ्य के प्रति जागरुक बन सकें। सावधानी बरतने पर हम बच्चों के बीमार होने की संभावनाएं कम कर सकते हैं। यदि आप अपने बच्चे के लिए स्वस्थ जीवन चाहते हैं, तो इन आदतों को अपने बच्चों को सिखाना न भूलें।

हाथ धोना सिखाएं: बच्चों को खाना खाने से पहले और बाद में हाथ धोना सिखाएं। हाथों में कई कीटाणु लगे होते हैं। उन्हें साफ रखने से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बच्चे को चुस्त रखें: व्यायाम करने से छोटी बीमारियों की संभावनाएं बहुत कम हो जाती है। एक तो व्यापाम से बच्चा चुस्त रहता है और शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता सक्रिय हो जाती है।

भरपूर नींद: इस बात का ध्यान रखें कि आपका बच्चा समय पर सो जाए और अच्दी नींद ले सके। नींद की कमी से वह बीमार हो सकते हैं।

केयर: आंखें, नाक और मुंह कुछ ऐसे स्थान हैं, जहां से कीटाणु आपके शरीर में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। ध्यान रखें कि आपके बच्चे गंदे हाथों से अपने मुंह को न छुएं।

पौष्टिक आहार: अपने बच्चे को संतुलित आहार दें, जिसमें फल तथा हरी सब्जियां ज्यादा हो, जिससे रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

रूटीन चेकअप: कभी-कभी अपने बच्चे को फैमिली डॉक्टर के पास ले जाएं और मामूली स्वास्थ्य मुद्दों की जांच के लिए रूटीन चैकअप करवाएं।

धूम्रपान से घटता है वजन

यह बात तो हर कोई जानता है कि धूम्रपान शरीर के लिए बहुत ही खतरनाक होता है। और इसके आदी लोगों को तो कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं होने का खतरा भी रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं धूम्रपान करने से वजन बढ़ता नहीं बल्कि घटता है। धूम्रपान अक्सर वजन घटाने के लिए जिम्मेदार होता है। लेकिन धूम्रपान वजन घटाने का बेहतर उपाय नहीं है। इसलिए वजन कम करने के लिए इसका कभी भी इस्तेमाल न करें। गर्भावस्था के दौरान मां धूम्रपान करती है तो बच्चे में अतिरिक्त चर्बी हो सकती है।

मेटाबोलिज्म रेट का बढ़ना

ज्यादा धूम्रपान करने से भूख नहीं लगती है और इस वजह से वजन घटता है। ऐसा धूम्रपान की वजह से निकोटीन खून के अंदर जाने से मेटाबोलिज्म रेट बढ़ जाने और भूख न लगने के कारण होता है।

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या

धूम्रपान करने वालों के खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ जाती है। जिसकी वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या शुरू हो जाती है।

अस्वस्थ शरीर

सामान्य लोगों की तुलना में धूम्रपान करने वाले लोग पतले होते हैं। धूम्रपान की वजह से वजन तो घटता ही है, लेकिन साथ ही शरीर की मांसपेशियां भी कमजोर हो जाती हैं। इसलिए धूम्रपान करने से वजन नहीं घटता है बल्कि शरीर अस्वस्थ हो जाता है।

स्मरण शक्ति पर असर

धूम्रपान करने से निकोटीन का असर दिमाग पर पड़ता है। धूम्रपान का दिमाग पर ऐसा प्रभाव पड़ता है कि धूम्रपान करने वाले को लगता है कि उसका पेट भरा हुआ है। जबकि वास्तव में धूम्रपान दिमाग से सोचने की शक्ति को कमजोर कर देता है। धूम्रपान से स्मरण शक्ति कमजोर होने लगती है।

खाने का मन न करना

धूम्रपान से दिमाग के प्रभावित होने की वजह से आदमी अपनी नियमित दिनचर्या को भूल जाता है। खाने के समय थकान महसूस होती है जिसके कारण खाने का मन नहीं करता है। इसके कारण आदमी की दिनचर्या प्रभावित होती है जिसका असर पाचन क्रिया पर होता है। खाने में उचित अंतर न हो पाने की वजह से खाना अच्छे से नहीं पच पाता है और शरीर की ऊर्जा समाप्त होने लगती है।

कैलोरी का जलना

धूम्रपान करने के बाद आदमी के दिल की धड़कन बढ जाती है। सामान्य धड़कन की तुलना में आदमी का दिल 20 बार ज्यादा धड़कता है। जिसके कारण शरीर से कैलोरी बहुत तेजी से जलती है जिसकी वजह से शरीर का वजन घटता है। वजन घटना धूम्रपान करने वाले के सिगरेट पीने की संख्या पर निर्भर करता है। क्योंकि आदमी अगर ज्यादा धूम्रपान करेगा तो कैलोरी ज्यादा जलेगी और वजन घटेगा। लेकिन गर्भावस्था में धूम्रपान करने वाली मां के बच्चों को किशोरावस्था में मोटापे की समस्या हो सकती है। मां द्वारा धूम्रपान करने से निकोटीन बच्चों में जमा हो जाता है जिसकी वजह से बच्चे जब किशोरावस्था में पहुंचते हैं तो उनमें 26 प्रतिशत ज्यादा चर्बी होती है। धूम्रपान करने से शरीर को बहुत नुकसान होते हैं। लेकिन धूम्रपान वजन बढने का कारण नहीं होता है। धूम्रपान से वजन घटता है। किंतु धूम्रपान को वजन घटाने के लिए प्रयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि धूम्रपान से शरीर की मांसपेशियां कमजोर होती हैं।

हेपेटाइटिस ठीक होती है इन घरेलू नुस्खो से

हेपेटाइटिस में व्यक्ति का लिवर (यकृत) ठोस हो जाता है जिससे पेट संबंधी कई परेशानियां होने लगती हैं। गंभीरता से न लेने पर यह बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। आइए जानते हैं इसके लिए कारगर उपायों के बारे में।

- गिलोय का 20 मिलिलीटर रस, आंवले व ग्वारपाठे का 10-10 मिलिलीटर रस मिलाकर दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया व पेशाब संबंधी रोगों में लाभ होता है।
- तुलसी की पत्तियों के एक चम्मच पेस्ट 200 मिलिलीटर मूली के पत्तों के रस में मिलाकर पीना भी इस रोग में लाभकारी है।
- मकोय के पत्ते, सफेद पुनर्नवा में हल्दी, काली मिर्च, धनिया व हल्का सेंधा नमक मिलाकर सब्जी बनाकर लेने से लिवर की कठोरता व सूजन में लाभ होगा।
- 15 मिलिलीटर ताजा गिलोय के रस में 20-25 किशमिश कूटकर मिलाएं। इससे उल्टी, पेट में जलन की समस्या में आराम मिलता है।
- मूली के पत्ते, चुकंदर के पत्ते व पालक (तीनों 250 ग्राम मात्रा में) या दानामेथी के पत्तों के रस में 50 ग्राम चीनी व एक चम्मच नमक मिलाएं। इसे हेपेटाइटिस की पहली स्टेज व रोग ठीक होने के बाद दें। इससे खून की कमी दूर होती है।
- मूली के ताजे पत्ते खून व लिवर से अधिक बिलरुबीन (तरल जिसे लिवर बनाता है) निकालने में सक्षम होते हैं। इसके पत्तों को पीसकर 15-20 मिलिलीटर रस दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया में सुधार होता है।
- कुटकी, चिरायता, सौंफ, इलाइची व सोंठ को एक चौथाई चम्मच सभी समान मात्रा में लेकर 2 चम्मच पानी मिलाएं व हल्का गुनगुना करें। इस पेस्ट को शहद में मिलाकर खाने से पाचनक्रिया दुरुस्त होगी।

टमाटर खाने से बीमारियों का खतरा होता है कम

टमाटर दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जी है। हम हर रोज किसी न किसी रूप में टमाटर का इस्तेमाल करते हैं फिर चाहे वे भोजन, सूप या सलाद ही क्यों न हो। यह भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ हमारे स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद है। टमाटर खाने से कैंसर का खतरा कम हो जाता है तथा यह त्वचा संबंधित बीमारियों से भी राहत दिलाता है। टमाटर खाने से त्वचा जवां दिखती है। ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी यह रामवाण है। टमाटर में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है। जिससे आंखों की रोशनी तेज होती है। इसमें दूध से दोगुनी मात्रा में आयरन पाया जाता है। यह सल्फर, कैल्शियम, और विटामिन्स की खान है और भूख बढ़ाने में सहायक है साथ ही कब्ज की समस्या को भी यह दूर करता है।

स्वस्थ त्वचा

टमाटर स्किन को सनबर्न से बचाता है और टैन्ड स्किन से भी राहत दिलाता है। टमाटर में पाया जाने वाला लाइकोपिन तत्व त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाता है।

पेट के लिए

पेट में कीड़े हों तो हर रोज खाली पेट टमाटर खाने से फायदा होता है। टमाटर में हींग का छौका लगाकर पीजिए, पेट के सारे कीड़े मर जाएंगे। टमाटर पर काली मिर्च लगाकर खाना भी काफी लाभदायक होता है।

भूख बढ़ाए

टमाटर भूख को बढ़ाकर पाचन शक्ति और पेट से संबंधित अनेक समस्याओं को दूर करता है। टमाटर खाने से पेट साफ रहता है और इसके सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

डायबिटीज के लिए

टमाटर खाने से डायबिटीज रोगियों को बहुत फायदा होता है। हर रोज एक खीरा और एक टमाटर खाने से डायबिटीज रोगी को बहुत लाभ मिलता है। टमाटर पेशाब संबंधी रोगों के लिए भी फायदेमंद है।

मजबूत हड्डियां

टमाटर में विटामिन के और कैल्शियम दोनों ही पाए जाते है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने और मरम्मत के लिए बहुत अच्छे होते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

टमाटर में पाए जाने वाले विटामिन ए से आंखों की रोशनी तेज होती है और यह रतौंधी को रोकने में मदद करती है।

लीवर और किडनी

टमाटर लीवर और किडनी की एफिशिएंसी को बढ़ाता है। हर रोज टमाटर का सूप पीने से लीवर और किडनी को फायदा होता है।

गठिया

अगर आपको गठिया है तो टमाटर का सेवन कीजिए। एक गिलास टमाटर के रस को सोंठ में डालकर अजवायन के साथ सुबह-शाम पीने से गठिया में फायदा होता है।

चुनौतियों और जोखिम से भरा काम

आपदा प्रबंधन में भी रोजगार के बेहतर अवसर

इन दिनों आपदा प्रबंधन में युवा कॅरियर बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। चूंकि कुदरती आपदा अचानक आती है इसकी कोई तय सीमा नहीं होती। इसी के मद्देनजर 2005 में डिजास्टर मैनेजमैंट एक्ट बनाया गया। केंद्र और राज्य सरकार ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी का गठन किया गया। आपदा प्रबंधन के लिए हमारे देश में दो शाखाएं काम कर रही हैं। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और डायरेक्टर जनरल सिविल डिफेंस (डीजीसीडी)। इनके जिम्मे डिजास्टर से संबंधित कई विभागों का काम होता है वहीं डीजीसीडी के अंतर्गत हर शहर और इलाके में टीमें होती हैं। ये छोटी शाखाओं में काम करते हैं।

संभावनाएं...

डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद ज्यादातर जॉब पब्लिक सैक्टर में हैं। जैसे सरकारी विभागों के फायर डिपार्टमेंट, सूखा प्रबंधन विभाग। विदेशों में छात्र अपना कॅरियर एमरजेंसी सर्विस, लोकल अथॉरिटी, राहत एजेंसी, एनजीओ, यूएनओ, वर्ल्ड बैंक, एमनेस्टी इंटरनेशनल, एशियन डेवलपमेंट बैंक, रेड क्रॉस सोसायटी, यूनेस्को जैसी इंटरनैशनल एजेंसी में बना सकते हैं। इसमें पेशे में जनसेवा तो है जोखिम भी कम नहीं। इस जोखिम भरे काम के लिए वेतन भी बढ़िया मिलता है।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
- इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट एंड फायर सेटी, मोहाली, पंजाब
- डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, भोपाल, मध्यप्रदेश

योग्यता...

डिजास्टर मैनेजमैंट से संबंधित कई तरह के कोर्स मौजूद हैं। कोर्स के स्वरूप के अनुसार अंडरग्रैजुएट व सिर्टिफकेट कोर्स के लिए छात्र 12वीं कक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास हो। मास्टर तथा एमबीए सरीखे कोर्स के लिए स्नातक होना आवश्यक है। कुछ संस्थान पीएचडी भी कराते हैं। अतः उसके लिए मास्टर डिग्री जरूरी है। इसके अलावा शॉर्ट टर्म कोर्स और डिस्टेंस लर्निंग कोर्स भी एक विकल्प है। सिर्टिफकेट कोर्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट जैस कई कोर्स हैं। रिस्क असेसमेंट एंड प्रीवेंशन स्ट्रेटेजीज, लैजिस्लेटिव स्ट्रक्चर फॉर कंट्रोल ऑफ डिजास्टर मिटिगेशन रेस्क्यू आदि विषय पढ़ाए जाते हैं।

महिलाओं की उम्र बढ़ा सकती है 'कैमोमाइल'

वैसे तो दिन में एक कप चाय सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है, लेकिन नए शोधों में पता चला है कि कैमोमाइल (बबूने का फूल) की चाय महिलाओं की उम्र बढ़ा सकती है। कैमोमाइल एक प्राचीन पौधा है, जिसका कई औषधीय उपचारों में इस्तेमाल होता है। अध्ययन में पता चला है कि कैमोमाइल का सेवन महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है।

7 साल के अध्ययन के बाद सामने आया ये सच...

महिलाओं में यह जनसांख्यिकी कारकों से गुजरने, स्वास्थ्य परिस्थितियों एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार के साथ सामंजस्य बैठाने में भी मददगार है, जबकि यह प्रभाव पुरुषों में नहीं देखा जाता है। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की मेडिकल शाखा के प्रोफेसर ब्रेट हॉवरी ने कहा कि हमारी रिपोर्ट में महिलाओं एवं पुरुषों के बीच भिन्नता पाए जाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन यह जरूर देखा गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं कैमोमाइल का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। शोधकर्ताओं ने अपने 7 साल के अध्ययन के दौरान मैक्सिकन-अमेरिकी लोगों में कैमोमाइल के प्रभाव और मृत्यु के कारणों का अध्ययन किया और पाया कि कैमोमाइल पीने वाले 1,677 महिलाएं एवं पुरुष 65 साल की आयु से ज्यादा जीवन जीते हैं।

पेट की गड़बड़ी-मोटापे की समस्या में मददगार...

शोधकर्ताओं ने हालांकि कहा कि यह बात स्पष्ट नहीं हो सकी है कि कैमोमाइल के सेवन और मृत्यु दर में गिरावट के बीच कैसा संबंध है। हाल के शोधों में पता चला है कि कैमोमाइल का सेवन हाइपरग्लिकेमिया, पेट की गड़बड़ी, मोटापे की समस्या और घबराहट की बीमारी के उपचार में मददगार है। कैमोमाइल को एक कारगर कॉलेस्ट्रॉल नियंत्रक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबॉयल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी प्लेटलेट भी माना जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि कैमोमाइल महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा हैं।

रेसिपी

मिल्क केक

सामग्री

दूध 10 कप
फिटकरी 1/8 छोटी चम्मच
चीनी 150 ग्राम
घी 2 बड़ा चम्मच
लिक्विड ग्लुकोस 2 बड़ा चम्मच

विधि

सबसे पहले एक बड़े नॉन स्टिक कढ़ाई में तेज आंच पर दूध को उबाल लें। फिर उसमें फिटकरी और चीनी डालकर, लगातार चलाते हुए डेढ़ घन्टे तक पकाएं या जब तक दूध दानेदार और गाढ़ा न हो जाए। फिर इसमें घी और ग्लूकोज डालकर अच्छी तरह मिला लें और तब तक पकाएं जब तक मिश्रण कढ़ाई के किनारे न छोड़ने लगे। अब इस मिश्रण को साढ़े सात इंच व्यास और ढाई इंच गहरे घी लगे बाउल में डालें और ढक दें। चार से पांच घंटे तक एक तरफ रखें। इस बिच मिश्रण पकता रहेगा और बीच की परत हल्का भूरी हो जाएगी। अब इसे बाउल में से निकालें, चौकोर टुकड़े काटें और परोसें।

तवा पुलाव

सामग्री

बासमती चावल -2 कप (पका हुआ), आलू - 1, थोड़ी सी मटर, गाजर -1, शिमला मिर्च - 1, प्याज -1, टमाटर -2, लाल मिर्च पाउडर - स्वादनुसार, थोड़ी सी हल्दी, अदरक लहसुन का पेस्ट, जीरा, पाव भाजी मसाला - 2 टी स्पून, धनिया पत्ता - 2 टेबल स्पून, नींबू का रस, मक्खन - 2 टेबल स्पून, नमक - स्वादानुसार, हरी मिर्च - 2

विधि

सबसे पहले आलू और मटर को उबाल लीजिए। प्याज, गाजर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, टमाटर को बारीक काट लीजिए अब उबले हुए आलू का छिलका हटाकर छोटे-छोटे टुकड़ो में काट लीजिए। अब एक पैन में मक्खन डाल कर गरम कीजिए, उसमें जीरा डालकर भुनें उसके बाद बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च डाल कर पकाइए और उसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डालकर मिलाए। अब बारीक कटा हुआ टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च डालकर मिलाएं। उसके बाद लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, पाव भाजी मसाला मिलाकर धीमी आंच पर लगभग 5-6 मिनट तक पकाएं अब उबले हुए मटर, आलू, नमक डाल कर मिलाएं। अब पका हुआ चावल डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए उसके बाद बारीक कटा हुआ धनिया पत्ता डालकर मिलाइए अब गैस बंद करके नींबू का रस डालकर रख दीजिए और हो गया आपका गरमा-गरम तवा पुलाव तैयार।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**